रविवार, 2 मार्च 2025

मौसम

तापमान 28 – 16
आर्द्रता 47%
सूर्योदयः 5:56 सूर्यास्तः 17:40

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

वैष्णव ने अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पुनर्विकास और बुलेट ट्रेन परियोजना की समीक्षा की –पृष्ठ 7

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, फाल्गुन शुक्लपक्ष तृतीया, वि.स. 2081, पृष्ठ 8, मूल्य 4.00 रुपये

सुविचार : हर चीज का सृजन दो बार होता है, पहली बार दिमाग में दूसरी बार वास्तविकता में।

दो हजार रुपये के 98.18 प्रतिशत नोट वापस आए: रिजर्व बैंक

मुंबई : भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शनिवार को कहा कि 2000 रुपये के 98.18 प्रतिशत नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गए हैं। अब सिर्फ 6,471 करोड़ रुपये मूल्य के ऐसे नोट जनता के पास हैं। रिजर्व बैंक ने 19 मई, 2023 को 2000 रुपये मूल्य के बैंक नोटों को प्रचलन से वापस लेने की घोषणा की थी। आरबीआई ने कहा कि 19 मई, 2023 को कारोबार बंद होने पर प्रचलन में मौजूद 2000 रुपये के बैंक नोटों का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपये था, जो 28 फरवरी, 2025 को कारोबार बंद होने पर घटकर 6,471 करोड़ रुपये रह गया। केंद्रीय बैंक ने बयान में कहा, इस प्रकार 19 मई, 2023 तक प्रचलन में मौजूद 2000 रुपये के बैंक नोटों में से 98.18 प्रतिशत वापस आ चुके हैं। दो हजार रुपये के नोट जमा करने और/या बदलने की सुविधा सात अक्टूबर, 2023 तक सभी बैंक शाखाओं में उपलब्ध थी। हालांकि, यह सुविधा अब भी रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में उपलब्ध है। आरबीआई के निर्गम कार्यालय नौ अक्टूबर, 2023 से व्यक्तियों और संस्थाओं से उनके बैंक खातों में जमा करने के लिए 2000 रुपये के बैंक नोट स्वीकार कर रहे हैं।

भारत अब दुनिया के कारखाने के रूप में उभर रहा है: प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि उनका 'वोकल फॉर लोकल' अभियान अब रंग ला रहा है, क्योंकि भारतीय उत्पाद वैश्विक हो रहे हैं और दुनिया भर में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। मोदी ने 'एनएक्सटी' सम्मेलन में 'न्यूजएक्स वर्ल्ड' चैनल के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि भारत अनंत नवोन्मेषों, किफायती समाधान खोजने और उन्हें विश्व को उपलब्ध कराने की भूमि बन रहा है। मोदी ने कहा, ''दुनिया 21वीं सदी के भारत को उत्सुकता से देख रही है। दुनिया भर से लोग भारत आना और उसे समझना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा कि देश अब विनिर्माण केंद्र और ''दुनिया के कारखाने'' के रूप में उभर रहा है। मोदी ने कहा, ''दशकों से दुनिया भारत को अपना 'बैक ऑफिस' कहती रही है। अब भारत दुनिया का नया कारखाना बन रहा है। हम अब केवल कार्यबल नहीं रह गए हैं, बल्कि एक विश्व शक्ति बन रहे हैं।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के बढ़ते रक्षा उत्पाद दुनिया के सामने इसकी इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी की ताकत को दर्शाते हैं। मोदी ने कहा, ''इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर ऑटोमोबाइल के क्षेत्र तक दुनिया ने भारत के पैमाने और क्षमता को देखा है। भारत न केवल दुनिया को उत्पाद उपलब्ध करा रहा है, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक भरोसेमंद और विश्वसनीय भागीदार भी बन रहा है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में भारत का नेतृत्व वर्षों की कड़ी मेहनत और व्यवस्थित नीतिगत निर्णयों का परिणाम है। उन्होंने कहा, ''मैंने कुछ साल पहले देश के सामने 'वोकल फॉर लोकल' और 'लोकल फॉर ग्लोबल' की सोच रखी थी और आज हम इस सोच को हकीकत में बदलते देख रहे हैं।'' मोदी ने कहा कि देश 'सेमीकंडक्टर' और विमानवाहक पोत बना रहा है तथा इसके मखाना और बाजरा जैसे 'सुपरफूड' (न्यूनतम कैलोरी और अधिकतम पोषक तत्व वाले खाद्य पदार्थ), आयुष उत्पाद तथा योग को दुनिया भर में अपनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत एक प्रमुख ऑटोमोबाइल निर्माता बन गया है और इसका रक्षा निर्यात बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को दुनिया के सामने बिना किसी पूर्वाग्रह के वैसा ही पेश किया जाना चाहिए, जैसा वह है। उन्होंने कहा, ''हमें किसी तरह के दिखावे की जरूरत नहीं है।'' उन्होंने कहा कि देश की असली कहानियां दुनिया तक उसके असल रूप में पहुंचनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत वह भूमि है, जिसने दुनिया को शून्य की अवधारणा दी और अब यह अनंत नवोन्मेषों की भूमि बन रहा है। मोदी ने कहा, ''भारत न केवल 'इनोव-शन' (नवोन्मेष) कर रहा है, बल्कि 'इंडोवेशन' भी कर रहा है, जिसका अर्थ है भारतीय तरीके से नवोन्मेष करना।'' उन्होंने कहा कि भारत ऐसे समाधान तैयार कर रहा है जो किफायती, सुलभ और समय के अनुसार ढलने वाले हैं और वह उन्हें बिना किसी बाधा के दुनिया को पेश कर रहा है। उन्होंने कहा, ''जब दुनिया को एक सुरक्षित और लागत प्रभावी डिजिटल भुगतान प्रणाली की आवश्यकता थी, तो भारत ने यूप-ीआई (यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस) प्रणाली विकसित की। आज फ्रांस, यूएई (संयुक्त अरब अमीरात) और सिंगापुर जैसे देश यूपीआई को अपने वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र में एकीकृत कर रहे हैं।''

छात्र संघ के चुनाव की मांग पर रणक्षेत्र बना जादवपुर विवि

- शिक्षा मंत्री व उनके काफिले की गाड़ियों में तोडफ़ोड़, हमले में ब्रात्य बसु को आईं चोटें
- एसएफआई ने शिक्षा मंत्री पर अपनी गाड़ी से छात्रों को कुचलने का लगाया आरोप
- एसएफआई ने घटना के विरोध में कल बुलाई छात्र हड़ताल, तृणमूल ने निकाला प्रतिवाद जुलूस

शिक्षा मंत्री पर हमला

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता का जादवपुर विश्वविद्यालय (जेयू) छात्र संघ के चुनाव की मांग पर शनिवार को रणक्षेत्र में तब्दील हो गया। चुनाव की मांग कर रहे वामपंथी छात्र संगठन स्टूडेंट्स फेडरेशन आफ इंडिया (एसएफआई) के छात्रों ने शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसु व उनकी काफिले की गाडिय़ों को रोक दिया, टायरों से हवा निकाल दी और उनमें तोडफ़ोड़ की। शिक्षा मंत्री ने जब गाड़ी से उतरकर उनसे बात करने की कोशिश की तो उन्होंने 'चोर-चोरळ और 'वापस जाओळ के नारे लगाए गए और उनके साथ धक्का-मुक्की की। इसमें ब्रात्य बसु को चोटें आई हैं। शिक्षा मंत्री जेयू के तृणमूल पंथी प्रोफेसरों के संगठन वेबकूपा की बैठक में शामिल होने आए थे। बैठक के बाद जेयू परिसर से निकलते वक्त यह घटना घटी। इसके बाद एसएफआई व वेबकूपा के सदस्य आपस में भिड़ गए, जिसमें दोनों पक्षों के कई लोग घायल हुए हैं। प्रोफेसर व वेबकूपा के सदस्य ओमप्रकाश मिश्रा को वामपंथी छात्रों ने लाठियों लेकर दौड़ाया। प्रदर्शनकारी छात्रों पर एक महिला प्रोफेसर की साड़ी फाडऩे का भी आरोप लगा है। एसएफआई ने शिक्षा मंत्री पर अपनी गाड़ी से छात्रों को कुचलने का आरोप लगाया है। शिक्षा मंत्री जेयू परिसर से निकलकर सीधे एसएसकेएम अस्पताल के ट्रामा केयर सेंटर गए और वहां अपनी जांच कराई। एसएफआई ने घटना के विरोध में सोमवार को छात्र हड़ताल बुलाई है। उन्होंने जादवपुर थाने के सामने प्रदर्शन भी किया। दूसरी तरफ, तृणमूल ने जादवपुर से सांसद सायोनी घोष व राज्य के खेल मंत्री अरूप बिश्वास के नेतृत्व में प्रतिवाद जुलूस निकाला। तृणमूल नेता कुणाल घोष ने कहा कि जेयू में शिक्षा मंत्री पर जानलेवा हमला किया गया है। उन्होंने चेतावनी देते हुए यह भी कहा कि तृणमूल की सहनशीलता को उसकी कमजोरी न समझा जाए।

फरवरी में जीएसटी संग्रह 9.1 प्रतिशत बढ़कर 1.84 लाख करोड़ रुपये

नयी दिल्ली : सकल जीएसटी संग्रह फरवरी 2025 में सालाना आधार पर 9.1 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.84 लाख करोड़ रुपये हो गया। आधिकारिक आंकड़ों में शनिवार को यह जानकारी दी गई। सकल जीएसटी संग्रह एक साल पहले इसी अवधि में 1.68 लाख करोड़ रुपये और जनवरी 2025 में 1.96 लाख करोड़ रुपये था। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे घरेलू खपत से बढ़ावा मिलने और आर्थिक पुनरुद्धार का संकेत मिलता है। इस दौरान सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह के तहत घरेलू राजस्व 10.2 प्रतिशत बढ़कर 1.42 लाख करोड़ रुपये रहा। आयात राजस्व 5.4 प्रतिशत बढ़कर 41,702 करोड़ रुपये हो गया। आंकड़ों के अनुसार समीक्षाधीन महीने में केंद्रीय जीएसटी से 35,204 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी से 43,704 करोड़ रुपये, एकीकृत जीएसटी से 90,870 करोड़ रुपये और मुआवजा उपकर से 13,868 करोड़ रुपये का संग्रह हुआ। फरवरी के दौरान कुल 20,889 करोड़ रुपये के रिफंड जारी किए गए, जो सालाना आधार पर 17.3 प्रतिशत अधिक है।

स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सीयूईटी-यूजी परीक्षा आठ मई से एक जून तक होगी आयोजित: एनटीए

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने शनिवार को घोषणा की कि स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सामान्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) आठ मई से एक जून तक आयोजित की जाएगी। सीयूईटी-यूजी के लिए आवेदन एक से 22 मार्च तक किया जा सकेगा। एनटीए के अधिकारियों ने कहा कि परीक्षा की तारीखें हालांकि अभी संभावित हैं और विस्तृत कार्यक्रम बाद में घोषित किया जाएगा। परीक्षाएं 13 भाषाओं – अंग्रेजी, हिंदी, असमिया, बंगाली, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, ओडिया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु और उर्दू में आयोजित की जाएंगी। देश में केंद्रीय, राज्य और चुनिंदा निजी विश्वविद्यालयों में प्रवेश को मानकीकृत करने के लिए 2022 में सीयूईटी-यूजी की शुरुआत की गई थी। सीयूईटी-यूजी का उद्देश्य कई प्रवेश परीक्षाओं की जगह एक समान मूल्यांकन मंच प्रदान करना है।

उत्तराखंड हिमस्खलन

बचाए गए 50 मजदूरों में से चार की मौत, पांच मजदूरों की तलाश जारी

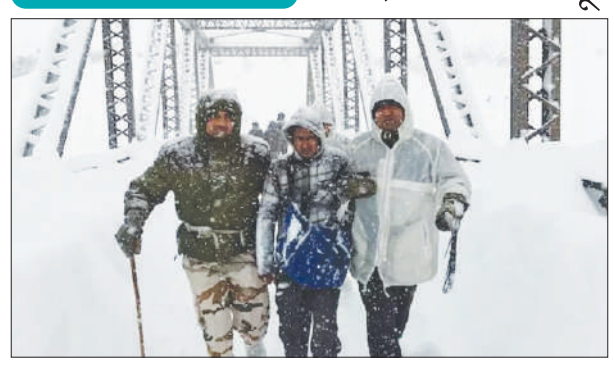

देहरादून : उत्तराखंड के चमोली जिले के माणा गांव में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के शिविर में हिमस्खलन के कारण बर्फ के नीचे दबे 50 श्रमिकों को बाहर निकाल लिया गया है, लेकिन उनमें से चार श्रमिकों की शनिवार को मौत हो गई। बचाव दल शेष पांच श्रमिकों को बचाने के लिए कड़ी मशक्कत कर रहा है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सेना के अनुसार, शुक्रवार सुबह 5:30 से छह बजे के बीच माणा और बद्रीनाथ के बीच बीआरओ शिविर के पास हिमस्खलन हुआ, जिससे आठ कंटेनर और एक शेड के अंदर 55 श्रमिक दब गए। शुक्रवार रात तक 33 और शनिवार को 17 लोगों को बचा लिया गया। शुक्रवार को बारिश और बर्फबारी के कारण बचाव कार्य में बाधा उत्पन्न हुई और रात होने के कारण अभियान स्थगित कर दिया गया था। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी एन के जोशी ने बताया कि मौसम साफ होने पर माणा में तैनात सेना और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के जवानों ने सुबह बचाव अभियान फिर से शुरू किया। सेना के प्रवक्ता मनीष श्रीवास्तव ने बताया कि बचाव अभियान में छह हेलीकॉप्टर लगे हुए हैं। इनमें तीन भारतीय थल सेना के, दो भारतीय वायुसेना के और एक सेना द्वारा किराए पर लिया गया असैन्य हेलीकॉप्टर शामिल है। बद्रीनाथ से तीन किलोमीटर दूर 3,200 मीटर की ऊंचाई पर स्थित माणा भारत-तिब्बत सीमा पर अंतिम गांव है। सेना के प्रवक्ता ने कहा, ''50 मजदूरों को बचा लिया गया है, जिनमें से दुर्भाग्यवश चार घायलों की मौत की पुष्टि हो गई है, जबकि शेष पांच की तलाश जारी है।'' उन्होंने कहा कि घायलों को प्राथमिकता के आधार पर निकाला जा रहा है।

बड़ा फैसला: दिल्ली में 1 अप्रैल से 15 साल पुराने वाहनों को नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल

नयी दिल्ली : प्रदूषण के खिलाफ जंग में दिल्ली सरकार अभी से ही एक्शन मोड में दिखाई पड़ रही है। अन्य विभाग के तरह ही पर्यावरण विभाग में वायु प्रदूषण को दिल्ली में कम करने के लिए ताबड़तोड़ फैसले ले रही है। इसी कड़ी में दिल्ली सरकार ने वाहनों को लेकर शनिवार को एक बड़ा फैसला लिया। 31 मार्च के बाद दिल्ली के पेट्रोल पंपों पर 15 साल से अधिक पुराने वाहनों को ईंधन नहीं दिया जाएगा। यानी पुराने वाहनों को पेट्रोल देना सरकार बंद कर देगी। इसके लिए एक विशेष टीम का गठन किया जाएगा, जो ऐसे वाहनों की पहचान करेगी। इसके साथ ही दिल्ली में करीब 90 प्रतिशत सार्वजनिक सीएनजी बसों को दिसंबर तक चरणबद्ध तरीके से हटा दिया जाएगा। इसकी जगह इलेक्ट्रिक बसों का बेड़ा उतारा जाएगा। दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शनिवार को अधिकारियों के साथ

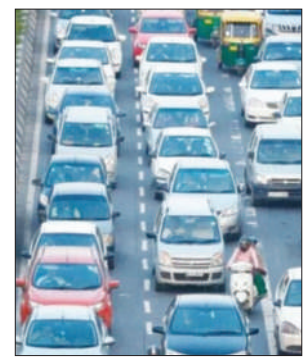

बड़ी बैठक की। जहां वाहनों से होने वाले उत्सर्जन और प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए कड़े कदम उठाने पर चर्चा की गई। बैठक में प्रमुख नीतिगत निर्णयों पर ध्यान केंद्रित किया गया। जिसमें पुराने वाहनों पर प्रतिबंध, अनिवार्य एंटी-स्मॉग उपाय और इलेक्ट्रिक सार्वजनिक परिवहन में परिवर्तन शामिल रहा। सड़कों पर सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने पर भी चर्चा की गई।

गंगा जल संधि पर संयुक्त बैठक के लिए 11 सदस्यीय बांग्लादेशी टीम भारत आएगी

ढाका : गंगा जल संधि के संबंध में बैठक के लिए 11 सदस्यीय बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल सोमवार को भारत आएगा। संधि का नवीनीकरण 2026 में होना है। सीमापार नदी जल बंटवारे के लिए 30 वर्ष पुरानी संधि के नवीनीकरण के संबंध में भारत और बांग्लादेश अगले सप्ताह तकनीकी विशेषज्ञों की संयुक्त समिति की 86वीं बैठक आयोजित करने वाले हैं। समाचारपत्र 'डेली स्टार' ने शनिवार को यहां कहा, ''संयुक्त नदी आयोग (जेआरसी) के सदस्य मोहम्मद अबुल हुसैन के नेतृत्व में बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल तीन मार्च को कोलकाता पहुंचेगा और फरक्का में गंगा पर संयुक्त निरीक्षण स्थल के दो दिवसीय दौरे पर रवाना होगा।'' वरिष्ठ संयुक्त आयुक्त (एफएम) आर आर संभारिया द्वारा लिखे गए पत्र के अनुसार, प्रतिनिधिमंडल 6-7 मार्च को भारत-बांग्लादेश संयुक्त नदी आयोग के तत्वावधान में दो दिवसीय बैठक के लिए कोलकाता आएगा। अबुल हुसैन ने समाचारपत्र को बताया कि संयुक्त नदी आयोग सीमा पार नदी पर चर्चा करने के लिए वर्ष में एक बार बैठक करता है। जल शक्ति मंत्रालय के अनुसार, भारत और बांग्लादेश 54 नदियों का पानी साझा करते हैं। भारत और बांग्लादेश के संयुक्त नदी आयोग का गठन 1972 में साझा अथवा सीमा अथवा सीमा पार नदियों पर आपसी हित के मुद्दों को हल करने के लिए द्विपक्षीय तंत्र के रूप में किया गया था। गंगा जल संधि पर 12 दिसंबर 1996 को तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा और उनकी बांग्लादेशी समकक्ष शेख हसीना ने हस्ताक्षर किए थे। पिछले साल जून में हसीना की भारत की यात्रा के दौरान दोनों पक्षों ने घोषणा की थी कि 1996 की संधि के नवीनीकरण के लिए तकनीकी वार्ता शुरू हो गई है।

2025-26 में भारत बना रहेगा सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था: आईएमएफ

न्यूयॉर्क : बहुपक्षीय वित्तपोषण एजेंसी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने कहा है कि भारत मजबूत निजी निवेश और व्यापक आर्थिक स्थिरता के दम पर 2025-26 में 6.5 प्रतिशत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर्ज करके सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखेगा। आईएमएफ ने कहा कि भारत का मजबूत आर्थिक प्रदर्शन संरचनात्मक सुधारों को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है, जो देश को 2047 तक उन्नत अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य को साकार करने के लिए महत्वपूर्ण है। आईएमएफ ने भारत के साथ परामर्श के बाद कहा, वित्त वर्ष 2024-25 और 2025-26 में वास्तविक जीडीपी 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है, जिसे निरंतर व्यापक आर्थिक और वित्तीय स्थिरता के आधार पर निजी खपत में मजबूत वृद्धि का समर्थन प्राप्त होगा। भारत सरकार द्वारा जारी दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, देश की अर्थव्यवस्था 2024-25 के दौरान 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है। आईएमएफ ने कहा, खाद्य मुद्रास्फीति कम होने के साथ ही मुख्य मुद्रास्फीति लक्ष्य के करीब पहुंचने की उम्मीद है।

आज का पंचांग

कोलकाता : 2 मार्च, रविवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2081, फाल्गुन शुक्लपक्ष तृतीया, 21:03 तक , नक्षत्र : उत्तरभाद्रपदा, 08:51 तक, योग : शुभा, 12:32 तक, सूर्योदय: 5:56, सूर्यास्त: 17:40, चन्द्रोदय : 07:23, चन्द्रास्त: 20:10, शक सम्वत: 1945 सुभाकृतु, सूर्य राशि : कुम्भ, चन्द्र राशि : मीन, राहू काल : 16:09 से 17:36

साप्ताहिक : राशिफल 02-03-25 से 08-03-25

मेष : चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ : मेष राशि के जातकों के लिए के लिए यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य लिए हुए है। इस सप्ताह आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में किए जाने वाले प्रयास का सकारात्मक परिणाम प्राप्त होगा। लंबे समय से चले आ रहे अटके कार्य पूर्ण होंगे। करियर-कारोबार में अपेक्षित लाभ और प्रगति देखने को मिलेगी। कार्यक्षेत्र में लोग आपके कामकाज की तारीफ करते नजर आएंगे। उच्च अधिकारियों की आप पर विशेष कृपा बरसेगी। माह के मध्य में संतान की विशेष उपलब्धि से आप का मान-सम्मान बढ़ेगा।

वृष : ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो : वृषभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह सामान्यत: अनुकूल एवं मनचाहे फल दिलाने वाला साबित होना चाहिए। सप्ताह के पूर्वार्ध में छोटी-मोटी अड़चनें आ सकती हैं, लेकिन आप अपनी बुद्धि और विवेक से उसे दूर करते हुए अंतत: मनचाही सफलता और लाभ प्राप्ति करने में कामयाब होंगे। इस सप्ताह आपको अपने शुभचिंतकों और परिजनों का विशेष सहयोग मिलेगा, जिससे आपके पराक्रम एवं साहस में वृद्धि होगी। सप्ताह के मध्य का समय करियर-कारोबार की दृष्टि से विशेष फलदायक रह सकता है।

मिथुन : का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह : मिथुन राशि के जातकों को इस सप्ताह अपने सोचे हुए कार्यों को समय पर मनचाहे तरीके से पूरा करने के लिए अधिक परिश्रम और प्रयास की आवश्यकता बनी रहेगी। इस सप्ताह आपको अपने मन में किसी भी प्रकार के नकारात्मक विचार या भाव लाने की बजाय हाथ आए अवसर को अच्छे से भुनाते हुए अपने कार्य को समय पर करने का प्रयास करना चाहिए। इस दौरान कार्यक्षेत्र में बेहतर स्थितियां बनेंगी और उच्च अधिकारियों के साथ अधीनस्थ लोगों का समर्थन और सहयोग प्राप्त होगा।

कर्क : ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो : कर्क राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायी है। इस सप्ताह आपको अपने कार्यों को बेहद सावधानी के साथ करने की आवश्यकता रहेगी। किसी भी योजना के नियमों को बगैर जाने-समझे उससे जुड़ने की भूल न करें। इस सप्ताह आपको जल्दबाजी में कार्य करने से बचना होगा अन्यथा बाद में अपनी गलतियों के लिए पछताना पड़ सकता है। सप्ताह के मध्य में कार्यों में अचानक से आने वाली कुछेक अड़चनों के चलते आपका मन खिन्न रहेगा।

सिंह : मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे : सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। इस सप्ताह आपके कार्य कभी बनते तो कभी अटकते नजर आएंगे। सोचे हुए कार्य समय पर नहीं पूरा होने पर आपके भीतर तनाव और झुंझलाहट की अधिकता रहेगी। सिंह राशि के जातकों को इस सप्ताह धैर्य रखते हुए किसी भी विषम परिस्थिति में आपा खोने से बचना चाहिए अन्यथा बनती बात भी बिगड़ सकती है। संबंध और सेहत दोनों की दृष्टि से इस सप्ताह आपको खूब सचेत रहने की आवश्यकता है।

कन्या : ढो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो : कन्या राशि के जातकों को इस सप्ताह किसी भी कार्य में लापरवाही करने से बचना चाहिए। इस सप्ताह छोटी सी भी चूक आपकी बड़ी परेशानी का कारण बन सकती है। ऐसे में करियर हो अथवा कारोबार उससे जुड़े सभी कार्यों को पूरे मनोयोग के साथ समय पर करने का प्रयास करें। रोजी-रोजगार की दृष्टि से सप्ताह के पूर्वार्ध में आपको कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान आपके सिर पर कामकाज का अत्यधिक दबाव रहेगा। टारगेट ओरिएंटेड कार्य करने वालों के लिए समय प्रतिकूल है।

तुला : रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते : तुला राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह सामान्य फलदायक रहने वाला है। इस सप्ताह आपका करियर-कारोबार पूर्व की तरह सामान्य रूप से चलता रहेगा। व्यवसाय से जुड़े लोगों को कारोबार में धीमी गति से ही सही लेकिन लाभ की प्राप्ति होती रहेगी। यदि आप कारोबार से जुड़ी किसी समस्या को लेकर बीते कुछ समय से परेशान चल रहे थे, उसमें आपको इस सप्ताह कुछ हद तक समाधान खोजने में कामयाबी मिल सकती है।

वृश्चिक : तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू : वृश्चिक राशि के जातक इस सप्ताह अचानक से आई कुछ समस्याओं अथवा परिश्रम के मुताबिक मनचाहे फल न मिलने के कारण अपना आपा खो सकते हैं। जिससे उनके बनते कार्य भी बिगड़ने की आशंका है। सप्ताह के पूर्वार्ध में नौकरी और व्यवसाय से जुड़े मामले प्रभावित हो सकते हैं। यह समय आपके सेहत और संबंध की दृष्टि से भी थोड़ा प्रतिकूल रहने वाला है। ऐसे में अपने खानपान, दिनचर्या और बात-व्यवहार पर विशेष ध्यान दें। नौकरीपेशा जातकों की कार्यक्षेत्र में व्यस्तता बढ़ सकती है।

धनु : ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे : धनु राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह जीवन में नए अवसर और प्रगति की संभावनाओं को लिए हुए है। इस सप्ताह आपके शुभचिंतक आप पर पूरी तरह से मेहरबान नजर आएंगे। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आपको सकारात्मक परिणाम मिलते हुए नजर आएंगे। सप्ताह की शुरुआत में आपको लंबी अथवा छोटी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है। यात्रा सुखद एवं नये संपर्कों को बढ़ाने वाली साबित होगी। सप्ताह के पूर्वार्ध में आपको नौकरी संबंधी मामलों में शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी।

मकर : भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी : मकर राशि के जातकों को इस सप्ताह अपने कार्य को बेहद सावधानी और सूझबूझ के साथ करने की आवश्यकता बनी रहेगी। इस सप्ताह क्रोध अथवा असमंजस की स्थिति में कोई बड़ा निर्णय लेने से बचें अन्यथा बाद में पछताना पड़ सकता है। सप्ताह की शुरुआत में घरेलू एवं कामकाज से जुड़ी समस्याएं आपकी चिंता का बड़ा कारण बनेंगी। इस दौरान अपका कार्य न तो घर में और न ही कार्यस्थल अथवा कारोबार में लगेगा। सेहत और संबंध की दृष्टि से भी यह सप्ताह बहुत ज्यादा अनुकूल नहीं कहा जा सकता है।

कुम्भ : गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा : कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभता लिए हुए है। नौकरी और व्यवसाय से जुड़े मामले में पूरे सप्ताह अनुकूलता बनी रहेगी। इस सप्ताह सौभाग्य का साथ बना रहने के कारण आपकी सफलता का प्रतिशत बढ़ेगा। यदि आपका कोई मामला कोर्ट-कचहरी आदि में चल रहा है तो उसका फैसला आपके हक में आ सकता है। कार्यक्षेत्र में आपके विरोधियों की चालें नाकाम होंगी और आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

मीन : दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची : मीन राशि के जातकों लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायी है। करियर और कारोबार में आने वाली दिक्कतों से बचने के लिए आपको इस सप्ताह विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता बनी रहेगी। नौकरीपेशा लोगों का अनचाही जगह पर तबादला अथवा उन्हें अनचाही जिम्मेदारी मिलने की आशंका बनी रहेगी। इस सप्ताह मीन राशि के जातकों को किसी भी प्रकार की परेशानी से बचने के लिए अपने उच्च अधिकारियों एवं अधीनस्थों के साथ बेहतर तालमेल बनाए रहने की आवश्यकता है।

नीतीश फिर से मुख्यमंत्री बनेंगे, उनके बेटे का राजनीति में स्वागत है: चिराग

पटना : केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने शनिवार को दावा किया कि साल के अंत में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत के बाद जद (यू) अध्यक्ष नीतीश कुमार ''फिर से बिहार के मुख्यमंत्री बनेंगे।'' पासवान ने यहां संवाददाताओं से कहा कि वह कुमार के बेटे निशांत के राजनीति में आने का स्वागत करेंगे। उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव के इस दावे की आलोचना की कि उन्हें (निशांत को राजनीति में आने से) रोकने के लिए साजिश रची जा रही है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख पासवान ने कहा, ''यदि निशांत राजनीति में आना चाहते हैं तो मैं इसका स्वागत करूंगा। लेकिन यह उनका व्यक्तिगत फैसला होगा। जहां तक तेजस्वी यादव का सवाल है, उन्हें यह समझना चाहिए कि विधानसभा में विपक्ष का नेता होने के नाते उन्हें जिम्मेदारी के साथ बोलना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''यदि तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री के बेटे के खिलाफ साजिश का इतना यकीन है, तो उन्हें सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करने के बजाय नीतीश कुमार से मिलना चाहिए और जो भी जानकारी उनके पास है, उसे साझा करना चाहिए।'' हाजीपुर के सांसद ने 74 साल के हो चुके कुमार को जन्मदिन की शुभकामनाएं भी दीं और कहा, ''राजग उनके नेतृत्व में चुनाव लड़ने और जीतने के लिए उत्सुक है। चुनाव के बाद वह मुख्यमंत्री के रूप में वापस आएंगे।''

योगी ने बारिश और ओलावृष्टि के मद्देनजर अधिकारियों को राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बारिश और ओलावृष्टि के मद्देनजर शनिवार को संबंधित जिलों के अधिकारियों को पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए। शनिवार को यहां जारी एक सरकारी बयान के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधिकारी प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर राहत कार्यों पर नजर रखें और प्रभावित लोगों को मदद प्रदान करें।

मुख्यमंत्री ने यह निर्देश भी दिए हैं कि फसलों को हुए नुकसान का युद्ध स्तर पर आकलन करते हुए शासन को जानकारी उपलब्ध कराई जाए ताकि इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जा सके। राहत आयुक्त कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के अनुसार पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में विगत दो दिनों में ओलावृष्टि तथा वर्षा हुई है।

अतीक अहमद के कार्यालय में लगी आग, कोई जनहानि नहीं

प्रयागराज (उप्र) : बाहुबली अतीक अहमद के चकिया स्थित कार्यालय में शनिवार को आग लग गई जिसे तत्काल बुझा दिया गया। इस घटना में कोई जनहानि की सूचना नहीं है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी आरके पांडेय ने बताया कि शाम को दमकल नियंत्रण कक्ष को सूचना प्राप्त हुई कि लूकरगंज क्षेत्र में कर्बला चौकी अंतर्गत अतीक अहमद के कार्यालय की खिड़की और दरवाजों में आग लगी है। उन्होंने बताया कि इस सूचना पर तत्काल दमकल वाहनों को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया और आग पर काबू पाया गया। आग से कोई जनहानि नहीं हुई है और आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। पांडेय ने बताया कि अतीक अहमद का कार्यालय बुलडोजर से आंशिक रूप से ढहा दिया गया था इसलिए वहां कोई कर्मचारी नहीं था।

झारखंड: सड़क दुर्घटना में दो नाबालिगों की मौत

लोहरदगा (झारखंड) : झारखंड के लोहरदगा जिले में शनिवार को एक ट्रैक्टर के पलट जाने से दो लड़कों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना जिले के सेरेंगदाग थाना क्षेत्र के अंतर्गत हेसाग गांव के पास हुई। पीड़ितों के साथ ही कई अन्य लोग ईंटों से लदे ट्रैक्टर पर सवार होकर अपने गंतव्य की ओर जा रहे थे। अधिकारी ने बताया कि रास्ते में हेसाग बत्रू पुल पर चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, जिससे वह पलट गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि तुरियाडीह गांव निवासी मनीष उरांव (12) और छोटू लोहरा (10) नाम के दो लड़कों की मौत हो गई, जबकि छह अन्य घायल हो गए। जिला सिविल सर्जन डॉ. शंभुनाथ चौधरी ने बताया कि स्थानीय लोगों और पुलिस ने घायलों को लोहरदगा सदर अस्पताल में भर्ती कराया।

हरियाणा के अंबाला में अदालत परिसर में दो लोगों ने हवा में गोलियां चलाईं

अंबाला : अंबाला में शनिवार को अदालत परिसर में दो अज्ञात लोगों ने हवा में गोलियां चलाईं, जिससे वहां दहशत फैल गई। पुलिस उप-धीक्षक (अंबाला) रजत गुलिया के अनुसार आरोपी अदालत में किसी मामले में पेश होने आए एक व्यक्ति पर हमला करने के मकसद से आए थे। पुलिस को संदेह है कि संभवत: पुरानी रंजिश में यह हमला किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी एक स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) में सवार होकर आए थे।

जमशेदपुर में पालतू पशुओं के लिए पूर्वी भारत का पहला गैस आधारित शवदाह गृह स्थापित

जमशेदपुर : झारखंड के जमशेदपुर में शनिवार को पालतू पशुओं के लिए गैस आधारित शवदाह गृह स्थापित किया गया। इसे पूर्वी भारत का पहला ऐसा शवदाह गृह बताया जा रहा है जिसे पालतू जानवरों के लिए स्थापित किया गया है। टाटा स्टील द्वारा वित्तपोषित यह परियोजना जुबली पार्क में कुत्तों के लिए बने घर के पास स्थापित की गई है। टाटा स्टील के उपाध्यक्ष (कॉरपोरेट सेवाएं) चाणक्य चौधरी ने बताया कि इसका उद्देश्य पालतू जानवरों के मालिकों को उनके अवशेषों के निपटान के लिए एक सम्मानजनक, सुरक्षित, स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल सुविधा प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि इसका शुल्क 3,000 रुपये है और 50 किलोग्राम से कम वजन वाले पालतू जानवरों का यहां अंतिम संस्कार किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि शवदाह गृह में पीएनजी का इस्तेमाल किया जा रहा है, जो सबसे सस्ते ईंधन में से एक है। 'जमशेदपुर केनेल क्लब' की अध्यक्ष रुचि नरेंद्रन ने बताया कि यह सुविधा पूर्वी भारत में अपनी तरह की पहली सुविधा है। उन्होंने बताया कि इस तरह के शवदाह गृह की स्थापना का उद्देश्य पालतू जानवरों को सम्मान के साथ अंतिम विदाई देना है।

महिलाओं को मुफ्त मोबाइल फोन बांटने की योजना बंद कर दी गई: अशोक गहलोत

जयपुर : राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को प्रदेश सरकार पर आरोप लगाया कि उसने पूर्ववर्ती सरकार की ओर से शुरू कि गई, महिलाओं को मुफ्त मोबाइल फोन बांटने की योजना बंद कर दी है। गहलोत ने कहा कि महिला सशक्तीकरण के उद्देश्य के साथ हमारी सरकार ने प्रदेश के सभी 1 करोड़ 19 लाख चिरंजीवी परिवार की महिला मुखियाओं को तीन साल की इंटरनेट के साथ स्मार्टफोन देना शुरू किया था। उन्होंने कहा ''योजना के पहले चरण में लगभग 35 लाख महिलाओं को स्मार्टफोन दिए गए। भाजपा सरकार ने आते ही इस योजना को बंद कर दिया जबकि यह एक बजट घोषणा थी जिसका बजट भी जारी कर दिया गया था। सवा साल में भाजपा सरकार एक भी स्मार्टफोन नहीं बांट सकी।'' गहलोत ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि ''मुख्यमंत्री जी एवं वित्त मंत्री जी सवा साल में बार-बार 88,000 टैबलेट बांटने का उदाहरण देते हैं। शायद उनकी जानकारी में नहीं आया कि टैबलेट वितरण की घोषणा हमारी सरकार ने आखिरी वर्ष में की थी जिसे नई सरकार ने लागू किया पर वो ये छिपाते हैं कि महिलाओं को स्मार्टफोन देने की योजना को उन्होंने बन्द कर दिया।'' उन्होंने कहा ''भाजपा ने एक दुष्प्रचार किया कि मोबाइल फोन रेवड़ी की तरह बांटे जा रहे थे जबकि यह योजना 'रिसर्च एवं एविडेंस बेस्ड' थी।''

राजग सरकार बिहार की जनता पर बोझ, 15 साल पुरानी गाड़ी की तरह इसे खत्म कर देना चाहिए: तेजस्वी

पटना : राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने बिहार की भाजपा नीत राजग सरकार की खिल्ली उड़ाते हुए शनिवार को कहा कि दो दशक पुरानी सरकार को ठीक उसी तरह बदलने का समय आ गया है, जैसे राज्य में प्रदूषण फैलाने के कारण 15 साल पुराने वाहनों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध है। यादव ने कहा कि बिहार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार अब राज्य के लोगों पर ''बोझ'' बन गई है। यादव ने कहा, ''मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार की 20 साल पुरानी राजग सरकार अब एक खटारा वाहन में बदल गई है। पूरे बिहार में 15 साल से अधिक पुराने वाहनों पर प्रतिबंध है क्योंकि वे बहुत ज्यादा धुआं छोड़ते हैं, प्रदूषण बढ़ाते हैं और जनता के लिए हानिकारक हैं। इसलिए 20 साल पुरानी खटारा राजग सरकार को राज्य में काम करने की अनुमति क्यों दी जानी चाहिए? यह सरकार बिहार के लोगों पर बोझ बन गई है... इसे बदलना होगा।'' विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, '' इसलिए, 20 साल पुरानी कमजोर राजग सरकार को राज्य में काम करने की अनुमति क्यों दी जानी चाहिए? यह सरकार बिहार के लोगों पर बोझ बन गई है... इसे बदला जाना चाहिए।'' यादव ने दावा किया कि पिछले 20 वर्षों में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार ने राज्य में 'गरीबी, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, अपराध और पलायन का घातक प्रदूषण' फैलाया है।

भदोही में नाबालिग से दुष्कर्म मामले में दोषी लड़के को 20 साल की सजा

भदोही : उत्तर प्रदेश के भदोही जिले की एक अदालत ने नाबालिग लड़की से दुष्कर्म करने के मामले में साढ़े 17 वर्षीय आरोपी लड़के को दोषी करार देते हुए उसे 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक (पॉक्सो अधिनियम) कौलेश्वर नाथ पांडेय ने शनिवार को बताया कि विशेष न्यायाधीश किशोर न्यायालय/अपर सत्र न्यायाधीश (पॉक्सो) मधु डोगरा ने शुक्रवार को आरोपी को दोषी करार देते हुए उसे 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई और उस पर 50,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया, जिसे उसके अभिभावक से वसूलने का आदेश दिया गया। पांडेय ने बताया कि वर्तमान में अपचारी की उम्र को देखते हुए उसे मिर्ज़ापुर जिले के बाल सुधार गृह भेजा जाएगा और बालिग होने पर बाकी की सज़ा के लिए उसे जिला जेल स्थांनतरित किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक (एसपी) अभिमन्यु मांगलिक ने घटना के बारे में बताया कि भदोही जिले के औराई थाना क्षेत्र के एक गांव में 15 वर्षीय लड़की के माता-पिता मुंबई गए थे और वह अपने छोटे भाई और बहन के साथ अकेली थी, तभी 25 नवंबर 2023 की दोपहर में पड़ोस का एक लड़का उसके घर की छत पर आ गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद वह उसे डरा-धमकाकर लगातार तीन दिन तक उसके साथ दुष्कर्म करता रहा।

पंजाब में राज्यव्यापी नशा विरोधी अभियान शुरू, पुलिस ने 750 स्थानों पर की छापेमारी

चंडीगढ़ : पंजाब पुलिस ने नशे के खिलाफ राज्यव्यापी अभियान शुरू करते हुए 750 स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि नशे की समस्या पर कैबिनेट उप-समिति की शनिवार को पहली बैठक हुई। उन्होंने बताया कि नशा विरोधी अभियान के तहत चलाए गए अभियान में करीब 12,000 पुलिसकर्मी शामिल थे। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार को राज्य को नशा मुक्त बनाने के लिए तीन महीने की समय सीमा तय की। राज्य सरकार द्वारा नशे की समस्या के खिलाफ नए सिरे से शुरू किए गए अभियान के तहत नशे के सौदागरों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है और कुछ स्थानों पर उनकी संपत्तियों को भी ध्वस्त किया गया। कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने शनिवार को सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि वे राजनीति करने के बजाय पंजाब को बचाने के लिए राज्य सरकार के नशा विरोधी अभियान को अपना समर्थन दें।

गोरखपुर में जीडीए के आदेश के बाद चार मंजिला मस्जिद का आंशिक रूप से ध्वस्तीकरण शुरू

गोरखपुर (उप्र) : उत्तर प्रदेश में गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) के आदेश के बाद मस्जिद समिति ने घोष कंपनी चौराहे के पास चार मंजिला एक मस्जिद को आंशिक रूप से ध्वस्त करना शुरू कर दिया है। मस्जिद समिति ने शनिवार सुबह इसे ध्वस्त करने का कार्य शुरू किया, जिसमें 15 मजदूरों को दो ऊपरी मंजिलों को तोड़ने के लिए लगाया गया, जिन्हें जीडीए ने अनधिकृत माना था। यह कार्रवाई 28 फरवरी को जीडीए द्वारा जारी 15 दिवसीय अल्टीमेटम की समाप्ति के बाद की गई है। जीडीए ने चेतावनी दी थी कि यदि अनुपालन नहीं किया गया तो जबरन ध्वस्तीकरण किया जाएगा। प्राधिकरण ने अपनी कार्रवाई का कारण स्वीकृत निर्माण योजना की कमी बताया है। मस्जिद समिति के प्रमुख शोएब अहमद ने जीडीए के दावों का विरोध करते हुए कहा, यह मस्जिद जनवरी 2024 में मूल संरचना को हटाने के बाद नगर निगम बोर्ड की सहमति से बनाई गई थी। हमें जमीन आवंटित की गई थी, फिर भी अब जीडीए इसे अवैध बता रहा है। अहमद ने दावा किया कि मस्जिद 520 वर्ग फुट के भूखंड पर स्थित है, जिसे कानूनी तौर पर धार्मिक उद्देश्यों के लिए नामित किया गया है। हालांकि, जीडीए का कहना है कि निर्माण कार्य में नियमों का उल्लंघन किया गया, जिसके कारण मौजूदा विवाद पैदा हुआ। जीडीए के उपाध्यक्ष आनंद वर्धन ने कहा, मुद्दा भूमि स्वामित्व का नहीं बल्कि अनधिकृत निर्माण का है। स्वीकृत मानचित्र के बिना, नोटिस और कार्रवाई अपरिहार्य हैं।

वर्ग पहेली नं. 3020

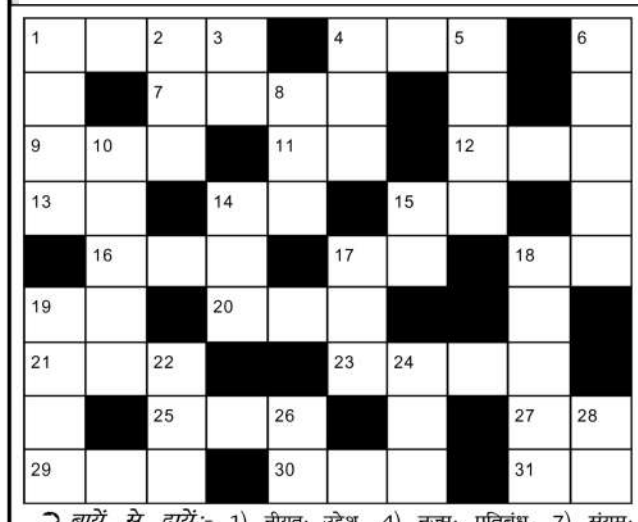

ऊपर से नीचे:- 1) स्मारक; कब्र; दरगाह, 2) महत्वाकांक्षा; भ्रमदर्शन, 3) अनुपात; निर्ख; भाव; रेट, 4) अनुवर; ऊसर 5) सशक्त, 6) सरपरस्त; सहयोगदाता, 8) तानाशाही; सीनाज़ोरी, 10) बुद्धिमान, 14) तंबू की मोटे कपड़े की दीवार, 15) नौकाघाट; आग़ोश, 17) बेला; हथौड़ा, 18) दूरदर्शिता, 19) आश्चर्य, 22) हमेशा, 24) उत्तर, 26) इस के आगे नहीं; बस, 28) ऊर्जा; वेग. *(उत्तर: अगले अंक में)*

पिछली पहेली का उत्तर

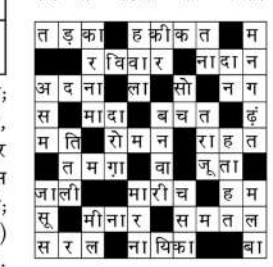

शब्दवेधी

बायें से दायें:- 1) नीयत; उद्देश, 4) नज़्म; प्रतिबंध, 7) संयम; रोगवारण, 9) आवास करना; रहना, 11) हाथ पंजा; राजस्व; *टैक्स*, 12) न जाने; कच्चे तौर पर, 13) राघव, 14) अंतरा *(गीत)*; बँड़ेर *(ज़ंजीर)*, 15) छर्रा *(बंदूक़)*, 16) निर्झर, 17) गुजरात का बाईस-तेईस वाँ मुख्य मंत्री, 18) अनिष्टकारी; गधा; बगला, 19) चुकता; शरीरमुद्रा; नाज़नख़रा, 20) लहर; झोंका, 21) गाँजा, 23) मिस्तरी, 25) देवतासमूह, 27) कलंक, 29) भीड़, 30) भुना मांस, 31) विधि; प्रथा.

सुडोकू-पहेली-2980

							4	1
9			6					
			2					
			8	1		3		
5	4							
		2						
	3	1		4				
7						6		
							2	

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 2979 का उत्तर

9	1	4	8	3	6	5	2	7
8	2	5	9	4	7	1	3	6
7	6	3	2	1	5	9	4	8
6	5	9	7	2	4	3	8	1
1	8	2	3	6	9	4	7	5
3	4	7	5	8	1	2	6	9
5	9	6	4	7	3	8	1	2
2	3	1	6	9	8	7	5	4
4	7	8	1	5	2	6	9	3

मुख्यमंत्री ममता के वोटर लिस्ट में धांधली के आरोप को चुनाव आयोग ने किया खारिज

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर मतदाता सूची में धांधली को आरोप लगाया था। मुख्यमंत्री व तृणमूल सुप्रीमो के इस बयान को पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने खारिज किया है। राज्य के सीईओ ने कहा कि मतदाता सूची अद्यतन प्रक्रिया स्थापित कानूनी प्रोटोकॉल का पालन करती है।

सीईओ ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी किया है। इस बयान में मतदाता सूची अपडेट करने की प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी गई है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि आरपी अधिनियम 1950, मतदाता पंजीकरण नियम 1960 और मतदाता सूची पर मैनुअल के अनुसार, किसी भी राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में संबंधित बीएलओ, ईआरओ, ईआरओ, डीईओ और सीईओ मतदाता सूची को अपडेट करने का काम करते हैं। पोस्ट में कहा गया कि यह राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेंटों की सक्रिय भागीदारी से किया जाता है। कोई भी विशिष्ट दावा या आपत्ति पहले पश्चिम बंगाल में संबंधित 80,633 बीएलओ, 3,049 एईआरओ और 294 ईआरओ के समक्ष की जानी चाहिए।

बताया जाता है कि मतदाता सूची बनाने के हर चरण में राजनीतिक दल शामिल होते हैं। वहीं, अगर किसी भी चरण में किसी राजनीतिक दल की ओर से कोई आपत्ति होती है, तो उस पर तुरंत सुनवाई की जाती है। इसके साथ ही नाम जोड़ने या हटाने से जुड़ी हर आपत्ति की जांच मतदाता सूची अधिकारी द्वारा की जाती है।

तृणमूल कांग्रेस ने मतदाता सूची सत्यापन अभियान किया शुरू

भाजपा पर राज्य में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची में हेराफेरी करने का आरोप लगाने वाली तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने शनिवार को मतदाता सूची के सत्यापन के लिए घर-घर जाकर अभियान शुरू किया। कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम ने दक्षिण कोलकाता के चेतला इलाके में स्वयं मतदाता सूची सत्यापन अभियान चलाया। इस दौरान, फिरहाद हकीम ने संवाददाताओं से कहा कि भाजपा दूसरे राज्यों से फर्जी मतदाताओं को लाकर मतदाता सूची में हेराफेरी करने की कोशिश कर रही है। इसलिए, हम अपने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मतदाता सूची की समीक्षा करने के लिए घर-घर जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में भी स्थानीय तृणमूल नेता इसी तरह का अभियान चला रहे हैं। बता दें कि तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी के निर्देशानुसार पार्टी कार्यकर्ता अन्य स्थानों पर भी सत्यापन अभियान चला रहे हैं।

डायमंड हार्बर अदालत ने 10 साल पुराने हत्या मामले के दो आरोपियों को सुनाई 10 साल की सजा

कोलकाता, समाज्ञा : डायमंड हार्बर अदालत ने 10 साल पहले हुई एक आदमी की हत्या के मामले में दोनों आरोपियों को दोषी ठहराया। अदालत ने दोनों अभियुक्तों को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। यह हत्या 29 जनवरी, 2014 की रात को हुई थी। दक्षिण 24 परगना के फाल्टा पुलिस थाने के अंतर्गत मामूदपुर में हकीम शेख (25) नाम के व्यक्ति की उसके घर के सामने हत्या कर दी गई। शिकायत के अनुसार, शरीफुल और मुन्नाफ शेख दोनों भाई ने मिलकर हकीम को घेर लिया और झगड़ा करने लगे। इस बीच, हकीम के बड़े भाई हबीब शेख पहुंचे और विरोध करने लगे। इस बीच आरोपी दोनों युवकों ने हबीब पर लोहे की रॉड से वार किया। हकीम जब बचाने पहुंचा तो उन दोनों ने उसे बेरहमी से पीट दिया। जिसमें हकीम शेख गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिसके बाद उसकी मौत हो गई। इसके बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की और मुकदमा शुरू हो गया। इस मामले की सुनवाई डायमंड हार्बर के अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायाधीश जय प्रकाश सिंह की अदालत में लगभग 10 वर्षों तक चली। आखिरकार जज ने इस मामले का फैसला सुनाया और आरोपियों को सजा दी।

अब राज्य पुलिस में भी 'डेयरडेविल' टीम बनाने की तैयारी

✒ राज्य पुलिस इकाइयों, जिला पुलिस और कमिश्नरेट को संदेश भेजकर टीम में शामिल होने के इच्छुक पुलिस अधिकारियों के मांगे गए हैं नाम

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य पुलिस में भी कोलकाता पुलिस की तरह मोटरसाइकिल डेयरडेविल टीम बनाने जा रही है। इसके लिए तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। सूत्रों के अनुसार, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि डेयरडेविल टीम में कितने सदस्य होंगे, लेकिन सभी राज्य पुलिस इकाइयों, जिला पुलिस और कमिश्नरेट को संदेश भेजकर टीम में शामिल होने के इच्छुक पुलिस अधिकारियों के नाम मांगे हैं। बैरकपुर स्थित स्वामी विवेकानंद राज्य पुलिस अकादमी के आइजी द्वारा हाल ही में भेजे गए संदेश में कहा गया है कि तीस वर्ष से कम आयु के सभी पुलिस कर्मी, जिनके पास ड्राइविंग लाइसेंस है और जो अपनी बाइक चलाने की कला दिखाने के इच्छुक हैं, वे टीम के सदस्य बनने के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन यूनिट प्रमुख या जिला पुलिस अधीक्षक या पुलिस आयुक्तालय के आयुक्त को किया जाएगा। इच्छुक लोगों से सात मार्च तक नामों की सूची भेजने को कहा गया है। इसके बाद उस सूची में से प्रशिक्षण के लिए डेयरडेविल टीम के सदस्यों का चयन किया जाएगा। राज्य पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आगामी स्वतंत्रता दिवस से पहले टीम गठित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। एक बार टीम गठित हो जाने के बाद, इसे स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस जैसे कार्यक्रमों में प्रदर्शन करने के लिए निर्धारित किया जाएगा। गौरतलब है कि वर्तमान में कोलकाता पुलिस में डेयरडेविल दस्ता स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस परेड के दौरान रेड रोड पर विभिन्न मोटरसाइकिल स्टंट करता है। कुछ राज्यों में भी ऐसे बल हैं। वर्तमान में राज्य पुलिस के महानिदेशक राजीव कुमार ने मोटरबाइक प्रदर्शनी के लिए इस बल का गठन उस समय किया था जब वे कोलकाता पुलिस के आयुक्त थे। मोटरसाइकिल सवारों की यह टीम स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस जैसे आयोजनों के दौरान चलती मोटरसाइकिलों पर सबसे ऊंचा मानव पिरामिड बनाती है। इसके अलावा, चलती मोटरसाइकिलों पर विभिन्न प्रकार के साहसिक खेल दिखाते हैं।

बेहाला में ऑटिज्म से पीड़ित बेटी के साथ फांसी पर झूला पिता

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण कोलकाता के बेहाला इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। शकुंतला पार्क इलाके में एक पिता और उसकी बेटी की फांसी से झूलती हुई लाश बरामद हुई। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि बेटी जन्म से ही ऑटिज्म से पीड़ित थी, जिससे परेशान पिता मानसिक तनाव में था। माना जा रहा है कि उसने पहले बेटी की हत्या की और फिर खुदकुशी कर ली। घटना पर्णश्री थाना क्षेत्र के शकुंतला पार्क इलाके की है। पुलिस के अनुसार, पिता और बेटी की लाश उनके घर के पास स्थित ऑफिस में छत के पंखे से लटकी मिली। दोनों एक ही रस्सी से फांसी पर झूल रहे थे। यह घटना ठीक वैसी ही है जैसी कुछ समय पहले टेंगरा इलाके में देखने को मिली थी। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पत्नी से पूछताछ की जा रही है ताकि आत्महत्या के पीछे की असली वजह का पता चल सके। पुलिस का मानना है कि बेटी की बीमारी के कारण पिता लंबे समय से मानसिक तनाव में था, जिसके चलते यह दर्दनाक घटना घटी। फिलहाल, पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है और परिवार के अन्य सदस्यों से भी पूछताछ कर रही है।

मध्यमग्राम में माध्यमिक छात्रा से दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग मामले में एक गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : एक माध्यमिक की छात्रा को किराये के मकान में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म करने एवं घटना का वीडियो बनाकर छात्रा को ब्लैकमेल करने के आरोप में उत्तर 24 परगना जिले के मध्यमग्राम से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इस घटना को लेकर मध्यमग्राम नगर पालिका के वार्ड नंबर 5 के सरदापल्ली के मठपाड़ा इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है। पुलिस अन्य आरोपितों की तलाश कर रही है। आरोप है कि कुछ दिन पहले दो युवक माध्यमिक छात्रा को इलाके में एक किराए के मकान में ले गए। पीड़िता का दावा है कि वहां उसके साथ दुष्कर्म किया गया। एक अन्य युवक ने घटना को रिकॉर्ड कर लिया। यह भी आरोप है कि आरोपितों ने घटना का खुलासा होने पर वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी। हालाँकि, शुक्रवार रात को यह वीडियो वायरल हो गया। इसके बाद, स्थानीय लोगों ने दो युवकों में से एक को पकड़ भी लिया। पीड़ित परिवार की ओर से मध्यमग्राम थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। इसके बाद पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। घटना के बाद से अन्य आरोपित फरार हैं।

आरजीकर पीड़िता के माता-पिता ने राष्ट्रपति, पीएम और गृह मंत्री से मुलाकात न होने पर गहरा दुख जताया

✒ पिता ने कहा, हम भीख नहीं मांग रहे, न्याय की मांग कर रहे हैं

कोलकाता, समाज्ञा : आरजीकर मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में महिला चिकित्सक से दुष्कर्म और उसकी हत्या के मामले में पीड़िता के माता-पिता ने कहा कि वे इस बात से बहुत निराश हैं कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उनसे मुलाकात नहीं की। बता दें कि पीड़िता के माता-पिता 27 फरवरी को दिल्ली गए थे और शुक्रवार की शाम कोलकाता अपने घर वापस लौट गए। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा कि वे न्याय की मांग को लेकर आंदोलन करेंगे, चाहे केंद्र और राज्य दोनों ही स्तर पर उदासीन बने रहें। पीड़िता के पिता ने कहा कि हम भीख नहीं मांग रहे हैं। हम न्याय की मांग कर रहे हैं लेकिन जब हमने राष्ट्रपति से मिलने का समय मांगा तो हमें उनके कार्यालय की तरफ से बताया गया कि उनके पास अभी समय नहीं है।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को भेजे गए हमारे दो ईमेल का कोई जवाब नहीं आया। उन्होंने सवाल किया कि क्या हम इस देश के नागरिक नहीं हैं? क्या हमारी बेटी देश की नागरिक नहीं थी? बता दें कि आरजीकर पीड़िता के माता-पिता सीबीआई की जांच प्रक्रिया से संतुष्ट नहीं हैं।

अवैध निर्माणों पर ज्योतिप्रिय मल्लिक का कड़ा संदेश, तत्काल ध्वस्त करने का आग्रह

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य के पूर्व मंत्री व विधायक ज्योतिप्रिय मल्लिक ने भूमि विभाग और नगरपालिका से अवैध निर्माणों को तत्काल ध्वस्त करने का आग्रह किया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राज्य में किसी भी अवैध निर्माण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शनिवार को उत्तर 24 परगना के हाबरा में पार्टी के एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए यह निर्देश दिया। पूर्व मंत्री ने कहा कि मैंने नगरपालिका और भूमि विभाग को अवैध निर्माणों की पहचान करने के लिए कहा है। सभी अवैध निर्माण ध्वस्त किए जाएंगे। उनका मानना है कि पद्मा नदी पर अतिक्रमण के कारण हावड़ा शहर में जलजमाव की समस्या बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि सिर्फ हावड़ा ही नहीं, बल्कि हाबरा शहर में भी अवैध निर्माणों की संख्या बढ़ रही है, जो कई तरह की समस्याओं को जन्म दे रहा है। फर्जी मतदाताओं पर भी कड़ी नजर इसके अलावा, ज्योतिप्रिय मल्लिक ने पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि फर्जी मतदाताओं को पकड़ने के लिए विशेष सतर्कता बरती जाए। उनके अनुसार, स्वच्छ और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए फर्जी वोटरों को चिह्नित करना बेहद जरूरी है।

विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने बंगाल में शुरू किया मंथन

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल में 2026 में विधानसभा चुनाव होने है। कांग्रेस ने चुनावों को लेकर अभी से तैयारियां शुरू कर दी है। हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में मिली शिकस्त के बाद कांग्रेस ने अपना फोकस बंगाल पर कर दिया है। पार्टी यहां कोई गलती नहीं करना चाहती। बंगाल कांग्रेस ने 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले एक कार्यशाला आयोजित की, जिसमें पार्टी के 200 वरिष्ठ नेता शामिल हुए। कार्यशाला की अध्यक्षता पार्टी के पर्यवेक्षक गुलाम मीर ने की। इसमें राज्य प्रमुख शुभंकर सिन्हा और पूर्व सांसद अधीररंजन चौधरी भी शामिल हुए। कार्यशाला का संदेश स्पष्ट था कि कांग्रेस 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले बूथ स्तर पर अपनी उपस्थिति को मजबूत करना चाहती है। उनका मानना है कि जब तक बूथ और ब्लॉक मजबूत नहीं होंगे, तब तक विधानसभा में वे अपनी संख्या नहीं बढ़ा सकते। पार्टी सूत्रों ने बताया कि ज्यादातर नेताओं की राय है कि इस बार कांग्रेस को अकेले चुनाव लड़ना चाहिए। इसका मतलब है कि उसे वाम मोर्चे से दूरी बना लेनी चाहिए। कांग्रेस पर्यवेक्षक गुलाम मीर ने खुलकर कहा कि बंगाल कांग्रेस के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है।

❑ 2026 हमारा लक्ष्य : गुलाम मीर

गुलाम मीर ने कहा कि हमारा उद्देश्य कांग्रेस को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा करना और सुझाव देना है। हमारे पास 2026 का लक्ष्य है, हमें आगे बढ़ना है। हमारे सामने दो सत्तारूढ़ दल हैं। बंगाल के लोगों की इच्छा है कि राहुल गंधी आएं। हमने ब्लॉक और बूथ स्तर पर विकास के लिए कड़ी मेहनत करने का प्रस्ताव पारित किया है। इस दौरान, 200 से अधिक प्रतिनिधि मौजूद थे। पश्चिम बंगाल हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

❑ वाम और टीएमसी दोनों से दूरी पर जोर

पार्टी सूत्रों ने यह भी संकेत दिया कि कांग्रेस के नेता 2026 के चुनावों से पहले वाममोर्चा और इंडिया ब्लॉक की सदस्य टीएमसी दोनों से समान दूरी बनाए रखना चाहते हैं। मुख्य एजेंडा बूथों को मजबूत करना था। पश्चिम बंगाल से कांग्रेस के एकमात्र सांसद ईसा खान चौधरी ने कहा कि हमने हर जिले में अपने बूथों को मजबूत करने के लिए सुझाव लिए हैं। हमसे पूछा गया है कि हम किसी के साथ गठबंधन करना चाहते हैं या नहीं।

साइबर ठगी मामला : 47 लाख की ठगी का मास्टरमाइंड दिल्ली से गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता पुलिस ने एक बड़े साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए अब तक कुल 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह फर्जी बैंक खातों के जरिए ठगी को अंजाम दे रहा था। मिली जानकारी के अनुसार, गोल्फ ग्रीन थाना क्षेत्र की एक महिला से 47 लाख रुपये की ठगी की गई। ठगों ने महिला को डराया कि उनके दस्तावेज और पहचान का इस्तेमाल ड्रग्स की तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग में किया गया है। इससे बचने के लिए उन्होंने अलग-अलग खातों में पैसे ट्रांसफर कर दिए।

❑ जांच और गिरफ्तारियां

जांच के दौरान पुलिस को 7.4 लाख रुपये का ट्रांजैक्शन एक खाते में मिला, जो जाना स्मॉल फाइनेंस बैंक में उमा बर्नी (ब्रेनबर्स्ट रोबोटिक्स की मालिक) के नाम पर था। इसके बाद, पुलिस ने पिछले साल 28 सितंबर को आनंदपुर, पाटुली और नरेंद्रपुर में छापेमारी कर 8 लोगों को गिरफ्तार किया। इस दौरान, एक अस्थायी दफ्तर भी पकड़ा गया, जहां से फर्जी बैंक खाते बनाए और बेचे जाते थे। वहां से 104 पासबुक, 61 मोबाइल फोन, 33 डेबिट कार्ड, 140 सिम कार्ड, 40 सील और कई अन्य दस्तावेज बरामद किए गए। मुख्य आरोपी चिराग कपूर को पुलिस ने 9 जनवरी को बेंगलुरु से गिरफ्तार किया। उसका सहयोगी ओंकार सिंह, जो इन फर्जी खातों को लेकर ठगों को बेचता था, को पिछले साल 26 अक्टूबर को दिल्ली में गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने बताया कि वह दिल्ली के दो भाई आदित्य और योगेश दुआ के निर्देश पर काम करता था। दिल्ली में छापेमारी के बाद योगेश दुआ (36), निवासी विवेक विहार, दिल्ली को 23 फरवरी को रात 10.25 बजे गिरफ्तार किया गया। 24 फरवरी को दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट में पेश किया गया, जहां जमानत न मिलने पर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इसके बाद, कोलकाता पुलिस ने दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया, जिसने निचली अदालत के आदेश को रद्द कर दिया। 28 फरवरी को कोलकाता पुलिस ने योगेश दुआ को अपनी हिरासत में ले लिया और उसे जल्द ही कोलकाता में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) के सामने पेश किया जाएगा।

❑ योगेश दुआ के घर से बरामद सामान

गिरफ्तारी के दौरान उसके घर से 2 मोबाइल फोन, 2 हार्ड डिस्क, 1 लैपटॉप, 8 चेकबुक, 8 एटीएम कार्ड, 1,86,890 रुपये नकद, 4000 दिरहम, 1000 येन, 100 अमेरिकी डॉलर, एक बीमा पॉलिसी, 2 पैन कार्ड और अलग-अलग नामों के आधार कार्ड बरामद किए गए। अब तक इस मामले में कुल 12 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है और पुलिस आगे की जांच में जुटी है।

Name Change

I, Syed Muzakkir Hussain son of Syed Shakeer Hussain, residing at present: Ballygunge Maidan Camp, Unit No.167, Medium Regement, (Army Camp), Ballygunge, Kolkata-700019, permanent at I-125/1, Maseed Road, Sridhara, Eluru, Andhra Pradesh - 507114, do hereby solemnly affirm and declare that my correct name is Syed Muzakkir Hussain and Syed Muzakkir Hussain and Syed Muzakkar Hussain is the same and one identical person via affidavit before the 1st Class Judicial Magistrate at Alipore dated 4th September 2024.

Name Change

I, Syed Shakeer Hussain son of Syed Mahboob Hussain vide Army JC No.15147953P, residing at present: Ballygunge Maidan Camp, Unit No.167, Medium Regement, (Army Camp), Ballygunge, Kolkata-700019, permanent at I-125/1, Maseed Road, Sridhara, Eluru, Andhra Pradesh - 507114, do hereby solemnly affirm and declare that my father's correct name is Syed Mahaboob Hussain and Syed Mahaboob Hussain and Mahaboob Hussain is one and same identical person, via affidavit before the 1st Class Judicial Magistrate at Alipore dated 28th February 2025.

Name Change

I, Syed Shakeer Hussain son of Syed Mahboob Hussain vide Army JC No.15147953P, residing at present: Ballygunge Maidan Camp, Unit No.167, Medium Regement, (Army Camp), Ballygunge, Kolkata-700019, permanent at I-125/1, Maseed Road, Sridhara, Eluru, Andhra Pradesh - 507114, do hereby solemnly affirm and declare that my wife's correct name is Syed Rehana Begum and Syed Rehana Begum and Rehana Begum is one and same identical person, via affidavit before the 1st Class Judicial Magistrate at Alipore dated 28th February 2025

Dob Change

I, Syed Shakeer Hussain son of Syed Mahboob Hussain vide Army JC No.15147953P, residing at present: Ballygunge Maidan Camp, Unit No.167, Medium Regement, (Army Camp), Ballygunge, Kolkata-700019, permanent at I-125/1, Maseed Road, Sridhara, Eluru, Andhra Pradesh - 507114, do hereby solemnly affirm and declare that my father's correct DOB is 2nd September 1952 which wrongly recorded as 1st July 1954 in my service records, via affidavit before the 1st Class Judicial Magistrate at Alipore dated 28th February 2025.

Dob Change

I, Syed Shakeer Hussain son of Syed Mahboob Hussain vide Army JC No.15147953P, residing at present: Ballygunge Maidan Camp, Unit No.167, Medium Regement, (Army Camp), Ballygunge, Kolkata-700019, permanent at I-125/1, Maseed Road, Sridhara, Eluru, Andhra Pradesh - 507114, do hereby solemnly affirm and declare that my wife's correct DOB is 14th May 1987 which wrongly recorded as 24th May 1987 in my service records, via affidavit before the 1st Class Judicial Magistrate at Alipore dated 28th February 2025.

सीबीआई को गिरफ्तार आरोपी बिप्लव सिंह से पूछताछ की मिली अनुमति

आरजीकर अस्पताल भ्रष्टाचार मामले में मिले नए सुराग

कोलकाता, समाज्ञा : आरजीकर अस्पताल में वित्तीय भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार व्यापारी बिप्लव सिंह से पूछताछ करने की अनुमति सीबीआई को मिल गई है। शनिवार को अलीपुर विशेष सीबीआई अदालत में सीबीआई ने इस मामले में आवेदन किया, जिसे अदालत ने मंजूर कर लिया। अब सीबीआई अधिकारी आगामी 4 और 5 मार्च को जेल में जाकर बिप्लव सिंह से पूछताछ करेंगे। वित्तीय भ्रष्टाचार मामले में आरोप तय करने को लेकर शनिवार को अलीपुर विशेष सीबीआई अदालत में सुनवाई हुई। इस सुनवाई के दौरान सीबीआई ने अदालत को बताया कि जांच के दौरान उन्हें कुछ नए तथ्य मिले हैं, जिनकी जांच के लिए गिरफ्तार व्यापारी बिप्लव सिंह से पूछताछ करना आवश्यक है। 9 अगस्त 2024 को आरजी अस्पताल के सेमिनार हॉल में महिला डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या मामले की जांच में सीबीआई ने हस्तक्षेप किया था। इसके बाद आरजीकर अस्पताल के तत्कालीन प्रमुख संदीप घोष को वित्तीय भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार किया गया। इसके बाद सीबीआई ने एक-एक कर चार अन्य लोगों को गिरफ्तार किया, जिनमें व्यापारी बिप्लव सिंह भी शामिल थे। बताया जा रहा है कि बिप्लव सिंह संदीप घोष का करीबी सहयोगी था। 29 नवंबर 2024 को सीबीआई ने वित्तीय भ्रष्टाचार मामले में अलीपुर विशेष सीबीआई अदालत में चार्जशीट दाखिल की थी।

पूर्वोत्तर रेलवे के तहत नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के लिए ट्रेनों की नियंत्रण व्यवस्था

पूर्वोत्तर रेलवे के तहत कुसम्ही-गोरखपुर कैंट.-गोरखपुर जं. तीसरी लाइन (14 किमी.) के संबंध में गोरखपुर और गोरखपुर कैंट. स्टेशनों के बीच तीसरी लाइन (3.5 किमी.) के लिए, दिनांक 12.04.25 से 26.04.25 (15 दिन) तक प्री नॉन इंटरलॉकिंग कार्य और दिनांक 27.04.25 से 03.05.25 (7 दिन) तक नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के साथ दिनांक 03.05.25 को सीआरएस निरीक्षण किया जाएगा। इसके फलस्वरूप, निम्नलिखित ट्रेनों को निम्नानुसार नियंत्रित किया जाएगा: **(क) रद्द : (1) 15048 गोरखपुर-कोलकाता पूर्वांचल एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 13, 14, 15, 18, 20, 21, 22, 25, 27, 28, 29/04/25, 02 और 04/05/25) **(2) 15050 गोरखपुर-कोलकाता पूर्वांचल एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 16, 19, 23, 26, 30/04/25 एवं 03/05/25) **(3) 15052 गोरखपुर-कोलकाता पूर्वांचल एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 17, 24/04/25 एवं 01/05/25), **(4) 15047 कोलकाता-गोरखपुर पूर्वांचल एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 14, 15, 17, 19, 21, 22, 24, 26, 28, 29/04/25, 01, 03 एवं 05/05/25) **(5) 15049 कोलकाता-गोरखपुर पूर्वांचल एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 16, 20, 23, 27, 30/04/25 एवं 04/05/25), **(6) 15051 कोलकाता-गोरखपुर पूर्वांचल एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 18, 25/04/25 और 02/05/25), **(7) 15028 गोरखपुर-संबलपुर मौर्य एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 24/04/25 से 03/05/25), **(8) 15027 संबलपुर-गोरखपुर मौर्य एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 26/04/25 से 05/05/25), **(9) 13507 आसनसोल-गोरखपुर एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 25/04/25 और 02/05/25), **(10) 13508 गोरखपुर-आसनसोल एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 26/04/25 और 03/05/25), **(11) 09451 गांधीधाम-भागलपुर स्पेशल** (यात्रा शुरू दिनांक 25/04/25), **(12) 09452 भागलपुर-गांधीधाम स्पेशल** (यात्रा शुरू दिनांक 28/04/25), **(13) 18629 राँची-गोरखपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 18, 25/04/25 और 02/05/25), **(14) 18630 गोरखपुर-राँची साप्ताहिक एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 19, 26/04/25 और 03/05/25)। **(ख) मार्ग परिवर्तन: 09451 गांधीधाम-भागलपुर स्पेशल** (यात्रा शुरू दिनांक 11/04/25) और **09452 भागलपुर-गांधीधाम स्पेशल** (यात्रा शुरू दिनांक 14/04/25) दोनों दिशाओं में मुजफ्फरपुर जं.-पनियहवा-गोरखपुर जं.-गोंडा-बाराबंकी के बदले मुजफ्फरपुर जं.-छपरा जं.-औंड़िहार जं.-वाराणसी जं.-शाहगंज जं.-अयोध्या कैंट.-बाराबंकी जं. होकर मार्ग परिवर्तित करेंगी। **13019 हावड़ा-काठगोदाम बाघ एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 15/04/25 से 02/05/25) और **13020 काठगोदाम-हावड़ा बाघ एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 15/04/25 से 02/05/25) दोनों दिशाओं में बाराबंकी जं.-गोंडा-गोरखपुर जं.-छपरा जं. के बदले बाराबंकी जं.-अयोध्या कैंट.-जौनपुर जं.-औंड़िहार जं.-छपरा जं. होकर मार्ग परिवर्तित करेंगी। **(ग) संक्षिप्त यात्रा समाप्त/संक्षिप्त यात्रा शुरू: 18629 राँची-गोरखपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 11/04/25) भटनी-गोरखपुर जं. के बीच सेवा रद्द करते हुए भटनी जं. पर संक्षिप्त यात्रा समाप्त करेगी और **18630 गोरखपुर-राँची साप्ताहिक एक्सप्रेस** (यात्रा शुरू दिनांक 12/04/25) गोरखपुर-भटनी जं. के बीच सेवा रद्द करते हुए भटनी जं. से संक्षिप्त यात्रा शुरू करेगी।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पश्चिम मध्य रेल

ई.निविदा सूचना सिविल इंजीनियरिंग

संख्या-डब्ल्यू/623/15 दिनांक-28.02.2025

भारतसंघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर समन्वय, पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली ई.निविदा आमंत्रित करते है। टेंडर संख्या: 18/2025, कार्य का विवरण: कोटा डिविजन : एक्सटेंन्सन ऑफ इग्ज़िस्टिंग प्रोटेक्टिंग स्क्रीन ऑफ वेरियस आरओबीज इन इनटाइर कोटा डिविजन (टोटल = 33 न.), अनुमानित लागत: 16380476.68, बयाना राशि: 231900.00, टेंडर संख्या: 19/2025, कार्य का विवरण: कोटा – मथुरा सेक्शन – बेलिंग आउट ऑफ वाटर/मड़ फ्रॉम एलएचएस इन लियू ऑफ एल सी नं. 167, 168, 171, 174, 176, 177, 178, 181, 182, 183, 183X, 184 एण्ड़ 185 इनकुलिंड़िग क्लिनिंग ऑफ सम्प/ड्रेन अण्ड़र दी एसएसई/बकर्स/गंगापुरसिटी (फॉर टू इयरस), अनुमानित लागत: 1540330.74, बयाना राशि: 30800.00, टेंडर संख्या: 20/2025आर, कार्य का विवरण: गंगापुर सिटी–मथुरा सेक्शन – बेलिंग आउट ऑफ वाटर/मड़ फ्रॉम एलएचएस इन लियू ऑफ एल सी नं. 194, 195, 204, 208X, 209, 210, 218 एण्ड़:एलएचएस नियर "बी" केबिन (बयाना) अण्ड़र द जुरिस्डिक्शन ऑफ एसएसई/बकर्स/बयाना (फॉर टू इयरस), अनुमानित लागत: 1031205.77, बयाना लागत: 20600.00, टेंडर संख्या: 21/2025, कार्य का विवरण: कोटा – मथुरा सेक्शन – इम्प्रूवमेंट टू ड्रेनेज अरेंजमेंट ऑफ एलएचएस इन लियू ऑफ एलसी न.: 187, 208, 209, 210, 212 एण्ड़ 214 वाय प्रोवाइड़िग कवर शेड और एक्सटेंन्सन, पम्प, पम्प हाउस एण्ड़ साइड़ ड्रेन ईटीसी अण्ड़र दि जूरिस्डिक्शन ऑफ एसएसई/वर्क/बयाना, अनुमानित लागत: 22546659.91, बयाना लागत: 262700.00, टेंडर संख्या: 22/2025, कार्य का विवरण: कोटा – मथुरा सेक्शन – इम्प्रूवमेंट टू ड्रेनेज अरेंजमेंट ऑफ एलएचएस इन लियू ऑफ न.: 167, 182, 183 एण्ड़ 183X वाय प्रोवाइड़िग कवर शेड और एक्सटेन्सन, पम्प, पम्प हाउस एण्ड़ साइड़ ड्रेन ईटीसी अण्ड़र दि जूरिस्डिक्शन ऑफ एसएसई/वर्क/गंगापुरसिटी, अनुमानित लागत: 22455653.76, बयाना राशि: 262300.00, टेंडर संख्या: 23/2025, कार्य का विवरण: कोटा – मखोली सेक्शन – टीआरआर (पी) – 15.481 कि.मी. विद 60 केजी. रेलस., अनुमानित लागत: 15139327.07, बयाना राशि: 225700.00, उपरोक्त सभी निविदा की भरने की अंतिम तिथि एवं समय: 20.03.2025 को 15.30 घंटे पर। पूर्ण विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड की गई ई.निविदा में तथा वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर समन्वय पश्चिम मध्य रेलवे, कोटामण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय की कार्यलेखा शाखा के नोटिस बोर्ड पर देखा जा सकता है।

(हस्ता.)

वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर (समन्वय), पमरे, कोटा

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

www.samagya.in

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

समाज्ञा

NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION

- MATRIMONIAL
- EDUCATION
- OBITUARY
- PROPERTY
- NAME CHANGE
- REMEMBRANCE
- RECRUITMENT
- PUBLIC NOTICE
- DISPLAY

TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT

samagyaadvt@gmail.com | samagya.in

81, Chintamani Dey Road, Howrah 711 101, Mobile: 70444 44522

परिवहन मंत्री के हस्तक्षेप से खत्म हुआ गतिरोध, फिर दौड़ी 46 नंबर रूट की बस

पिछले तीन दिनों से बस सेवाएं रही स्थगित

कोलकाता, समाज्ञा : तीन दिनों तक ठप पड़ी 46 नंबर रूट की बस सेवा आखिरकार फिर से सचल कर दी गई है। सेवा स्थगित होने से बागुईआटी, केष्टोपुर और चिनार पार्क समेत कई इलाकों के यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। इस संकट के पीछे स्थानीय आईएनटीटीयूसी नेता हिरालाल केवर की मनमानी को जिम्मेदार ठहराया जा रहा था। परिवहन मंत्री स्नेहाशीष चक्रवर्ती के हस्तक्षेप के बाद शुक्रवार की देर रात बस मालिक संगठन और चालकों के बीच बैठक हुई, जिसके बाद गतिरोध खत्म हुआ। अधिकारियों ने घोषणा की कि शनिवार से 46, 46ए और 46बी रूट पर बस सेवा पूरी तरह से बहाल हो जाएगी। बस मालिकों का आरोप है कि हिरालाल केवर और उनके समर्थक पिछले चार-पांच महीनों से बस मालिकों पर अवैध दबाव बना रहे थे। वे जबरन पैसा वसूलने और धमकाने की कोशिश कर रहे थे। बता दें कि 26 फरवरी को इस गुट ने चालकों को डरा-धमकाकर बसों का संचालन रुकवा दिया। इसके बाद से 46 नंबर बस रूट की 63 बसें सड़कों से गायब हो गईं। यात्रियों को

बस स्टॉप से मायूस होकर लौटना पड़ा। इस बस सेवा का रूट एयरपोर्ट से बागुईआटी, केष्टोपुर, चिनार पार्क और कांकुड़गाछी होते हुए कॉलेज स्ट्रीट तक है। परिवहन मंत्री स्नेहाशीष चक्रवर्ती ने साफ शब्दों में कहा कि हमने पुलिस प्रशासन को इस मुद्दे की जानकारी दी थी और उन्होंने तुरंत कार्रवाई की। सरकार किसी भी हालत में यात्री सेवाओं को बाधित करने की इजाजत नहीं देगी। बंगाल बस सिंडिकेट के सह-उपाध्यक्ष सुरजीत साहा ने कहा कि समस्या का समाधान हो गया है और शनिवार से बसें फिर से सामान्य रूप से चल रही हैं। बस मालिकों का दावा है कि हिरालाल केवर बस मालिकों के खिलाफ झूठा प्रचार कर रहे थे और चालकों तथा कर्मचारियों को भड़काने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने बताया कि हीरालाल केवर हर महीने बस मालिकों से करीब 40 हजार रुपये वेतन के नाम पर और बसों पर दिए गए विज्ञापनों से करीब 25 हजार रुपये वसूलते थे। जब बस मालिकों ने इस अवैध उगाही को रोकने की कोशिश की, तो उन्होंने तरह-तरह से कर्मचारियों को काम करने से रोकना शुरू कर दिया। इसी वजह से तीन दिनों तक बस सेवा ठप रही। परिवहन विभाग ने साफ किया है कि अब बस सेवाओं में किसी तरह की बाधा नहीं आने दी जाएगी। बस मालिकों ने भी यात्रियों को आश्वासन दिया है कि आगे से इस तरह की समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द किया जाएगा ताकि यात्रियों को परेशानी न हो।

अब घर बैठे बुक कर सकेंगे ऑटो, न्यूटाउन में होगी इस ऐप की शुरुआत

कोलकाता, समाज्ञा : ऑटो के लिए अब आपको स्टैंड पर खड़ा होने की झंझट से छुटकारा मिल जाएगा। जैसे ही आप घर से बाहर निकलेंगे, आपका ऑटो आपके दरवाजे तक पहुंच जाएगा। ऑटो भी अब ऐप के जरिए बुक किया जा सकेगा। इस सुविधा की शुरुआत पहले न्यूटाउन में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में की जाएगी, और भविष्य में यह कोलकाता और उसके उपनगरों में भी उपलब्ध होगी। इसका मतलब है कि अब ऑटो भी 'कॉन्ट्रैक्ट कैरेज' की तरह काम करेगा, जो आपके सफर को और भी आरामदायक और सुविधाजनक बना देगा। परिवहन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, रूट के ऑटो बंद नहीं होंगे। शहर में चल रहे कुछ ऑटो को इस ऐप के तहत लाया जाएगा। एक ऑटो में अधिकतम तीन लोग बैठ सकेंगे। यह योजना अभी प्रारंभिक चरण में है। शुक्रवार को पुलिस और परिवहन विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई, जिसमें ओला, उबर और अन्य ऐप कैब कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इसके साथ ही आईएनटीटीयूसी, एआईटीयूसी जैसे विभिन्न श्रमिक संगठनों के नेताओं ने भी बैठक में भाग लिया। इन संगठनों के नेताओं को यह जिम्मेदारी दी गई कि वे तय करें कि किस रूट पर कौन सा ऑटो ऐप के तहत लाया जाएगा। वहीं, किराए की दरें बाद में निर्धारित की जाएंगी। हालांकि, ऐप से बुक किए गए ऑटो को कोलकाता पुलिस द्वारा संरक्षित क्षेत्रों में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

फर्जी वोटर बनाने में माहिर है ममता सरकार : अधीर चौधरी

कोलकाता, समाज्ञा : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने ममता सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि बंगाल में लाखों की संख्या में फर्जी वोटर मौजूद हैं। अधीर चौधरी ने कहा कि जहां-जहां सत्ताधारी पार्टी चुनाव में धांधली करती है, चाहे वह महाराष्ट्र हो या बंगाल, वहां आपको लाखों फर्जी वोटर जरूर मिलेंगे। बंगाल की ममता सरकार कई साल से फर्जी वोटर बनाने में माहिर है और यह काम आज का नहीं, बल्कि सालों से चल रहा है। इसी वजह से यहां लाखों की संख्या में फर्जी वोटर हैं।

बांकुड़ा में तृणमूल के दो गुटों के बीच हुई झड़प में गोलीबारी से बूथ अध्यक्ष घायल

बांकुड़ा : जिले के सोनामुखी थाना अंतर्गत चकाई गांव में शनिवार को तृणमूल गुटों के बीच झड़प में गोलीबारी हुई और तृणमूल बूथ अध्यक्ष को गोली लग गई। गोलीबारी में तृणमूल बूथ अध्यक्ष नसीम शेख घायल हो गए। उनके पेट में गोली लगी है। उन्हें घायल अवस्था में बांकुड़ा सम्मिलानी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इस दिन, सोनामुखी ब्लॉक के पीरबेरा ग्राम पंचायत के चकाई गांव में कंक्रीट सीवर के निर्माण को लेकर तृणमूल के दो गुटों के बीच विवाद हो गया। सुबह से ही दो समूहों के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प के कारण गांव में तनाव फैल गया। दोपहर में अचानक दोनों गुटों के मजदूरों के बीच झड़प हो गई। आरोप है कि इसी दौरान सिकंदर खान नामक तृणमूल कार्यकर्ता ने बंदूक निकाल ली और गोलीबारी शुरू कर दी। कथित तौर पर, कुल 2 राउंड गोलियां चलाई गईं। एक गोली चकाई गांव के तृणमूल बूथ अध्यक्ष नसीम शेख के पेट में लगी। घायल अवस्था में उसे बचाने के बाद स्थानीय लोगों ने पहले उसे सोनामुखी प्रखंड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। बाद में, उसे बांकुड़ा सम्मिलानी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। आरोप है कि नसीम शेख के गिरोह ने गोलीबारी के तुरंत बाद आरोपी सिकंदर खान पर हमला कर दिया। उसे बुरी तरह पीटा गया। घायल सिकंदर को भी बांकुड़ा सम्मिलानी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। पुलिस ने घटनास्थल से खाली कारतूस और एक बंदूक बरामद की है।

भारतीय रेलवे स्वास्थ्य सेवा संघ का 41वां वार्षिक सम्मेलन हुआ संपन्न

कोलकाता, समाज्ञा : भारतीय रेलवे स्वास्थ्य सेवा संघ/दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा आयोजित 41वां वार्षिक सम्मेलन, 6वां रैपिकॉन और प्रथम राल्मकॉन शानदार तरीके से संपन्न हुआ। यह आयोजन 27 फरवरी से 1 मार्च 2025 तक कोलकाता के गार्डनरीच स्थित दक्षिण पूर्व रेलवे केंद्रीय अस्पताल में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन 28 फरवरी को रेलवे स्वास्थ्य सेवा, रेलवे बोर्ड के महानिदेशक डॉ. मान सिंह द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह में दपूरे के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा, दपूरे के प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. अंजना मल्होत्रा एवं अन्य विशिष्ट अतिथि और भारतीय रेलवे के विभिन्न जोनों से आए प्रतिष्ठित डॉक्टर उपस्थित थे।

महानिदेशक डॉ. मान सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि इस तरह के सम्मेलन न केवल ज्ञानवर्धन करते हैं, बल्कि युवा डॉक्टरों के कौशल को भी निखारने में सहायक होते हैं। उन्होंने लाइव ऑपरेटिव वर्कशॉप की सराहना की, जिसे बड़ी सफलता मिली। दपूरे के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा ने इस सम्मेलन के आयोजन के लिए संघ को बधाई दी और कहा कि यह कार्यक्रम डॉक्टरों के पेशेवर विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा। सम्मेलन में देशभर से आए प्रतिष्ठित वक्ताओं ने अपने बहुमूल्य विचार साझा किए। 27 फरवरी को लाइव ईएनटी सर्जरी वर्कशॉप आयोजित की गई, जबकि 28 फरवरी को ईएनटी संगोष्ठी में प्रख्यात ईएनटी और हेड-नेक सर्जनों ने अपने अनुभव साझा किए। 1 मार्च को पैथोलॉजी संगोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसमें प्रसिद्ध पैथोलॉजिस्टों ने व्याख्यान दिए। उद्घाटन समारोह के दौरान पेंटाकॉन मेमोयर्स नामक स्मारिका भी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा जारी की गई। इस कार्यक्रम में विभिन्न जोनल रेलवे के प्रतिनिधियों के साथ-साथ पश्चिम बंगाल ईएनटी और पैथोलॉजी संघों के सदस्य भी शामिल हुए।

यूको बैंक ने कोच्चि में अपराजिता 2.0 में महिलाओं के लिए रुपे कार्ड किया लॉन्च

कोच्चि/कोलकाता : यूको बैंक ने अपनी नई पहल महिला रुपे कार्ड को कोच्चि में आयोजित अपराजिता 2.0 महिला कार्यकारी सम्मेलन के दौरान लॉन्च किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन भारतीय वित्त मंत्रालय के सचिव, एम. नागराजू, ने महिला कॉन्क्लेव के दौरान किया। महिला रुपे कार्ड का उद्देश्य महिलाओं को वित्तीय रूप से सशक्त बनाना और उन्हें एक सुरक्षित एवं सुविधाजनक भुगतान समाधान प्रदान करना है। इस कार्ड के उपयोगकर्ताओं को कई लाभ प्राप्त होंगे, जिनमें शून्य वार्षिक शुल्क, खरीदारी पर कैशबैक ऑफर, शॉपिंग और डाइनिंग पर छूट, और उन्नत सुरक्षा सुविधाएं शामिल हैं। यूको बैंक के एमडी और सीईओ अश्वनी कुमार ने कहा, हम महिला रुपे कार्ड लॉन्च करने पर गर्व महसूस कर रहे हैं, जो हमारे महिलाओं को वित्तीय रूप से सशक्त बनाने के प्रति समर्पण का प्रतीक है। हमें विश्वास है कि यह कार्ड महिलाओं को अधिक वित्तीय स्वतंत्रता और सुविधा प्रदान करेगा। अपराजिता 2.0 एक महिला कार्यकारी सम्मेलन था, जिसे यूको बैंक ने महिलाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया था।

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने कोलकाता-हिंडन उड़ान सेवा शुरू की

कोलकाता, समाज्ञा : एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस ने शनिवार को कोलकाता से उत्तर प्रदेश के हिंडन हवाई अड्डे के लिए सीधी उड़ान सेवा शुरू की। एयरलाइन ने एक बयान में यह जानकारी दी। कोलकाता-हिंडन मार्ग पर पहली उड़ान सुबह 9.30 बजे हिंडन में उतरी। कोलकाता से हिंडन की उड़ान प्रतिदिन संचालित होगी, जबकि हिंडन से कोलकाता की उड़ान शनिवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन संचालित होगी। उड़ानें कोलकाता से सुबह 7.10 बजे उड़ान भरेंगी और रोजाना सुबह 9.30 बजे हिंडन पहुंचेंगी, जबकि वापसी की उड़ानें शाम 5.20 बजे हिंडन हवाई अड्डे से रवाना होंगी और शाम 7.40 बजे कोलकाता पहुंचेंगी। एयरलाइन ने कहा कि वह हिंडन से 40 साप्ताहिक उड़ानें संचालित करेगी, जो सीधे बेंगलुरु, चेन्नई, गोवा, जम्मू और कोलकाता को जोड़ेगी। नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने शनिवार को गाजियाबाद के हिंडन हवाई अड्डे से एयर इंडिया एक्सप्रेस की सेवाओं का उद्घाटन किया।

ईआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ सियालदह ने वंचित बच्चों के लिए लगाया स्वास्थ्य जांच शिविर

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे महिला कल्याण संगठन (ईआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ) की सियालदह मंडल इकाई ने सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के सतत प्रयास के हिस्से के रूप में शनिवार को कोलकाता में चहक किड्स अकादमी के वंचित बच्चों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। शिविर में अनुभवी डाक्टरों, नर्सों और स्वास्थ्य पेशेवरों की टीम ने सामान्य शारीरिक जांच, दंत जांच और बुनियादी स्वास्थ्य आकलन सहित महत्वपूर्ण जांच की। चिकित्सकों द्वारा छात्रों और उनके अभिभावकों को बहुमूल्य स्वास्थ्य सलाह प्रदान की गई। सियालदह मंडल द्वारा एक बयान में बताया गया

कि ईआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ, सियालदह की अध्यक्ष गुंजन निगम के नेतृत्व में संस्था सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए वंचितों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर, दिव्यांग बच्चों के लिए खेल प्रतियोगिता, गरीब महिलाओं में सैनिटरी नैपकिन वितरित करने आदि जैसे विभिन्न सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों में निरंतर प्रतिबद्ध है।

शिव मन्दिर में आस्था, भक्ति भावना से पूजन

कोलकाता, समाज्ञा : शिव मन्दिर, नूतन पाड़ा में महाशिवरात्रि के अवसर पर प्रथम दिन आस्था, भक्ति भावना से पूजन, द्वितीय दिन हजारों नागरिकों को महाभोग वितरित किया गया। बसन्त (झबरू) दुजारी ने बताया कि बेताई स्थित मन्दिर प्रांगण में मनोज कोठारी, सीमा कोठारी, राम कुमार मूंधड़ा, मनोज बिनानी, ऋषभ मूंधड़ा, सुनीता दुजारी, वेदिका दुजारी, कुणाल दुजारी, राशी दुजारी, रितेश राठी, नीतू राठी, इशिता जयसवाल, श्रुति अग्रवाल, राजश्री डागा, गरिमा डागा, कृष्णा सारडा, मैदास डागा, नीलू मोहता, सरिता बाहेती एवम् श्रद्धालु भक्तों ने पूजन किया। आलोक नेवर, शारदा मूंधड़ा, शोभा बिनानी, विजयश्री सोनी, जयश्री सोनी, संदीप सोनी, राजेश डागा का सक्रिय सहयोग रहा।

हावड़ा में कीर्तन संध्या के साथ हुई फाल्गुन मेला 2025 की आध्यात्मिक शुरुआत

हावड़ा, समाज्ञा : फाल्गुन मेला 2025 की आध्यात्मिक शुरुआत शुक्रवार की शाम हावड़ा स्थित संसारा, 1 आचार्य तुलसी मार्ग पर कीर्तन संध्या के साथ आयोजित की गई। इस विशेष संध्या का उद्देश्य श्रद्धालुओं को भक्ति संगीत, मधुर भजनों और आध्यात्मिक वातावरण के माध्यम से शांति और दिव्यता का अनुभव कराना था। यह संगीतमय संध्या भारत के प्रसिद्ध भजन कलाकारों द्वारा प्रस्तुतियों से सजी रही, जिन्होंने अपनी आवाज से शांति, भक्ति और आध्यात्मिकता की भावना को जागृत किया। कार्यक्रम में कन्हैया मित्तल, सौरव शर्मा, रवि बेरीवाल और विकास अग्रहरि जैसे प्रसिद्ध कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से भक्ति और आध्यात्मिकता का दिव्य माहौल बनाया। इन कलाकारों की अनूठी शैली में प्रस्तुत किए गए भजनों से श्रद्धालु गहरे भक्ति रस में सराबोर हो गए और ईश्वर के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट की। यह फाल्गुन मेला 2025 का प्रारंभिक कार्यक्रम था, जिसने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक रूप से प्रेरित किया और 1 और 2 मार्च 2025 को भव्य उत्सव के शुभारंभ का मार्ग प्रशस्त किया। पीएस ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर गौरव दुगर ने कहा, कीर्तन संध्या के माध्यम से, हमने एक ऐसा वातावरण बनाया, जहां भक्ति, एकता और आध्यात्मिक आनंद का संचार हुआ।

तटरक्षक क्षेत्र उत्तर पूर्व के तीन अधिकारियों को मिला तटरक्षक मेडल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया प्रदान

कोलकाता, समाज्ञा : भारतीय तटरक्षक बल के उत्तर-पूर्व क्षेत्र के तीन जांबाज अधिकारियों को सराहनीय सेवा और वीरता के लिए प्रतिष्ठित तटरक्षक मेडल (टीएम) से सम्मानित किया गया है, जिसका मुख्यालय कोलकाता में ही है। इसमें डीआइजी अनिल कुमार परायिल और डीआइजी हिमांशु नौटियाल को सराहनीय सेवा के लिए तटरक्षक मेडल मिला है, जबकि मोहित कुमार यादव, उत्तम नाविक को वीरता के लिए तटरक्षक मेडल मिला है। 25 फरवरी को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 18वें भारतीय तटरक्षक अलंकरण समारोह के अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बल के कर्मियों व अधिकारियों को वीरता, विशिष्ट सेवा और सराहनीय सेवा पदक प्रदान किए। इस भव्य समारोह में रक्षा राज्यमंत्री

संजय सेठ, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह, भारतीय तटरक्षक बल के महानिदेशक परमेश शिवमणि के साथ अन्य वरिष्ठ अधिकारी और पुरस्कार विजेताओं व उनके परिवार के सदस्य शामिल हुए। एक बयान में बताया गया कि ये पुरस्कार आ-इसीजी कार्मिकों के अटूट साहस, वीरता और प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जिनका योगदान भारत की विशाल समुद्री सीमाओं की सुरक्षा और संरक्षा के लिए महत्वपूर्ण रहा है।

रेलवे सुरक्षा बल ने ऑपरेशन 'रेल प्रहरी' के तहत अपहर्ता को किया गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल ने रेलवे परिसरों में सुरक्षा बनाए रखने के लिए एक और बड़ी सफलता प्राप्त की है। मिली जानकारी के अनुसार, गत 27 फरवरी को आरपीएफ चंदनपुर को जानकारी मिली थी कि एक नाबालिग लड़की अपने घर से भागकर एक व्यक्ति के साथ जा रही है। आरोपी के खिलाफ पहले ही बिहार के वाजीरगंज पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज था। 28 फरवरी को ऑपरेशन रेल प्रहरी के तहत, हावड़ा डिवीजन के आरपीएफ कर्मियों ने वाजीरगंज पुलिस स्टेशन के अधिकारियों के सहयोग से अपहर्ता नितीश कुमार (23) को गिरफ्तार किया। साथ ही, एक नाबालिग लड़की मनीषा कुमारी (16) को चंदनपुर रेलवे स्टेशन से सुरक्षित रूप से बचा लिया। यह अभियान एएसआई सतन पासवान के नेतृत्व में चलाया गया। इसके बाद आरपीएफ पोस्ट चंदनपुर पहुंचकर कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बच्ची को उसके पिता को सौंप दिया। पूर्व रेलवे के आरपीएफ रेलवे यात्रियों की सुरक्षा को लेकर हमेशा सतर्क रहता है।

जेआईएस विश्वविद्यालय ने 5वें दीक्षांत समारोह में 956 छात्रों को डिग्रियां और पदक से किया सम्मानित

कोलकाता, समाज्ञा : जेआईएस विश्वविद्यालय ने अपने परिसर में 5वीं दीक्षांत समारोह का आयोजन किया। जिसमें विश्वविद्यालय के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों का जश्न मनाया गया। इस समारोह में प्रतिष्ठित हस्तियों ने शिरकत की, जिनमें प्रोफेसर पार्थ प्रति मजूमदार (नेशनल साइंस चेयर, साइंस एंड इंजीनियरिंग बोर्ड) डॉ. रामजी सिंह (कार्यकारी निदेशक एंड सीईओ, एआईआईएमएस कल्याणी), प्रोफेसर कौस्तव सान्याल (निदेशक, बोस संस्थान, कोलकाता), सरदार तरनजीत सिंह (प्रबंध निदेशक, जेआईएस ग्रुप) और प्रोफेसर भाबेश भट्टाचार्य (कुलपति, जेआईएस विश्वविद्यालय) एवं विश्वविद्यालय के अधिकारी, निदेशक, डीन और फैकल्टी सदस्य भी उपस्थित थे। प्रोफेसर भाबेश भट्टाचार्य ने दीक्षांत रिपोर्ट प्रस्तुत की, जो छात्रों और फैकल्टी के लिए एक ऐतिहासिक अवसर था। इस समारोह में कुल 956 छात्रों को डिग्रियां और डिप्लोमा प्रदान किए गए। जिनमें 648 अंडरग्रेजुएट, 221 पोस्टग्रेजुएट, 75 डिप्लोमा और 12 पीएचडी डिग्रियां शामिल थीं। इस अवसर पर 43 छात्रों को स्वर्ण पदक, 32 को रजत और 25 को कांस्य पदक से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार जेआईएस विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा प्रदान किए गए। इस अवसर पर जेआईएस ग्रुप के एमडी सरदार तर-नजीत सिंह ने कहा, हमारा उद्देश्य एक ऐसा वातावरण बनाना है जो ज्ञान, नवाचार और उत्कृष्टता को बढ़ावा दे। हम छात्रों की उपलब्धियों पर गर्व महसूस करते हैं और उनके भविष्य में योगदान की प्रतीक्षा करते हैं।

प्लास्टिक कचरे से होगा ग्रामीण सड़कों का निर्माण और मरम्मत

कोलकाता, समाज्ञा : आज के समय में प्लास्टिक कचरे से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करना एक बड़ी चुनौती बन चुका है। पर्यावरण संरक्षण के लिए प्लास्टिक कचरे के पुनः उपयोग के कई प्रयास किए जा रहे हैं। इन्हीं में से एक प्रभावी तरीका है- सड़कों के निर्माण और मरम्मत में प्लास्टिक कचरे का उपयोग। इस तकनीक के तहत बिटुमिन की मात्रा को 6% से 8% तक प्लास्टिक कचरे से बदला जाता है, जिससे मजबूत, टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल सड़कें बनाई जा सकती हैं। देश-विदेश समेत पश्चिम बंगाल में भी इस तकनीक से सड़कों का निर्माण कर सफलता प्राप्त की गई है। इंडियन रोड कांग्रेस (आईआरसी) ने इस पद्धति को स्वीकृति देते हुए आईआरसी:एसपी:98-2013 विशेष प्रकाशन जारी किया है। इस तकनीक को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए पश्चिम बंगाल सरकार के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने जिला प्रशासन की मदद से प्रत्येक जिले में 'प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट (पीडब्ल्यूएम) यूनिट' स्थापित की है। इन केंद्रों में प्लास्टिक कचरे को छोटे टुकड़ों में बदलकर सड़क निर्माण में उपयोग किया जा रहा है।

❑ सागर मेले से एकत्रित प्लास्टिक से सड़क निर्माण

दक्षिण 24 परगना जिले के सागर में हर वर्ष मकर संक्रांति मेले में लाखों तीर्थयात्रियों का आगमन होता है, जिससे बड़ी मात्रा में ठोस कचरा उत्पन्न होता है। इस कचरे के प्रबंधन के लिए मेले में सात अस्थायी ठोस कचरा प्रबंधन केंद्र स्थापित किए गए थे। इन केंद्रों पर प्लास्टिक कचरे को

अलग कर पुनः उपयोग के लिए भेजा गया। इसके अलावा, तीर्थयात्रियों से प्लास्टिक बैग लेकर उन्हें कपड़े या कागज के थैले दिए गए ताकि प्लास्टिक कचरे को कम किया जा सके। इस मेले से एकत्रित लगभग 3 टन प्लास्टिक कचरा दक्षिण 24 परगना के सागर ब्लॉक स्थित प्लास्टिक प्रबंधन केंद्र में भेजा गया। इस कचरे को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर सड़क निर्माण में उपयोग के योग्य बनाया गया। अब इसी प्लास्टिक कचरे का उपयोग दक्षिण 24 परगना जिले के कैनिंग-2 ब्लॉक में तम्बुलदह-2 ग्राम पंचायत के तहत गोविंदनगर मोड़ से पॉलता-तालतला होते हुए नगरतला तक 4.85 किमी लंबी सड़क की मरम्मत के लिए किया जा रहा है।

❑ तकनीक और निर्माण प्रक्रिया

नई तकनीक से बनने वाली सड़कों की लागत पारंपरिक तकनीक के समान ही है। इस प्रक्रिया में ड्राई प्रोसेस अपनाया जाता है, जिसमें सड़क किनारे एक छोटा हॉट मिक्स प्लांट स्थापित किया जाता है। यहां निर्धारित मात्रा में पत्थर और प्लास्टिक कचरे को उचित तापमान पर गर्म किया जाता है। इसके बाद, गर्म बिटुमिन मिलाकर मिश्रण तैयार किया जाता है, जिसे या तो नए पत्थर की सतह पर या पुरानी सड़क पर बिछाया जाता है। फिर, रोड रोलर से समतल कर सड़क को मजबूत बनाया जाता है। इस पद्धति में सड़क निर्माण की अन्य तकनीकी आवश्यकताओं का भी ध्यान रखा जाता है, जिससे सड़क की गुणवत्ता बेहतर बनी रहे। इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत और टिकाऊ सड़कें बनेंगी, प्लास्टिक कचरे का प्रभावी प्रबंधन होगा और पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा उठाया गया यह कदम अन्य राज्यों के लिए भी एक मिसाल बन सकता है।

वारदा गोएंका फाइन ज्वेल्स बाय डायगोल्ड के फैशन वॉक में पटियाला ज्वेल्स और जोधपुर जड़ाऊ कलेक्शन का भव्य प्रदर्शन

कोलकाता, समाज्ञा : वारदा गोएंका फाइन ज्वेल्स बाय डायगोल्ड ने 28 फरवरी को गंगा नदी के किनारे स्थित द डॉकयार्ड कंपनी में अपने नए कलेक्शन, पटियाला ज्वेल्स और जोधपुर जड़ाऊ का भव्य लॉन्च किया। इस आयोजन में भारतीय शाही विरासत को जीवंत किया गया। इवेंट में तीन प्रमुख शोकेस प्रस्तुत किए गए, जिनमें बंगाली ज़मींदारों, क्लॉक टावर और राजघरानों की भव्यता को दर्शाया गया। शाम का समापन एक शानदार फैशन वॉक से हुआ, जहां मॉडल्स ने पटियाला ज्वेल्स और जोधपुर जड़ाऊ कलेक्शन के शानदार आभूषण पहनकर रैंप पर जलवा बिखेरा। वारदा गोएंका फाइन ज्वेल्स बाय डायगोल्ड के संस्थापक एवं क्रिएटिव डायरेक्टर वारदा गोएंका ने कहा, ज्वेलरी केवल एक गहना नहीं, बल्कि इतिहास, संस्कृति और शाश्वत सुंदरता का प्रतीक है। पटियाला ज्वेल्स और जोधपुर जड़ाऊ के माध्यम से, हम भारतीय शाही वैभव को आधुनिक डिज़ाइनों में प्रस्तुत कर रहे हैं। ये कलेक्शन परंपरागत शिल्पकला और सुंदरता को समर्पित हैं, जो उन महिलाओं के लिए बनाए गए हैं, जो विरासत में आधुनिकता की झलक पसंद करती हैं।

सरकारी नौकरी करते हुए प्रमोटिंग व्यवसाय में संलिप्तता का आरोप, पांच साल की जांच के बाद बर्खास्त हुआ सरकारी अधिकारी

कोलकाता, समाज्ञा : बंगाल सरकार के एक उच्च पदस्थ अधिकारी को निजी व्यवसाय में संलिप्त पाए जाने के आरोप में नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है। इस अधिकारी पर आरोप था कि वह सरकारी नौकरी में रहते हुए प्रमोटिंग व्यवसाय में सक्रिय था। पांच साल तक चली जांच के बाद आखिरकार सरकार ने उसे सेवा से हटा दिया। राज्य प्रशासन और कार्मिक विभाग की ओर से इस संबंध में एक आधिकारिक अधिसूचना भी जारी

की गई है। मामला 2020 में तब सामने आया जब अधिकारी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई। इसके बाद, गृह विभाग और पहाड़ मामलों के विभाग ने संयुक्त रूप से जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि उक्त अधिकारी के नाम पर एक ट्रेड लाइसेंस पंजीकृत था, जिसके जरिए वह प्रमोटिंग व्यवसाय संचालित कर रहा था। इसके अलावा, उसके बैंक खातों की जांच में भी व्यावसायिक लेनदेन के स्पष्ट प्रमाण मिले। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपित के नाम पर एक पंजीकृत कंपनी थी, जिसके माध्यम से वह जमीन और प्रमोटिंग से जुड़े व्यवसायों में सक्रिय रूप से शामिल था। सरकार ने उसे अपना पक्ष रखने का अवसर देते हुए दो बार कारण बताओ नोटिस (शो-कॉज) जारी किया, लेकिन अधिकारी द्वारा दिए गए जवाब संतोषजनक नहीं पाए गए। इसके बाद, सरकार ने कार्रवाई करते हुए उसे सेवा से बर्खास्त करने का निर्णय लिया। राज्य प्रशासन और कार्मिक विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सरकारी सेवकों को किसी भी प्रकार के निजी व्यवसाय में संलिप्त होने की अनुमति नहीं होती। चूंकि, आरोपित अधिकारी ने इस नियम का उल्लंघन किया, इसलिए उसे सेवा से हटाने का निर्णय लिया गया। बताया जा रहा है कि वह 'वेस्ट बंगाल पब्लिक सर्विस कमीशन' की परीक्षा पास करके सरकारी सेवा में आया था, इसलिए इस फैसले की जानकारी पब्लिक सर्विस कमीशन को भी दे दी गई है।

मध्यमग्राम में घर से मां-बेटी के शव बरामद

कोलकाता, समाज्ञा : टेंगरा, बेहाला के बाद अब मध्यमग्राम में घर से मां-बेटी के शव बरामद किए गए है। प्राथमिक अनुमान है कि मां ने अपनी बेटी की हत्या कर खुद आत्महत्या कर ली। मौत के कारण को लेकर संशय बना हुआ है। इस घटना से इलाके में तीव्र उत्तेजना फैल गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृत युवती का नाम मधुमिता रॉय है। वह अपने पति और बेटी के साथ मध्यमग्राम के डोहरिया स्थित शैलेश नगर दुर्गा मंडप इलाके में किराए के मकान में रहती थी। उसका पति प्रोसेनजीत रॉय एक पिच बोर्ड फैक्ट्री में काम करता हैं। उनकी शादी लगभग सात साल पहले हुई थी। शादी के दो साल बाद उसने एक बेटी को जन्म दिया। घटना वाले दिन प्रोसेनजीत ने अपनी पत्नी से फोन पर बात की थी। लेकिन, प्रोसेनजीत

ने बाद में दो बार फोन किया, लेकिन मधुमिता ने फोन नहीं उठाया। बाद में, उसके पति ने किराने की दुकान पर फोन कर उसकी जानकारी लेने को कहा। तभी पड़ोसी और अन्य किरायेदार घर के अंदर गए तो देखा कि मां और बेटी के शव घर के फर्श पर पड़ा था। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, उन्हें घर में केरोसिन की गंध आई। उन्हें एक निजी अस्पताल ले जाया गया, तो डॉक्टरों ने मां और बेटी को मृत घोषित कर दिया। बाद में, उन्हें मध्यमग्राम मातृसदन ले जाया गया। उनकी मृत्यु के कारण को लेकर संशय बना हुआ है। इस बात पर सवाल उठ रहे हैं कि क्या मां ने अपनी बेटी की हत्या करके आत्महत्या की है। इस बात की भी जांच की जा रही है कि क्या मधुमिता मानसिक समस्याओं से ग्रस्त थी। इस बीच, पता चला है कि मौत से पहले उसने अपने पति को व्हाट्सएप पर एक सुसाइड नोट लिखा था, जिसमें कहा था कि उसकी मौत के लिए कोई जिम्मेदार नहीं है। हालाँकि, प्रोसेनजीत को यह संदेश दिखाई नहीं दिया क्योंकि वह काम पर था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रारंभिक रिपोर्ट के बाद ही मौत का वास्तविक कारण पता चल सकेगा। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

शांतिपुर में वोटर लिस्ट विवाद पर बुलाई बैठक को शुभेंदु अधिकारी ने बताया अवैध

कोलकाता, समाज्ञा : नदिया जिले के शांतिपुर में आगामी 5 मार्च को बीडीओ द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया है कि शांतिपुर के बीडीओ ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर यह बैठक बुलाई है, जिसमें बूथ-स्तर के एजेंटों की सूची और मृत या अन्यत्र स्थानांतरित मतदाताओं की पहचान पर चर्चा होगी। शुभेंदु का दावा है कि चुनाव आयोग से बिना किसी निर्देश के यह बैठक आयोजित की जा रही है, जो नियमों के खिलाफ है। शुभेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया पर बैठक से संबंधित पत्र की तस्वीर साझा करते हुए कहा कि बीडीओ राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस को खुश करने के लिए यह बैठक आयोजित कर रहे हैं। उन्होंने राष्ट्रीय चुनाव आयोग और राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी से आग्रह किया है कि इस तरह के 'पक्षपाती' अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए और उन्हें चुनाव प्रक्रिया से अलग रखा जाए।

❑ क्या कह रहा है चुनाव आयोग?

चुनाव आयोग के राज्य कार्यालय से जुड़े सूत्रों के अनुसार, शांतिपुर में बीडीओ द्वारा बुलाई गई यह बैठक अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर की जा रही है। राज्य चुनाव आयोग ने इस मामले की जानकारी दिल्ली स्थित राष्ट्रीय चुनाव आयोग को भी भेजी है।

❑ शांतिपुर के बीडीओ का क्या कहना है?

शांतिपुर के बीडीओ संदीप घोष ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि इस तरह की बैठकें चुनाव प्रक्रिया का एक सतत हिस्सा होती हैं और इसके लिए अलग से चुनाव आयोग की अनुमति आवश्यक नहीं है। उन्होंने कहा, यह एक सतत प्रक्रिया है। विभिन्न राजनीतिक दलों के बूथ-स्तरीय प्रतिनिधियों की सूची तैयार करने के लिए यह बैठक बुलाई गई है।

❑ तृणमूल विधायक ने भाजपा नेता पर किया पलटवार

शांतिपुर से तृणमूल कांग्रेस के विधायक ब्रजकिशोर गोस्वामी ने शुभेंदु अधिकारी के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि बैठक में सिर्फ तृणमूल ही नहीं, बल्कि भाजपा, कांग्रेस और माकपा के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया है। उन्होंने कहा, अगर विपक्ष के नेता को लगता है कि यह बैठक असंवैधानिक है, तो इसका प्रमाण देना भी उन्हीं की जिम्मेदारी है। जब इसमें सभी दलों को बुलाया गया है, तो इसे पक्षपातपूर्ण या असंवैधानिक कैसे कहा जा सकता है?

ईडन गार्डन्स के पास युवक अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता पुलिस की एंटी राउडी स्क्वॉड (एआरएस) ने शुक्रवार की शाम ईडन गार्डन्स पार्क के पास गोष्ठो पाल सरणी से अवैध हथियार के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया। आरोपी का नाम मो. अर्शद (21) है। वह गार्डनरीच का निवासी है। पुलिस के मुताबिक, अर्शद के पास से एक सिंगल शॉट फायरआर्म और एक कारतूस बरामद किया गया। जब पुलिस ने उससे हथियार रखने का कारण पूछा तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। इसके बाद, उसे तत्काल गिरफ्तार कर लिया गया। इस संबंध में मैदान थाना में आर्म्स एक्ट की धारा 25(1)(ए)/29 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आरोपी

हथियार कहां से लाया और उसका मकसद क्या था। मामले की जांच जारी है।

सियालदह स्टेशन पर बांगलादेशी पिता-पुत्र भारतीय दस्तावेजों के साथ किया गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : सियालदह स्टेशन पर रेलवे पुलिस ने एक बांगलादेशी पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है। जिनके पास भारतीय आधार कार्ड, वोटर कार्ड, पैन कार्ड और स्वास्थ्य साथी समेत सभी महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार, इन दस्तावेजों को दोनों ने कुछ साल पहले पैसे के बदले भारतीय बना लिया था। यह घटना शनिवार दोपहर की है, जब मोहम्मद पिकुल विश्वास नामक युवक को गिरफ्तार किया गया, और उसके साथ उसके पिता मोहम्मद अलिया विश्वास को भी गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में युवक ने स्वीकार किया कि वह कुछ साल पहले बांगलादेश के झिनाईदह से कोलकाता आया था और फल

बेचने का काम करता था। बाद में, उसने सभी दस्तावेज तैयार करवा लिए और अपने पिता को इलाज के लिए कोलकाता लाया। इलाज के बाद, वह अपने पिता को बांगलादेश वापस भेजने के लिए सियालदह आया था। इसके बाद, दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। रेलवे पुलिस के अनुसार, युवक को अवैध तरीके से भारत में प्रवेश करने और झूठा पहचान पेश करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। जबकि पिता को अपने बेटे को अवैध कार्यों में शामिल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

पलता में गाड़ी के धक्के से तृणमूल नेता की मौत, परिवार ने हत्या की शिकायत दर्ज कराई

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिला के पलता में तृणमूल के

आईएनटीयूसी नेता की रहस्यमय मौत का मामला सामने आया है। पता चला है कि गत शुक्रवार की देर रात एक निजी कार की टक्कर से उनकी मौत हो गई। इस बात को लेकर अनिश्चितता है कि क्या यह महज एक दुर्घटना थी। परिवार का आरोप है कि नेता की हत्या की गई है। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतक तृणमूल नेता का नाम हन्नान गाजी है। वह नोआपाड़ा थाना अंतर्गत बलताछी गांव के निवासी थे। बताया गया है कि गत शुक्रवार की रात को वह अपना गैराज बंद करके घर लौट रहे थे। उनके साथ उनका भगना था। तभी, बैरकपुर कल्याणी निवास स्थित शिशु तीर्थ प्राथमिक विद्यालय के सामने एक कार ने हन्नान को पीछे से टक्कर मार दी। वह खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ा। धक्के के बाद कार भाग गई। परिवार को इसकी सूचना दी गई और वे हन्नान को बीएन बोस उपजिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार ने आरोप लगाया कि उसे जानबूझकर कार से टक्कर मारकर मार दिया गया। शिकायत के आधार पर टीटागढ़ थाना पुलिस ने पूरी घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि यह दुर्घटना थी या जानबूझकर की गई हत्या।

राजारहाट में खाने का लालच देकर नाबालिग से यौन शोषण, आरोपी पड़ोसी गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : खाने का लालच देकर नाबालिग से दिन-प्रतिदिन यौन शोषण करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार, यह घटना राजारहाट इलाके में घटी। अभियुक्त का नाम अबुल हुसैन मिद्दे (40) है। पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, 12 वर्षीय पीड़िता राजारहाट इलाके की निवासी है। आरोपी भी उसी इलाके में रहता है। पड़ोसी होने के कारण किशोरी के माता-पिता को उस पर कभी संदेह नहीं हुआ। अबुल हुसैन मिद्दे कभी-कभी किशोरी के साथ बाहर जाता था। और उस विश्वास का फायदा उठाकर आरोपी उसका यौन उत्पीड़न करता था। लड़की को खाने का लालच देकर विभिन्न स्थानों

पर ले जाया जाता था। वह लड़की को किसी खाली जगह पर ले जाता और उसका यौन उत्पीड़न करता था। इतना ही नहीं, किसी से ऐसा कहने से और अधिक नुकसान होगा, यह धमकी दी जाती थी। परिणामस्वरूप, नाबालिग ने डर के मारे अपना मुंह बंद रखा। और उस अवसर का लाभ उठाकर अबुल पिछले तीन महीनों से लगातार उससे यौन शोषण कर रहा था। जैसे-जैसे यह घटना जारी रही, नाबालिग लड़की धीरे-धीरे शारीरिक और मानसिक रूप से बीमार हो गई। इस बीच, शुक्रवार को नाबालिग लड़की घर पर बीमार पड़ गई। उसके परिवार वाले उसके डर का कारण जानना चाहा। फिर, उसने घरवालों को पूरी घटना बताई। बिना देरी किए, अबुल हुसैन मिद्दे के खिलाफ राजारहाट पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने आरोपी अबुल हुसैन मिद्दे को गत शुक्रवार की रात गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार व्यक्ति ने पुलिस पूछताछ के दौरान घटना कबूल कर ली। पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। गिरफ्तार व्यक्ति को शनिवार को बारासात अदालत में पेश किया गया।

चुंचुड़ा में दिवंगत पत्नी के जगह जीवित पति का नाम मतदान सूची से हटाया

हुगली, समाज्ञा : जिले के चुंचुड़ा थाना क्षेत्र से मतदाता सूची में गड़बड़ी का एक मामला प्रकाश में आया है। जानकारी के अनुसार, तृणमूल नेता की पत्नी की मौत के बाद उन्होंने अपनी पत्नी का नाम मतदाता सूची से हटाने का आवेदन किया था लेकिन उनकी पत्नी का नाम न हटाकर उन्ही का नाम हटा दिया गया। यह घटना प्रशासनिक ला-परवाही और मतदाता सूची में गड़बड़ी का एक बड़ा उदाहरण है। मतदाता सूची में इस तरह की गलतियों से चुनाव प्रक्रिया पर भी सवाल उठते हैं। जयंत खान का नाम हटाना और उनकी दिवंगत पत्नी का

नाम बरकरार रखना दिखाता है कि सुधार प्रक्रिया में गंभीर खामियां हैं। चुंचुड़ा नगरपालिका के वार्ड नंबर 8 के निवासी जयंत खान तृणमूल के बूथ अध्यक्ष हैं। उनकी पत्नी सुषमा खान की मृत्यु के बाद उनका नाम मतदाता सूची से हटाने के लिए याचिका दायर की गई थी। हालाँकि, उस आवेदन के बाद जयंत का नाम सूची से हटा दिया गया और उनकी पत्नी सुषमा का नाम बरकरार रखा गया। चुंचुड़ा शहर तृणमूल अध्यक्ष संजीव मित्रा ने कहा, 'हमारी पार्टी के बूथ अध्यक्ष का नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया है।' उनकी दिवंगत पत्नी का नाम सूची में है। इस तरह की समस्या उन लोगों के साथ हो रही है जो यह काम ऑनलाइन कर रहे हैं। हमने मामले की जानकारी उप-जिला मजिस्ट्रेट को दे दी है। प्रशासन को चाहिए कि वह मतदाता सूची के संशोधन की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सटीक बनाए, ताकि इस तरह की गलतियों को रोका जा सके।

तारकेश्वर में बहुमंजिला इमारत में लगी आग, दमकल की तत्परता से टला बड़ा हादसा

हुगली, समाज्ञा : जिले के तारकेश्वर के जयकृष्ण बाजार इलाके में शनिवार सुबह एक बहुमंजिला इमारत की तीसरी मंजिल पर स्थित एक बंद कमरे में अचानक आग लग गई।आग लगने से इलाके में अफरा तफरी का माहौल बन गया। जैसे ही स्थानीय लोगों ने धुंआ उठता देखा, उन्होंने तुरंत दमकल विभाग और पुलिस को सूचना दी। खबर मिलते ही तारकेश्वर फायर ब्रिगेड की एक दमकल गाड़ी और तारकेश्वर पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों के त्वरित और विशेष प्रयासों से आग पर जल्द ही काबू पा लिया गया, जिससे एक बड़े हादसे को टाल दिया गया। हालांकि, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन अचानक आग लगने की वजह से इमारत के निवासियों में दहशत फैल गई। आग लगने के सही कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है, दमकल और पुलिस इस मामले की गहन जांच कर रही है।

पूर्व पंचायत सदस्य को गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस का लोगों ने किया विरोध, 27 गिरफ्तार

उत्तर दिनाजपुर : पूर्व पंचायत सदस्य को गिरफ्तार करने के दौरान पुलिस को स्थानीय लोगों का विरोध झेलना पड़ा। आरोप है कि स्थानीय लोगों ने मिलकर आरोपी को पुलिस के हाथों से छुड़वा लिया। शनिवार दोपहर को यह घटना चोपड़ा के कालिकापुर इलाके में घटित हुई, जिसके बाद माहौल गरमा गया। मिली जानकारी के अनुसार, चोपड़ा के चुटियाखोर पंचायत के पूर्व सदस्य मुजीबर रहमान पर मादक पदार्थ और हथियार तस्करी करने का आरोप है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शनिवार दोपहर को चोपड़ा पुलिस मुजीबर को गिरफ्तार करने पहुंची थी। इस दौरान पुलिस को स्थानीय लोगों का तीव्र विरोध का सामना करना पड़ा। आरोप है कि इलाके की महिलाएं पुलिस को घेर कर सरकारी काम में बाधा डाल रही थीं। इसके बाद इस्लामपुर पुलिस जिला से भारी पुलिस बल चोपड़ा थाना के आईसी सूरज थापा के नेतृत्व में घटनास्थल पर पहुंची। इस दौरान मौका देखकर मुजीबर भाग निकला। पुलिस उसको तलाश रही है। हालांकि, सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप में पुलिस ने अब तक 27 लोगों को गिरफ्तार किया है। जिनमें कई महिलाएं भी शामिल हैं। इस मामले की जांच जारी है।

तमलुक में सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत, एक घायल

मरीज को इलाज के लिए कोलकाता ले जाते समय हुआ हादसा

पूर्व मेदिनीपुर : जिला के तमलुक में एक भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। यह हादसा उस वक्त हुआ जब मारुति वैन गाड़ी सड़क किनारे खड़े एक गैस टैंकर से टकरा गई। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना का कारण गाड़ी का टायर फटना हो सकता है। पता चला है कि शनिवार की सुबह एक परिवार अपने मरीज को लेकर कोलकाता जा रहा था। मारुति वैन पूर्व मेदिनीपुर के भगवानपुर के गुड़गांव इलाके से चलकर 116 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग से गुजर रही थी। इसी दौरान तमलुक के कुमारगंज इलाके में वैन सड़क

किनारे खड़े गैस टैंकर से टकरा गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वैन तेज रफ्तार में थी और अचानक चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिससे यह भयानक टक्कर हो गई। हादसे के बाद पुलिस और स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को तमलुक स्थित ताम्रलिप्त गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज और अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया। वहीं, एक महिला की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका इलाज जारी है। तमलुक थाना पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि वैन के अगले टायर के फटने के कारण चालक ने नियंत्रण खो दिया और वाहन सीधे गैस टैंकर से जा भिड़ा। दुर्घटना में मारे गए तीनों लोग एक ही परिवार के थे, जिससे पूरे इलाके में शोक की लहर है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त मारुति वैन और गैस टैंकर को जब्त कर लिया है। हादसे में मारे गए लोगों की पहचान की जा रही है। वहीं, पुलिस दुर्घटना के अन्य संभावित कारणों की भी जांच कर रही है।

कंकरतला में तृणमूल कार्यकर्ता की हत्या मामले में बेंगलुरु से पांच गिरफ्तार

➨ अबतक इस मामले में छह गिरफ्तारी

बीरभूम : बीरभूम के कंकरतला में एक तृणमूल कार्यकर्ता की पिटाई और हत्या के सिलसिले में पुलिस ने बेंगलुरु से पांच तृणमूल कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। उन्हें शुक्रवार की रात बीरभूम लाया गया। शनिवार को जब उन्हें अदालत में पेश किया गया तो न्यायाधीश ने चार दिन की पुलिस हिरासत का आदेश दिया। उल्लेखनीय है कि गत 22 फरवरी को कंकरतला में तृणमूल कार्यकर्ता शेख नियामुल की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में एफआईआर में 27 लोगों के नाम दर्ज थे, लेकिन पुलिस ने केवल एक तृणमूल कार्यकर्ता शेख अकबर को गिरफ्तार कर पाई थी। वह शनिवार तक पुलिस हिरासत में

था। उससे पूछताछ के बाद पांच लोगों के ठिकानों का पता चला। उस सूचना के आधार पर जांचकर्ताओं ने बेंगलुरु में छापेमारी की। वहां से गिरफ्तार किए गए लोगों में शेख फिरदौस, शेख लालोन, शेख सद्दाम, शेख सैफुद्दीन और शेख नईमुल शामिल हैं। पुलिस ने उनसे पूछताछ कर बाकी लोगों की तलाश शुरू कर दी है। इस बीच, अदालत ने पहले गिरफ्तार किए गए शेख अकबर को 14 दिनों की जेल हिरासत में भेज दिया है। उसके पास से एक लोहे की रॉड बरामद की गई। इसे अदालत में भी पेश किया गया। यह बात सरकारी वकील राजेंद्र प्रसाद ने कही।

कूचबिहार में दो करोड़ रुपये से अधिक की नशीली गोलियां बरामद, असम के दो तस्कर गिरफ्तार

कूचबिहार : राज्य पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने कूचबिहार जिले के बॉक्सीरहाट थाना क्षेत्र में असम सीमा से सटे जोराई मोड़ नाका पॉइंट पर दो करोड़ रुपये से अधिक की नशीली गोलियों के साथ एक ट्रक जब्त किया है। इस मामले में असम के दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्तों के नाम असम के बोंगाईगांव जिला निवासी ओवाजेद अली (37) और अंसर अली (65) के रूप में हुई है। एसटीएफ, सिलीगुड़ी इकाई ने इन दोनों को पकड़ा है। आरोपितों के पास से असम नंबर प्लेट वाले एक ट्रक से 8.5 किलो

वजनी 11 पैकेट याबा टेबलेट बरामद किए गए हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, नशीली गोलियों को ट्रक के ड्राइवर केबिन में सीट के नीचे बने गुप्त बॉक्स में छिपाकर रखा गया था। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गिरफ्तार तस्कर एक अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी गिरोह से जुड़े हुए हैं। इस मामले में बॉक्सीरहाट थाने में नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है। एसटीएफ के एसपी आईपीएस इंद्रजीत बसु ने बताया कि जब्त किए गए प्रतिबंधित पदार्थों की बाजार में कीमत करीब दो करोड़ रुपये आंकी गई है। इन लोगों से पूछताछ हो रही है।

चंदननगर पुलिस कमिश्नरेट की साइबर अपराध जागरुकता पहल

हुगली, समाज्ञा : चंदननगर पुलिस कमिश्नरेट की देखरेख में एक विशेष ऑनलाइन अपराध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम हुगली के चुंचुड़ा स्थित रवींद्र भवन में संपन्न हुआ। इस महत्वपूर्ण पहल का उद्देश्य आम जनता को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करना और उन्हें ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के लिए सतर्क बनाना था। इस कार्यक्रम में चंदननगर पुलिस कमिश्नरेट के पुलिस कमिश्नर अमित पी. जवालगी, डीसीपी मुख्यालय इशानी पाल, एसीपी मुख्यालय अलकनंदा भवाल, डीसीपी श्रीरामपुर अर्नब विश्वास, डीएसपी साइबर क्राइम ब्रांच ऐंद्रिला राय, और आईसीआईसीआई बैंक के नोडल अधिकारी इंद्रनील आचार्य समेत अन्य वरिष्ठ लोग मौजूद रहे।

❑ साइबर अपराधों से बचाव के लिए जागरुकता

पुलिस अधिकारियों ने आम जनता को किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करने, किसी भी संदिग्ध कॉल का जवाब न देने और ऑनलाइन लेन-देन करते समय सतर्क रहने की सलाह दी। विशेष रूप से व्हाट्सएप और वीडियो कॉल के दौरान सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए।

❑ पीड़ितों को वापस मिली धनराशि और मोबाइल फोन

इस जागरुकता कार्यक्रम के दौरान चंदननगर पुलिस आयुक्तालय ने ऑनलाइन अपराधों के कारण आर्थिक नुकसान झेलने वाले 16 लोगों को कुल 31 लाख 98 हजार रुपये की वसूली गई राशि लौटाई। इसके अलावा, 120 खोए हुए मोबाइल फोन भी उनके वास्तविक मालिकों को वापस कर दिए गए। पुलिस अधिकारियों ने यह सामग्री लोगों को सौंपते हुए उन्हें भविष्य में सतर्क रहने की सलाह दी।

❊ पुलिस आयुक्त का संदेश

चंदननगर पुलिस कमिश्नरेट के पुलिस आयुक्त अमित पी. जवालगी ने कहा, कि डर और लालच दो मुख्य कारण हैं जिनकी वजह से आम लोग ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार होते हैं।' उन्होंने जनता को साइबर अपराधों से बचने के लिए जरूरी एहतियाती कदम उठाने और जागरूक रहने की अपील की।

❑ जनता की प्रतिक्रिया

जिन लोगों को इस कार्यक्रम के तहत उनकी खोई हुई राशि और मोबाइल फोन वापस मिले, वे अत्यंत उत्साहित और संतुष्ट दिखे। उन्होंने पुलिस प्रशासन की इस पहल की सराहना की और साइबर अपराधों के खिलाफ इस तरह के जागरुकता अभियानों को निरंतर जारी रखने की आवश्यकता पर बल दिया

डॉ. एस. के. सैनी

कोल्हुवा, बिहार

हमारी अंजानी धरोहर-63

हाजीपुर से लगभग 40 किलोमीटर दूर वैशाली वह स्थल है जहां भगवान गौतम बुद्ध ने अपने जीवन का महत्वपूर्ण समय व्यतीत किया था। वैशाली विश्व का पहला प्रजातांत्रिक जनपद कहलाता है।

कौन हुआ में सम्राट अशोक के द्वारा स्थापित किया गया एक अशोक स्तंभ है जो 18।3 मीटर ऊंचा है और एक सिंगल पत्थर का जो बलवा पत्थर है उसका बना हुआ है। उसी के पास मिट्टी की बनी हुई ईंटों से बना हुआ विशाल स्तूप है भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग और बिहार पर्यटन ने मिलजुल कर यहां पर एक विराट उद्यान का निर्माण किया है जिसके बीचो बीच में यह दोनों स्मारक अवस्थित हैं कोलवा आज का नहीं बल्कि ईसा पूर्व छठी शताब्दी की स्थितियों को दर्शाता है क्योंकि इसी के पास नजदीक में ही भगवान महावीर का जन्म हुआ था कोलवा का अशोक स्तंभ सम्राट अशोक के द्वारा स्थापित महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक है इसके ऊपर सिंह की आकृति बनी हुई है एक लाल बलुवे पत्थर पर बना हुआ यह 18।3 मीटर लंबा स्तंभ अपने आप में कारीगरी का एक उत्कृष्ट नमूना है।

वैशाली जनपद एक ऐसा प्रजातांत्रिक जनपद था जहां पर जनता के चुने हुए प्रतिनिधि जनता के हित के लिए कार्य करते थे। वहीं पर एक राज नर्तकी आम्रपाली भी अपनी सेवाएं देती थी जो बाद में भगवान बुद्ध की शरण में आई। अशोक स्तंभ की स्थापना सम्राट अशोक ने भगवान बुद्ध को अपनी श्रद्धांजलि देने के लिए और बौद्ध धर्म के प्रचार और प्रसार के लिए की। कॉल हुआ उद्यान में ही

अलग-अलग मिट्टी के बने हुए निर्माण हैं जिनमें चौकोर निर्माण है जहां पर बौद्ध भिक्षु रहा करते थे कुछ जगह प्रार्थना स्थल के रूप में तथा कुछ जगह रिहायस और अध्ययन के लिए तय की गई थी। यहीं पर एक मंकी कुंड भी है जिसके बारे में रहते हैं कि भगवान बुद्ध को जब प्यास लगी तो आसपास रह रहे वहां रन अपने पंजों से खोद करके जल स्रोत निकला जो बाद में तालाब के रूप में विकसित हो गया।

मिट्टी का बना हुआ विराट स्तूप जो इटों से निर्मित है वहां अंदर से ठोस है। हो सकता है किसी समय यह प्रार्थना स्थल के रूप में काम आता हो।

कहते हैं कि कोलहुवा में भगवान बुद्ध ने अपने जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष व्यतीत किए थे, यहां रहकर उन्होंने प्रार्थना सभाएं भी की थी और लोगों को ज्ञान भी दिया था, उपदेश भी दिए थे।

आसपास छोटे-छोटे ग्राम हैं और वह यहां की कहानियां और इतिहास से पूरी तरह से परिचित हैं छोटे बच्चों से भी आप पूछ लीजिए कि यहां कौन रहते थे तो तुरंत जवाब देगा भगवान बुद्ध। यह अपने आप में एक बहुत ही महत्वपूर्ण बात है। किसी भी रास्ते चलते बच्चों से आप पूछ लीजिए कि कोल्हुवा का अशोक स्तंभ कहां है उनमे से कोई एक आपको रास्ता बता देगा या आपकी गाड़ी में बैठकर आपको वहां तक छोड़कर के आएगा।

कोल्हुवा का अशोक स्तंभ सम्राट अशोक ने ईसा पूर्व 250 वर्षों के दौरान बनाया था। आज भी अपनी पूर्ण गरिमा के साथ में खड़ा हुआ है। इस पर आंधी तूफान वर्षा का कोई असर नहीं पड़ा है।

कुंभ मेला : कोलकाता के एक डाक्टर की अद्भुत अनुभूति

हमलोग मेडिकल कैम्प से निकलकर महाकुंभ के पावन अवसर पर संगम में डुबकी लगाने की आकांक्षा से संगम स्थल की ओर बढ़े, जो वहां से करीब 13 किलोमीटर दूर था। रास्ते में भीड़ तो विशाल थी, पर व्यवस्थित थी। यह वह भीड़ नही थी, जो हावड़ा या सियालदह स्टेशनों पर ट्रेन पकड़ने या फिर ट्रेन से उतर कर आफिस जल्द पहुंचने के लिए एक दूसरे को धकिया कर भी चल देती थी। यह भीड़ तो 144 वर्षों बाद लगनेवाले महाकुंभ की पावन बेला में डूबकी लगा कर अपनी आत्मा को यह संतोष देने वाली थी कि हमारा सनातन धर्म में जन्म लेना सार्थक हो गया। हमने इस लोक के साथ परलोक भी सुधार लिया। सबका गन्तव्य स्थल एक ही था, पर किसी भी हालत में अन्य पुण्यार्थियों को कोई कष्ट न पहुंचे, इसका पूरा ध्यान रखते हुए। इन्हीं विचारों में तल्लीन परन्तु साथ ही अगल- बगल के दृश्यों को देखते हुए मैं कब संगम द्वार तक पहुंच गया, पता ही नहीं चला। करीब सवा घंटे बीत चुके थे। थोड़ी देर बाद ही गंगा, यमुना व सरस्वती के पवित्र संगम में डुबकी भी लगाने वाले थे, पर मेरे मन मे एक बात रह- रह कर कचोट रही थी। इसका कारण था मैं ठहरा परम शिव भक्त। मुझे विभिन्न स्थानों पर नारायण भगवान, दुर्गा जी, सीताराम, हनुमान सहित कई देवी- देवताओं के दर्शन हुए। उन्हें श्रद्धा-पूर्वक नमन भी किया। पर भोले बाबा के दर्शन नहीं हुए। मन में यह विचार हिलोरे मार ही रहा था कि अचानक चमत्कार हुआ। मैंने देखा पार्वतीमाता के साथ शिवजी बाल्यरूप में सामने से चले आ रहे हैं। बस फिर क्या था। मैं दौड़कर उनके पास पहुंचा और भावावेश में उनके चरणों में लोटने की अपेक्षा उन्हें बांहों में भर लिया। मेरा रोम-रोम रोमांचित था। सच पूछिये तो वह पल मेरे लिए वर्णनातीत है। मुझे प्रतीत हुआ कि मेरे मन की पीड़ा को समझते हुए शंकर जी ने बाल रूप धारण कर मुझे साक्षात दर्शन दिये हैं।

मुझे ऐसा बताते हुए डाक्टर साहब अत्यन्त भावुक हो उठे। पुनः वह दृश्य स्मरण करते ही उनके रोम खड़े हो गये। उन्होंने बताया कि भारत सेवाश्रम संघ तथा गंगा मिशन के तत्वावधान में चिकित्सा शिविर कुंभ मेले में 11 जनवरी से 26 फरवरी तक चलाया गया । यह सेक्टर फाइव में रामानन्द मार्ग- डी पर स्थित था । डाक्टर साहब ने कहा- मैं 26 जनवरी को गया था और 5 फरवरी तक रहा। हमने रोजाना सबेरे 8 बजे से लेकर रात 8 बजे के बीच औसतन 800 रोगियों की चिकित्सा की। इनमें महिला-पुरूष सहित हर उम्र के लोग थे। इसके अलावा आपातकालीन अवस्था में भी हम रोगियों को देखते थे। गंगा मिशन की ओर से पुण्यार्थियों को दिन में तथा रात मे भोजन भी कराया जाता था। इनकी संख्या करीब 800 से 1000 के बीच होती थी। उन्होंने गंगा मिशन शिविर की सम्पूर्ण व्यवस्था का श्रेय माननीय प्रह्लाद राय गोयनका जी को दिया। ज्ञातव्य है कि गोयनका गंगा मिशन के राष्ट्रीय सचिव तथा मारवाड़ी रिलीफ सोसायटी के मानद महासचिव भी हैं। शिविर में सोसाइटी के डाक्टर व नर्से भी सेवा कार्य कर रही हैं। गोयनका ने शिविर में 1 से 10 फरवरी तक भव्य रामकथा का आयोजन भी किया, जिसका श्रद्धालुओं ने भरपूर आनन्द उठाया।

पाठकों आपने रोमांचभरी बातें तो पढ़ ली, पर एक प्रश्न उठ रहा होगा कि मैंने डाक्टर का नाम तो बताया ही नही। जरूर बताऊगा। पर उसके पहले एक बात कह दूँ। कलियुग में कई लोग इस तरह की घटनाओं को परिकल्पित कहेंगे। पर यह भी परम सत्य है कि इसी युग में हिन्दुओं के पर्व-त्यौहार मनानवालों की संख्या दिन -रात बढ़ती जा रही है। बंगाल की दुर्गा पूजा सार्वजनिक त्यौहार बन चुकी है, जिसकी धूम विदेशों में भी है। बिहार के एक छोटे से हिस्से से निकल कर छठ पूजा अन्यान्य राज्यों सहित बंगाल में इस कदर विस्तारित हो चुकी है कि राज्य सरकार ने इस अवसर पर सार्वजनिक अवकाश घोषित कर दिया है। महाराष्ट्र की गणेश पूजा, गुजरात का डांडिया, राजस्थान की गणगौर पूजा, पंजाब की लोहड़ी-कहाँ तक गिनाये, आस्था के ये त्योहार दिनों दिन लोकप्रिय हो रहे हैं। महाकुंभ की ही बात करें तो भगदड की मामूली सी घटना, जिसे योगी सरकार साजिश करार दे चुकी है, पवित्र संगम में डुबकी लगाने वालों की संख्या 66 करोड़ तक पहुंच चुकी है । पता नहीं अंत तक यह संख्या कहां तक पहुंचेगी। दरअसल आस्था, विश्वास व धार्मिक भावना की त्रिवेणी का अटूट बंधन ही श्रद्धालुओं को संगम स्थल पर डूबकी लगाने के लिए खींच लाता हैं , भले ही ऐसा करने में उन्हें लाख कठिनाइओं का सामना करना पड़ता हो।

रामायण- महाभारत, गीता, पुरणों सहित हमारे धार्मिक ग्रन्थों में वैज्ञानिकता के साथ मानवीय संबंधों की व्याख्या कूट कूट कर भरी हुई है। अतः इस तरह की चमत्कारिक घटना अस्वाभाविक नहीं है, जिसका वर्णन उपर किया गया है। हां, उस डाक्टर का नाम हैं- **कमलेश कुमार राय, जो के. के. राय** के नाम से जाने जाते हैं तथा कोलकाता की 112 वर्ष पुरानी स्वनामधन्य संस्था मारवाड़ी रिलीफ सोसायटी के अस्पताल में कार्यरत हैं।

अंत में मैं इतना ही कह सकता हूं कि हमारे प्राचीन हिन्दू सनातनी धर्म में अन्य धर्मों के प्रति सद्भाव रखते हुए धर्म के साथ साथ मानवीय गुणों से इतना भरपूर हैं कि हम गर्व से कह सकते हैं- कुछ बात तो है ऐसी कि हस्ती मिट नहीं सकती हमारी।

डॉ.मंजरी शुक्ला

नैंसी और मच्छर

मच्छरों ने काट काटकर मेरा हाथ लाल कर दिया है। नैंसी ने गुस्से से कहा

कितनी बार कह चुकी हूँ कि पूरी बाँह के कपड़े पहनकर खेलने जाया करो। मम्मी बोली

मुझे पूरी बाँह के कपड़े पहनना बिलकुल पसंद नहीं है। नैंसी ने मुँह बनाते हुए जवाब दिया

कुछ लोगो को जब तक डेंगू और मलेरिया नहीं हो जाए तब तक वे नहीं सुधरते हैं। नैंसी का भाई पॉल्सन बोला

नैंसी उससे लड़ने जा ही रही थी कि पापा बोले-कल नैंसी का जन्मदिन है और अभी तक उसने अपने लिए नई फ्रॉक नहीं ली है। क्या हुआ अगर नैंसी इस साल कोई पुरानी फ्रॉक पहनकर केक काट लेगी!

नैंसी ने तुरंत चप्पल पहनी और पापा का हाथ पकड़ते हुए बोली-मैंने सभी दोस्तों से नीले रंग के कपड़े पहनकर आने के लिए कहा है। कितना खराब लगेगा अगर मैं ही नीली फ्रॉक नहीं पहनूँगी।

नैंसी की बात पूरी भी नहीं हुई थी कि उसने देखा, पॉलसन तीन नीली फ्रॉक पकड़े हुए हँस रहा था।

नई खरीदने की क्या ज़रूरत है। इनमें से कोई पहन लो।

नैंसी का मन हुआ कि पॉलसन से पहले अच्छी तरह से लड़ ले और उसके बाद ही पापा के साथ बाज़ार जाए, पर वह अच्छी तरह से जानती थी अगर उसे इस समय लड़ाई कर ली तो पापा उसे ही डाटेंगे और पॉलसन खुश हो जाएगा।

इसलिए वह पॉलसन की तरफ़ देखते हुए बोली-इन तीनों फ्रॉकों को तुम पहन लो।

पॉलसन समझ गया कि नैंसी अभी उससे नहीं लड़ेगी इसलिए उसने सभी फ्रॉकों को ले जाकर वापस कमरे में रख दिया।

नैंसी ख़ुशी से उछलती कूदती हुई पापा के साथ बाज़ार चली गई और थोड़ी ही देर बाद एक खूबसूरत से आसमानी नीले रंग की फ्रॉक के साथ ही ढेर सारे उपहार और अपना मनपसंद चॉकलेट केक लेकर आ गई।

पॉलसन भी दौड़ता हुआ आया और नैंसी के उपहार देखने बैठ गया।

बर्थडे पार्टी में क्या होगा, क्या नहीं होगा के बारे में बात करते हुए नैंसी और पॉलसन देर रात तक जागते रहे।

अगले दिन सुबह मम्मी बोली-नैंसी, मुझे भी तो अपनी फ्रॉक दिखा दो।

नैंसी ने तुरंत अपनी फ्रॉक पहनी और इठलाते हुए मम्मी के सामने जाकर खड़ी हो गई। फ्रॉक को देखते ही मम्मी का चेहरा गुस्से से लाल हो गया।

उन्होंने झल्लाते हुए कहा-घुटनों तक की बिना आस्तीन की फ्रॉक लेने की क्या जरूरत थी? कितनी बार कह चुकी हूँ कि हर जगह डेंगू और मलेरिया फैल रहा है। तुम्हें आस्तीन वाली लम्बी फ्रॉक पहननी चाहिए या फिर जींस और टॉप ले आती।

मुझे यही पसंद आई थी। कहते हुए नैंसी कमरे से भाग गई

तभी उसकी सहेली टीना आई और धीरे से बोली-देखो सामने पार्क में बन्दर उछलकूद मचा रहे हैं।

मैं भी देखूंगी। कहाँ हैं बन्दर? नैंसी ने खुश होते हुए कहा और टीना के साथ पार्क की तरफ़ दौड़ लगा दी।

थोड़ी देर बाद नैंसी जब घर आई तो मम्मी बोली-अब नई फ्रॉक बदल लो वरना शाम को क्या धूल वाली गन्दी फ्रॉक पहनकर केक काटेगी!

मुझे कुछ अच्छा सा नहीं लग रहा है। मेरा सिरदर्द कर रहा है।

क्या हुआ? कहते हुए मम्मी ने नैंसी के माथे पर हाथ रखा माथा गर्म देखकर मम्मी ने नैंसी का बुखार नापने के लिए उसकी जीभ के नीचे थर्मामीटर लगा दिया।

तुम्हें तो तेज बुखार है। मम्मी ने परेशान होते हुए कहा और तुरंत पड़ोस वाले डॉक्टर शर्मा को बुलाने के लिए चली गईं।

नैंसी को वह बहुत प्यार करते थे इसलिए नैंसी के तेज बुखार की बात सुनते ही वह तुरंत आ गए।

नैंसी उन्हें देखकर धीरे से बोली-आज तो मेरा बर्थडे है। शाम को मेरे सारे दोस्त आएंगे। मैं शाम तक तो ठीक हो जाउंगी ना?

नैंसी कि बात सुनकर डॉक्टर अंकल ने प्यार से उसके सिर पर हाथ फेरा और प्यार से बोले-तुम्हारे पैरों पर मच्छरों के काटने के इतने सारे लाल-लाल निशान हैं। इतने सारे मच्छर कहाँ मिल गए तुम्हें?

मैं बन्दर देखने पार्क चली गईं थी। नैंसी ने मासूमियत से कहा

इसने बन्दर देखे और मच्छरों ने इसे दे। लिया। पॉलसन बोला

डॉक्टर अंकल बोले- मच्छरों से बचने के लिए हमें ऐसे कपड़े पहनने चाहिए जिससे पूरा शरीर ढका रहे। अगर किसी कारण से ये संभव नहीं हो तो क्रीम लगाकर रखनी चाहिए, जिससे मच्छर हमें नहीं काटे।

और मेरे बर्थडे की पार्टी। नैंसी ने आँसू भरी आँखों से कहा

तुम्हारी पार्टी बड़े धूमधाम से मनेगी पर तुम्हें पूरी तरह आराम करना है। मैं दवाईयाँ दे रहा हूँ। इनसे बुखार उतर जाना चाहिए अगर नहीं उतरता है तो खून की जाँच करानी पड़ेगी। डॉक्टर अंकल ने नैंसी के माथे पर हाथ फेरते हुए प्यार से कहा

मम्मी दवा के लिए पानी लाने चली गईं थीं और पॉलसन नैंसी का हाथ पकड़े चुपचाप बैठा हुआ था।

डॉक्टर अंकल भी चले गए। वह समझ चुके थे कि नैंसी को डेंगू के शुरूआती लक्षण थे पर वह कुछ भी कहकर उसे दुखी नहीं करना चाहते थे।

बिस्तर पर तेज बुखार में तप रही नैंसी सोच रही थी कि अब वह आगे से हमेशा मम्मी की बात मानेगी।

उसने डबडबाई आँखों से पॉलसन को देखा तो वह बोला-तुम चिंता मत करो। तुम जैसे ही अच्छी हो जाओगी हम तुम्हारा बर्थडे दुबारा मनाएंगे और मैं अपनी पॉकेट मनी से से तुम्हारे लिए नई फ्रॉक खरीदूंगा।

नैंसी ने प्यार से पॉलसन का हाथ चूम लिया और आँखें बंद कर ली। दो बूँद आँसू उसकी आँखों के कोरों से निकलकर उसके गालों पर लुढ़क गए थे।

नीतू गुप्ता

कहीं अचानक जाना पड़े तो घबराएं नहीं, बस खुद के लिए पांच मिनट निकालें और झटपट तैयार हो जाएं। घबराने से तनाव बढ़ेगा और तनाव का प्रभाव चेहरे पर दिखाई देगा जो ठीक नहीं। कूल रहते हुए तैयार हों जिससे आप तरोताजा भी लगेंगी और सुंदर भी।

प्रयोग करें ठंडा पानी या बर्फ का पानी:-

कहीं जाना है, गर्मी का मौसम है तो बर्फ के पांच छः टुकड़े कटोरी में डालें। पिघलने पर चेहरा धो लें। सर्दी है तो नार्मल टेंपरेचर वाले पानी से चेहरा धो लें। ठंडा पानी सस्ता स्किन टोनर है जो त्वचा में ताजगी भी लाता है और त्वचा कसी भी रहती है जिससे उम्र भी कम नजर आती है।

लगाएं एलोवेरा जैल:-

एलोवेरा के पत्ते फ्रिज में रखें। उन्हें छीलकर उनका गूदा चेहरे पर लगाएं। चेहरा साफ हो जाएगा और चमकदार भी। रात्रि में सोने से पहले नियमित गूदा लगाएं और रगड़ कर चेहरा धो लें। चेहरे में चमक बढ़ जाती है नियमित प्रयोग से।

लगाएं दूध:-

थोड़ा सा दूध लेकर कॉटन बाल से चेहरे, गर्दन, हाथों और बाहों पर लगाएं। फिर पोंछकर धो लें। इससे चेहरा साफ हो जाएगा, उस पर जमी धूल, प्रदूषण के अंश साफ हो जाएंगे और प्राकृतिक रूप से चेहरा चमकने लगेगा। बाद में दूध से चेहरा धो लें। उसके बाद ताजे पानी से चेहरा धोएं।

लगाएं ग्रीन टी:-

ग्रीन टी को सादे पानी में मिलाकर कुछ देर छोड़ दें। उस पानी से चेहरा धो लें। ग्रीन टी में कुछ ऐसे तत्व होते हैं जो त्वचा को साफ कर देते हैं और चेहरा साफ और चमकदार बनता है।

लगाएं एप्पल साइडर सिरका:-

बाजार से एप्पल साइडर सिरके की बोतल खरीद कर फ्रिज में रखें। इसे चेहरे पर लगाने से गंदगी साफ होती है। 5 मिनट तक लगाकर रखें और चेहरा धो लें। ऐसा करने से चेहरे की त्वचा में ताजगी आ जाती है। (उर्वशी)

सोशल मीडिया का जाल

डॉ त्रिलोक नाथ पांडेय

रोहन एक होशियार और मेहनती छात्र था। उसे किताबें पढ़ना, नई चीज़ें सीखना और क्लास में अव्वल आना पसंद था। उसके माता-पिता और शिक्षक उसकी लगन की तारीफ करते थे। लेकिन जैसे-जैसे समय बदला, इंटरनेट और सोशल मीडिया का चलन बढ़ने लगा।

एक दिन, उसके पिता ने उसे एक नया स्मार्टफोन गिफ्ट किया। यह देखकर रोहन बहुत खुश हुआ। अब वह भी अपने दोस्तों की तरह व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम और यूट्यूब चला सकता था। उसने उत्साह में आकर कई सोशल मीडिया अकाउंट बना लिए और धीरे-धीरे उसके दिन का एक बड़ा हिस्सा मोबाइल स्क्रीन पर बीतने लगा।

बदलाव की शुरुआत

पहले, रोहन स्कूल से आकर सीधे होमवर्क करता और फिर खेलने चला जाता था। लेकिन अब वह पहले अपने फोन पर सोशल मीडिया चेक करता और फिर पढ़ाई शुरू करने की सोचता। उसे यूट्यूब पर पढ़ाई से जुड़े वीडियो देखने का शौक था, लेकिन वह धीरे-धीरे मनबहलाव वाले वीडियो और गेमिंग स्ट्रीम्स देखने लगा।

बस पाँच मिनट और!- यह सोचकर वह वीडियो देखता रहता, लेकिन पाँच मिनट कब एक घंटे, दो घंटे ,तीन घंटे में बदल जाते, उसे पता ही नहीं चलता।

धीरे-धीरे उसकी आदतें बदलने लगीं। पढ़ाई के दौरान भी उसका ध्यान बार-बार फोन की ओर चला जाता। कभी कोई नोटिफिकेशन आता, कभी कोई नया ट्रेंड दिखता, और वह अपनी किताबें छोड़कर फिर से सोशल मीडिया में खो जाता।

पढ़ाई पर असर

पहले जिस रोहन को हर विषय में अच्छे नंबर मिलते थे, अब उसके ग्रेड गिरने लगे। स्कूल में शिक्षक उसे डाँटते, माता-पिता समझाने की कोशिश करते, लेकिन वह खुद को रोक नहीं पाता था। हर रात वह सोचता, कल से कम मोबाइल चलाऊँगा, लेकिन अगले दिन फिर वही दोहराता।

उसके दोस्त भी देख रहे थे कि रोहन अब पहले जैसा नहीं रहा। वह क्लास में ध्यान नहीं देता था, असाइनमेंट देर से जमा करता था और टेस्ट में उसके नंबर भी कम आने लगे थे।

एक दिन, उसकी सबसे अच्छी दोस्त नेहा ने उससे कहा, रोहन, तुम पहले वाले रोहन नहीं रहे। तुम्हें क्या हो गया है?

रोहन ने हँसकर टाल दिया, कुछ नहीं, बस थोड़ा बिजी रहता हूँ।

लेकिन अंदर से उसे भी लग रहा था कि कुछ गलत हो रहा है।

सोशल मीडिया का कड़वा सच

एक दिन, रोहन ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो देखा, जिसमें एक व्यक्ति अपने शानदार जीवन के बारे में बता रहा था-महँगी गाड़ियाँ, विदेश यात्राएँ और आलीशान घर। रोहन को लगा कि उसकी अपनी ज़िंदगी कितनी साधारण और नीरस है।

वह सोचने लगा, क्या मैं भी ऐसा बन सकता हूँ? क्या मेरा जीवन इतना खास नहीं है?

धीरे-धीरे उसने खुद की तुलना दूसरों से करनी शुरू कर दी। उसे लगने लगा कि वह पर्याप्त अच्छा नहीं है, उसकी ज़िंदगी में मज़ा नहीं है। यह सोचकर उसका आत्मविश्वास कम होने लगा।

वह अपने असली दोस्तों से कटने लगा और सोशल मीडिया पर वर्चुअल दोस्तों के साथ अधिक समय बिताने लगा। वह सुबह जल्दी उठने की बजाय देर रात तक मोबाइल चलाता और फिर थका हुआ स्कूल जाता। उसकी ऊर्जा कम होती जा रही थी, और धीरे-धीरे वह उदास महसूस करने लगा।

एक सच्चाई का सामना

एक दिन, उसके स्कूल में परीक्षा के नतीजे घोषित हुए। जब रोहन ने अपना रिपोर्ट कार्ड देखा, तो वह चौंक गया-उसके नंबर बेहद खराब आए थे।

माता-पिता ने उसे डाँटा, शिक्षक निराश हुए, और दोस्त भी हैरान थे। लेकिन रोहन खुद सबसे ज्यादा परेशान था।

घर आकर उसने आईने में खुद को देखा और सोचा, क्या मैं वही रोहन हूँ जो हमेशा अव्वल आता था?

तभी उसके बड़े भाई आदित्य ने उससे बात की। आदित्य ने पूछा, रोहन, क्या तुम खुश हो?

रोहन ने सिर झुका लिया। नहीं भैया, मुझे नहीं पता कि ऐसा क्यों हो रहा है। मैं खुद को रोक नहीं पा रहा हूँ।

आदित्य ने मुस्कुराकर कहा, यह सोशल मीडिया का जाल है, जिसमें तुम फँस चुके हो। लेकिन अच्छी बात यह है कि तुम इससे बाहर भी आ सकते हो।

नया सफर, नई शुरुआत

रोहन ने तय किया कि वह अपनी पुरानी दिनचर्या वापस लाएगा। उसने सबसे पहले अपने सोशल मीडिया ऐप्स पर टाइम लिमिट सेट की। वह पढ़ाई के समय फोन को कमरे से बाहर रखता, और अपने असली दोस्तों के साथ ज्यादा समय बिताने लगा।

धीरे-धीरे, उसने यूट्यूब और इंटरनेट का इस्तेमाल पढ़ाई के लिए करना शुरू किया। अब वह केवल जरूरी वीडियो ही देखता था, और अनावश्यक स्क्रॉलिंग बंद कर दी।

कुछ ही महीनों में, उसका आत्मविश्वास वापस आने लगा। उसकी ग्रेड्स सुधर गईं, माता-पिता और शिक्षक फिर से खुश होने लगे, और सबसे जरूरी बात-रोहन को खुद पर गर्व महसूस होने लगा।

अब वह सोशल मीडिया को एक टूल की तरह इस्तेमाल करता था, न कि एक लत की तरह।

सबक

रोहन की यह कहानी उन सभी छात्रों के लिए एक सीख है जो सोशल मीडिया के प्रभाव में आकर अपनी असली दुनिया से दूर हो जाते हैं। सोशल मीडिया का सही उपयोग किया जाए, तो यह ज्ञान और अवसरों का भंडार है, लेकिन अगर इसका गलत तरीके से उपयोग किया जाए, तो यह समय और ऊर्जा की बर्बादी बन सकता है।

रोहन की तरह, हमें भी यह समझना होगा कि सोशल मीडिया हमारा मालिक नहीं, बल्कि हमारा सहायक होना चाहिए।

रेसिपी कार्नर: पोहे की नमकीन

होली का त्योहार न सिर्फ एकता का प्रतीक है, बल्कि इस त्योहार में खाने-पीने की भी धूम दिखाई देती है। दरअसल, रंगों के इस त्योहार के दिन सुबह के समय लोग एक-दूसरे के साथ रंग खेलते हैं और फिर शाम के वक्त होली की बधाई देने एक-दूसरे के घर जाते हैं। ऐसे में हर घर में मेहमानों के स्वागत के लिए तमाम पकवान बनाए जाते हैं।

होली के दिनों में काम काफी ज्यादा हो जाता है, ऐसे में कुछ पकवान ऐसे हैं, जिन्हें आप पहले से तैयार कर सकती हैं। यहां हम आपको एक ऐसी नमकीन की रेसिपी बताने जा रहे हैं, जो आप आसान विधि से तैयार कर सकती हैं। इसे बनाने में आपको ज्यादा मेहनत भी नहीं लगेगी। हम बात कर रहे हैं पोहे से नमकीन बनाने की, जिसकी रेसिपी काफी आसान है।

पोहे की नमकीन बनाने की सामग्री

- 2 कप पतला पोहा
- ½ कप मूंगफली
- ¼ कप मिक्स ड्राई फ्रूट्स (काजू, बादाम, किशमिश - वैकल्पिक)
- 2 टेबलस्पून तेल
- 1 टीस्पून राई
- 10-12 करी पत्ता
- 1 टीस्पून हल्दी पाउडर
- 1 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर
- ½ टीस्पून काला नमक
- ½ टीस्पून आमचूर पाउडर
- स्वादानुसार नमक
- 1 टेबलस्पून पिसी हुई चीनी

विधि

पोहे की इस नमकीन को बनाना काफी आसान है। इसे तैयार करने के लिए आपको सबसे पहले एक कढ़ाई में पोहा हल्का सा ड्राय रोस्ट करें ताकि वह कुरकुरा हो जाए। इसे रोस्ट करते समय लगातार चलाते रहें, वरना ये तुरंत जल जाएगा।

जब से सुनहरा हो जाए इसे निकालकर एक प्लेट में रख लें। पोहा निकालने के बाद उसी कढ़ाई में तेल गरम करें और उसमें राई, करी पत्ते और मूंगफली डालकर भून लें। इसके बाद अब बारी आती है मेवा भूनने की। इसे भूनने के लिए कढ़ाई में ड्राई फ्रूट्स डालें और हल्का सुनहरा होने तक भूनें।

अब एक कटोरी में हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, काला नमक, चाट मसाला और पिसी चीनी डालकर अच्छे से मिला लें। इसे मिक्स करने के बाद अब एक बड़ी कढ़ाई लें और इसमें भुना हुआ पोहा के साथ मसाले डाल लें।

धीमी आंच पर सभी चीजों को अच्छे से मिक्स करें, ताकि सारे मसाले उसमें अच्छे से कोट हो जाएं। इसे ठंडा होने दें और एयरटाइट डिब्बे में स्टोर करें। इसे हरी चटनी या मीठी इमली चटनी के साथ मिलाकर चाट की तरह भी खाया जा सकता है। तो बस इस बार होली पर मेहमानों को कुछ नया और टेस्टी खिलाएं और अपनी मेहमाननवाजी की तारीफें बटोरें।

न्यूज इन ब्रीफ

पंजाब के तरन तारन में मकान की छत गिरने से एक परिवार के पांच सदस्यों की मौत

तरन तारन (पंजाब) : पंजाब के तरन तारन जिले में शनिवार तड़के एक मकान की छत गिरने से एक परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना तड़के करीब साढ़े चार बजे पंडोरी गोला गांव में हुई। पुलिस के अनुसार, मकान की स्थिति खराब थी और छत पर कुछ बेकार सामग्री रखी हुई थी जिसके वजन के कारण वह ढह गया। घटना के बाद घायलों को अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मृतकों की पहचान गोबिंदा (40), उसकी पत्नी अमरजीत कौर (36), उनके तीन नाबालिग बच्चों गुरबाज सिंह (14), गुरलाल (17) बेटी एकम (15) के रूप में हुई।

अमृतसर हवाईअड्डे पर यात्री 8.17 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार

अमृतसर : अमृतसर हवाईअड्डे पर एक यात्री को करीब आठ करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। सीमा शुल्क अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यात्री मनदीप सिंह 26 फरवरी को मलेशिया से एक उड़ान के माध्यम से आया था और जब उसके सामान की जांच की गई, तो अधिकारियों को 8.17 किलोग्राम मादक पदार्थ मिला। उन्होंने कहा कि वह मादक पदार्थ गांजा लग रहा था, जिसकी अनुमानित कीमत 8.17 करोड़ रुपये आंकी। उन्होंने कहा कि सिंह के खिलाफ स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 के तहत मामला दर्ज किया गया है। एक अन्य मामले में, सीमा शुल्क अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने सिंगापुर से आए एक यात्री के पास से 400 ग्राम सोना जब्त किया है। उन्होंने कहा कि उसके पास से लगभग 35.60 लाख रुपये की सोने की चेन और चूड़ी जब्त की गई है।

भारत में अवैध रूप से रहने को लेकर बांग्लादेशी महिला को 14 महीने की जेल

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक अदालत ने 36 वर्षीय बांग्लादेशी महिला को भारत में अवैध रूप से रहने के लिए दोषी करार दिया है और उसे 14 माह 28 दिन के कारावास की सजा सुनाई है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश वसुधा एल भोसले ने मामले में 27 फरवरी को फैसला सुनाते हुए यह भी निर्देश दिया कि तानिया यूनुस शेख, जो पहले ही जेल में सजा की अवधि बिता चुकी है, को निर्वासित किया जाए। मुकदमे के दौरान अतिरिक्त लोक अभियोजक आर पी पाटिल ने अदालत को बताया कि शेख बिना वैध पासपोर्ट या वीजा के मुंबई के बाहरी इलाके मीरा रोड (पूर्व) में रह रही थी। अदालत ने कहा कि विदेशी (नागरिक) अधिनियम के अनुसार, अपनी राष्ट्रीयता साबित करने का दायित्व आरोपी पर है। न्यायाधीश ने आदेश में कहा, ''आरोपी का भारत में कोई स्थायी या अस्थायी पता नहीं है और वह भारतीय राष्ट्रीयता का कोई वैध प्रमाण देने में विफल रही। उसने खुद पूछताछ के दौरान स्वीकार किया कि वह बांग्लादेशी नागरिक है। जांच अधिकारी और शिकायतकर्ता की गवाही पर अविश्वास करने का कोई कारण नहीं है।''

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने छात्रों के लिए मुफ्त कोचिंग कार्यक्रम शुरू किया

शिमला : मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शनिवार को 'मेरे शहर के 100 रत्न' कार्यक्रम की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य पूरे हिमाचल प्रदेश में 6,800 छात्रों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मुफ्त कोचिंग प्रदान करना है। इस कार्यक्रम के तहत, क्रैक एकेडमी 34 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश के साथ प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के 100 मेधावी छात्रों को मुफ्त कोचिंग प्रदान करेगी। निष्पक्ष चयन प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के स्कूलों और कॉलेजों में परीक्षा आयोजित की जाएगी।

अमित शाह ने सुरक्षा बलों को मणिपुर में लोगों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने का निर्देश दिया

नयी दिल्ली : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को सुरक्षा बलों को आठ मार्च से मणिपुर में सभी मार्गों पर लोगों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने का निर्देश दिया और बाधा उत्पन्न करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा। यह निर्देश शाह ने यहां एक उच्च स्तरीय बैठक में दिए, जिसमें मणिपुर की सुरक्षा स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। यह आदेश इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि मई 2023 में मेइती-कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा भड़कने के बाद से इंफाल घाटी स्थित मेइती और पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाले कुकी लोगों के क्षेत्रों से यात्रा पूरी तरह

प्रतिबंधित कर दी गई। कुकी राज्य से बाहर जाने के लिए ज्यादातर मिजोरम होकर जाते हैं, वहीं मेइती कुकी बहुल पर्वतीय क्षेत्रों में नहीं जाते हैं। विश्वास बहाली का यह कदम अवैध और लूटे गए हथियार रखने वालों को आत्मसमर्पण करने संबंधी राज्यपाल अजय कुमार भल्ला के आदेश के 10 दिन बाद उठाया गया है। मणिपुर की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए शाह ने यह भी कहा कि केंद्र राज्य में स्थायी शांति बहाल करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस संबंध में सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रहा है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, गृह मंत्री ने निर्देश दिया कि आठ मार्च से मणिपुर की सभी सड़कों पर लोगों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सड़कों पर अवरोध पैदा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। पूर्वोत्तर राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद यह इस प्रकार की पहली बैठक थी। मई 2023 से इंफाल घाटी में मेइती और कुकी-जो समूहों के बीच जातीय हिंसा में 250 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

मतपत्रों से चुनाव को लेकर विधि मंत्रालय ने संसद की समिति से कहा: यह अधिकार क्षेत्र से बाहर

नयी दिल्ली : केंद्रीय विधि मंत्रालय ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के एक साथ चुनाव कराने संबंधी दो विधेयकों की पड़ताल कर रही संसद की संयुक्त समिति को बताया है कि मतपत्रों के माध्यम से चुनाव कराने का प्रश्न उसके दायरे में नहीं आता। मतपत्र प्रणाली पर वापस लौटने का सुझाव संयुक्त समिति के कुछ सदस्यों ने दिया था और विधि मंत्रालय को इसका लिखित में जवाब देना था। मंत्रालय के विधायी विभाग ने समिति द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दिए, लेकिन उसने मतपत्र प्रणाली पर दिए गए सुझाव पर कोई सीधा उत्तर नहीं दिया। समझा जाता है कि मंत्रालय ने कहा है कि मतपत्र प्रणाली के उपयोग का सुझाव संसदीय समिति के ''अधिकार क्षेत्र से बाहर'' है। उन्होंने रेखांकित किया कि मतदान के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) या मतपत्र का उपयोग करना वह विषय नहीं है जिसकी पड़ताल समिति कर रही है। सूत्रों ने बताया कि समिति को एक साथ चुनाव कराने संबंधी विधेयकों- संविधान (129वां संशोधन) विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक की पड़ताल करने और इस बारे में अपनी रिपोर्ट देने का अधिकार दिया गया है कि क्या वे इस उद्देश्य के लिए पर्याप्त हैं या उनमें बदलाव की आवश्यकता है। संविधान (129वां संशोधन) विधेयक में लोकसभा और विधानसभा चुनावों को एक साथ कराने के लिए कानूनी ढांचा तैयार करने का प्रावधान है, वहीं केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक संयुक्त चुनाव कराने के उद्देश्य से दिल्ली, पुडुचेरी और जम्मू-कश्मीर की विधानसभाओं के कार्यकाल को एक साथ करने का प्रावधान करता है। तीन केंद्र शासित प्रदेशों दिल्ली, पुडुचेरी और जम्मू-कश्मीर में विधानसभाएं हैं। सरकार ने कई मौकों पर संसद को बताया है कि वह मतपत्र प्रणाली पर लौटने के पक्ष में नहीं है और उच्चतम न्यायालय ने भी ईवीएम के इस्तेमाल के पक्ष में अपना पक्ष रखा है। शीर्ष अदालत ने हाल में मतपत्रों के इस्तेमाल को फिर से शुरू करने की याचिका को खारिज कर दिया था और कहा था कि वोटिंग मशीन से छेड़छाड़ के बारे में संदेह ''निराधार'' हैं। सूत्रों ने बताया कि मंत्रालय ने कुछ सवालों के जवाब दे दिए हैं, जबकि कुछ अन्य सवालों को निर्वाचन आयोग को भेज दिया गया है। मंत्रालय ने समिति से यह भी कहा है कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराना अलोकतांत्रिक नहीं है और इससे संघीय ढांचे को कोई नुकसान नहीं होगा।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने प्रदर्शनकारी आशा कार्यकताओं का समर्थन किया

तिरुवनंतपुरम : कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने शनिवार को उन आशा कार्यकर्ताओं को समर्थन किया जो पिछले 20 दिनों से अपने मानदेय में वृद्धि और सेवानिवृत्ति से जुड़े लाभ के प्रावधान की मांग को लेकर यहां सचिवालय के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। वायनाड निर्वाचन क्षेत्र से सांसद प्रियंका ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा) ''कर्नाटक और तेलंगाना में उनके समकक्षों को मिलने वाले मानदेय से बहुत कम 7,000 रुपये के अपने मामूली मानदेय में उचित वृद्धि के लिए विरोध प्रदर्शन कर रही हैं।'' उन्होंने कहा कि आशा कार्यकर्ता सम्मान और गरिमा के लिए लड़ रही हैं, लेकिन इसके बदले उन्हें केवल केरल सरकार की 'उदासीनता' और 'चुप कराने के लिए किये जा रहे प्रयास' का सामना करना पड़ रहा है। प्रियंका ने कहा, ''उनकी लड़ाई सम्मान और गरिमा की लड़ाई है। यह भयावह है कि समाज की रीढ़ मानी जाने वाली महिलाओं को अपने अधिकारों के लिए इस तरह भीख मांगनी पड़ रही है। न्याय के बजाय, उन्हें केरल सरकार से केवल उदासीनता और उन्हें चुप कराने के प्रयास का सामना करना पड़ा है।'' उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, ''कांग्रेस केरल की आशा कार्यकर्ताओं के साथ अटूट एकजुटता के साथ खड़ी है। मेरी बहनों, आपकी लड़ाई व्यर्थ नहीं जाएगी।''

व्यावसायीकरण हमारे स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा क्षेत्रों को प्रभावित कर रहा है: धनखड़

मुंबई : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा प्रणालियां वस्तुकरण और व्यावसायीकरण से ग्रस्त हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा से असमानता कम होती है। दक्षिण मुंबई में केपीबी हिंदुजा कॉलेज के वार्षिक दिवस समारोह में धनखड़ ने कहा कि अमेरिका के कुछ विश्वविद्यालयों की निधियां अरबों डॉलर में हैं। उन्होंने कहा, ''पश्चिम में, (शैक्षणिक) संस्थान से निकलने वाला कोई भी व्यक्ति कुछ वित्तीय योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध होता है।'' उन्होंने कॉरपोरेट जगत से इस दिशा में सोचने का आग्रह किया। धनखड़ ने कहा कि सनातन (सनातन धर्म) भारत के सभ्यतागत लोकाचार और

सार का हिस्सा रहा है। उन्होंने कहा कि सनातन को देश की संस्कृति और शिक्षा का हिस्सा होना चाहिए, क्योंकि यह समावेशिता का प्रतीक है। उन्होंने जड़ों से जुड़े रहने की आवश्यकता पर बल दिया। उपराष्ट्रपति ने कहा, ''परोपकारी प्रयासों को वस्तुकरण और व्यावसायीकरण के दर्शन से प्रेरित नहीं होना चाहिए। हमारी स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा प्रणालियां इनसे ग्रस्त हैं।'' वस्तुकरण से तात्पर्य किसी चीज को ऐसी वस्तु बनाने से है, जिसे खरीदा, बेचा या जिसका आदान-प्रदान किया जा सके। उन्होंने शिक्षा को सबसे प्रभावशाली परिवर्तनकारी तंत्र भी बताया, जो समानता लाती है। उपराष्ट्रपति ने सनातन धर्म का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा कि सनातन भारत की सभ्यतागत प्रकृति और सार का हिस्सा रहा है। धनखड़ ने कहा, ''सनातन को देश की संस्कृति और शिक्षा का हिस्सा होना चाहिए क्योंकि यह समावेशिता का प्रतीक है।''

भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने माता वैष्णो देवी मंदिर में पूजा-अर्चना की

कटरा/जम्मू : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर में पूजा-अर्चना की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा के साथ उनकी पत्नी मल्लिका नड्डा, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं जम्मू-कश्मीर के प्रभारी तरुण चुघ और भाजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष सत शर्मा भी थे। नड्डा वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले तीर्थयात्रियों के आधार शिविर कटरा पहुंचे, जहां उन्होंने पार्टी द्वारा 28 विधायकों के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण

कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित किया। इन विधायकों में ज्यादातर ऐसे विधायक शामिल थे जो पहली बार चुनकर आए हैं। यह कार्यशाला बजट सत्र से पहले आयोजित की गई थी। बजट सत्र तीन मार्च से शुरू होगा। शुक्रवार को कटरा स्थित एक होटल में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बी एल संतोष और सत शर्मा ने संयुक्त रूप से विधायक प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन किया था।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, एक महिला समेत दो नक्सली ढेर

सुकमा : छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने एक महिला नक्सली समेत दो नक्सलियों को मार गिराया है। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के किस्टाराम थाना क्षेत्र के अंतर्गत गुण्डराजगुडेम गांव के जंगल में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने एक महिला नक्सली समेत दो नक्सलियों को मार गिराया है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को किस्टाराम थाना क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर सुकमा जिले के जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कोबरा बटालियन के दल को नक्सल विरोधी अभियान में रवाना किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि आज सुबह लगभग नौ बजे से गुण्डराजगुडेम गांव के जंगल में सुकमा डीआरजी और माओवादियों के बीच रुक-रुक कई बार मुठभेड़ हुई। उन्होंने बताया कि जब सुरक्षाबलों ने घटनास्थल की तलाशी ली तब वहां एक महिला नक्सली समेत दो वर्दीधारी नक्सलियों के शव और हथियार बरामद किया गया। शवों की पहचान कराई जा रही है। बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने बताया कि इस वर्ष बस्तर क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान 67 नक्सलियों को मार गिराया गया है। सुंदरराज ने कहा है कि माओवादियों के संगठन के पास अब हिंसा छोड़कर आत्मसमर्पण करने के अलावा और कोई विकल्प नहीं बचा है इसलिए माओवादी संगठन से अपील है कि वे तत्काल हिंसात्मक गतिविधियों को छोड़कर समाज की मुख्य धारा में जुडे. अन्यथा परिणाम भुगतने को तैयार रहें। सुकमा जिले के पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने बताया कि मुठभेड़ स्थल पर खून के धब्बे और घसीटने के निशान मिले हैं। इससे कई अन्य माओवादियों के मारे जाने और घायल होने की संभावना है। क्षेत्र में खोजी अभियान जारी है। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुठभेड़ में मिली सफलता के लिए सुरक्षाबलों की सराहना की है।

हिमाचल में भारी बारिश और हिमपात के कारण कई जगह भूस्खलन

कुल्लू में 112 सड़कें अवरुद्ध

शिमला : हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश और हिमपात के कारण भूस्खलन और सड़कें अवरुद्ध होने से सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। कांगड़ा जिले के रोकारू (मुल्थान) में लगातार बारिश और बादल फटने से हुए भूस्खलन के कारण कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और 12 मकान खतरे में पड़ गए। कांगड़ा के उपायुक्त हेमराज ने बताया कि प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है और पुनर्निर्माण कार्य जारी है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि पालमपुर में शिवा जलविद्युत

परियोजना के निकट एक व्यक्ति लापता हो गया और उसकी तलाश के लिए अभियान शुरू किया गया है। भारी हिमपात के कारण चंबा में पांगी घाटी का संपर्क टूट गया है और बिजली तथा दूरसंचार सेवाएं बुरी तरह बाधित हुई हैं। कुल्लू में भूस्खलन के खतरे के कारण नालों व खड्डों के किनारे मकानों पर खतरा मंडरा रहा है और कुछ स्थानों पर बिजली व पानी की आपूर्ति अब भी बाधित है। टोहलू नाला में भूस्खलन के कारण कीरतपुर-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध हो गया और पर्यटक फंस गए। कुल्लू में कुल 112 सड़कें बंद हैं और 1646 'ट्रांसफार्मर' को चालू करने का काम जारी है। कुल्लू के जिलाधिकारी तारुल रवेश ने बताया कि कुल 125 जलापूर्ति योजनाएं बाधित हुई हैं। उन्होंने बताया कि कुल्लू-मनाली मार्ग भी बंद है और वाहनों को नग्गर की ओर भेजा जा रहा है, जबकि मणिकरण और मनाली में बिजली आपूर्ति अभी बहाल नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि पर्यटकों को सड़कें साफ होने तक उनके स्थानों पर ही रहने की सलाह दी गई है। गांधीनगर नाला से सड़कों पर मलबे के बड़े-बड़े ढेर आने से लोग असुविधा का सामना कर रहे हैं और सड़कों को साफ करने का काम जारी है। क्षेत्र में बारिश और हिमपात अब नहीं हो रहा, लेकिन कुल्लू, कांगड़ा और चंबा जिलों में कई स्थानों पर सामान्य जनजीवन अब भी प्रभावित है।

असम से भूटान तक पहली रेल लाइन के लिए डीपीआर पूरी : एनएफआर

गुवाहाटी : भारतीय रेलवे ने असम के कोकराझार से भूटान के गेलेफू तक रेल लाइन बिछाने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) पूरी कर ली है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के प्रवक्ता ने शनिवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने कहा कि प्रस्तावित रेलवे लाइन के लिए अंतिम स्थान सर्वेक्षण पहले ही पूरा हो चुका है, अब डीपीआर की मंजूरी का इंतजार है। प्रवक्ता ने बताया कि प्रस्तावित 69.04 किलोमीटर रेलवे लाइन असम के कोकराझार स्टेशन को भूटान के गेलेफू से जोड़ेगी और इसकी अनुमानित लागत 3,500 करोड़ रुपये होगी। इस परियोजना में छह नए स्टेशन - बालाजन, गरुभासा, रुनिखाता, शांतिपुर, दादगिरि और गेलेफू का विकास शामिल है। बुनियादी ढांचा योजना में दो अहम पुल, 29 बड़े पुल, 65 छोटे पुल, एक 'रोड ओवर-ब्रिज', 39 'रोड अंडर-ब्रिज' और 11 मीटर लंबाई के दो पुल शामिल हैं। प्रवक्ता ने कहा, '' अंतिम स्थान सर्वेक्षण सफलतापूर्वक पूरा हो गया है और डीपीआर को आगे की मंजूरी और आवश्यक निर्देशों के लिए प्रस्तुत कर दिया गया है।'' उन्होंने कहा, ''प्रस्तावित रेलवे लाइन दोनों देशों के बीच व्यापार, पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ाकर भारत-भूटान संबंधों को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत करेगी।

उम्मीद है कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की भगदड़ से सबक लेकर ठोस कदम उठाएगी सरकार: राहुल

नयी दिल्ली : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में मची भगदड़ के दौरान लोगों की मदद करने वाले कुलियों के एक समूह से शनिवार को मुलाकात की और उम्मीद जताई कि सरकार इस हादसे से सबक लेते हुए यात्रियों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाएगी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इन कुलियों से मुलाकात की तस्वीरें एक्स पर साझा की। उन्होंने कहा, अक्सर सबसे अंधकार भरे समय में ही इंसानियत की रोशनी सबसे ज़्यादा चमकती है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ के दौरान कुली भाइयों ने इंसानियत की मिसाल पेश करते हुए कई यात्रियों की जान बचाई थी। इसके लिए मैंने देशवासियों की ओर से आज उनका धन्यवाद किया। उनका कहना है, ऐसे हादसों से सीख लेना ज़रूरी है। भीड़ नियंत्रण, आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और आपातकालीन व्यवस्थाओं को मजबूत करके इन्हें रोका जा सकता है। राहुल गांधी ने कहा, आशा है सरकार इस दिशा में ठोस कदम उठाएगी ताकि हर वर्ग के यात्री सुरक्षित यात्रा कर सकें। बीते 15 फरवरी को नई रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई थी।

प्रधानमंत्री मोदी जामनगर पहुंचे,सोमवार को एनबीडब्ल्यूएल बैठक की करेंगे अध्यक्षता

जामनगर : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अगले दो दिनों में कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए शनिवार शाम गुजरात के जामनगर पहुंचे। इन कार्यक्रमों में राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (एनबीडब्ल्यूएल) की बैठक की अध्यक्षता करना और पशु बचाव, संरक्षण एवं पुनर्वास केंद्र वनतारा का दौरा करना शामिल है। प्रधानमंत्री का काफिला जब हवाई अड्डे से सर्किट हाउस के लिए निकला उस समय बड़ी संख्या में लोग सड़कों के किनारे खड़े थे। मोदी सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। मोदी रिलायंस जामनगर रिफाइनरी परिसर में 3000 एकड़ में फैले वनतारा का रविवार को दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे और उसके बाद इस प्रसिद्ध धार्मिक स्थल का प्रबंधन करने वाले श्री सोमनाथ ट्रस्ट की बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

निर्माण कार्य के लिए दिल्ली पुलिस से अनुमति लेने की जरूरत नहीं: शहरी विकास विभाग

नयी दिल्ली : दिल्ली की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने शनिवार को स्पष्ट किया कि शहर में निर्माण कार्य करने के लिए दिल्ली पुलिस की अनुमति की कोई जरूरत नहीं है। दिल्ली सरकार ने पुलिस से दिल्ली नगर निगम (डीएमसी) अधिनियम के प्रावधानों के किसी भी दुरुपयोग को रोकने और इस मुद्दे पर लोगों के बीच किसी भी गलत धारणा को दूर करने के लिए भी कहा। यह स्पष्टीकरण केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा एक बैठक में दिल्ली में कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा किए जाने के एक दिन बाद आया जिसमें मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद और पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा भी शामिल हुए थे। दिल्ली सरकार के शहरी विकास विभाग ने कहा कि भवन निर्माण गतिविधि को एमसीडी और अन्य स्थानीय निकाय अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में डीएमसी अधिनियम के प्रावधानों के तहत लेआउट योजना को अंतिम रूप देने, भवन योजना को मंजूरी देने और पूर्णता प्रमाणपत्र जारी करने के माध्यम से विनियमित करते हैं। इसने कहा, ''डीएमसी अधिनियम, 1957 के तहत ऐसा कोई प्रावधान नहीं है जिसके तहत किसी व्यक्ति को निर्माण कार्य करने के लिए पुलिस से अनुमति लेने की आवश्यकता हो।'' हालांकि, डीएमसी अधिनियम, 1957 में कुछ प्रावधान हैं, जो अनधिकृत निर्माण जैसे अधिनियम के किसी भी उल्लंघन के बारे में पुलिस द्वारा दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को सूचना देने से संबंधित हैं। शहरी विकास विभाग के दस्तावेज में कहा गया, ''यह बात संज्ञान में लाई गई है कि कभी-कभी प्रावधानों का दुरुपयोग किया जाता है... पैसा वसूलने के उद्देश्य से।''

वैष्णव ने अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पुनर्विकास और बुलेट ट्रेन परियोजना की समीक्षा की

अहमदाबाद : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को अहमदाबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास और आणंद में बुलेट ट्रेन परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। गुजरात के एक दिवसीय दौरे के दौरान, मंत्री ने पश्चिमी रेलवे जोन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पहुंचकर निर्माण कार्य का विस्तार से निरीक्षण किया। वैष्णव ने कहा, स्टेशन का डिजाइन और स्वरूप अहमदाबाद की संस्कृति और विरासत को दर्शाएगा। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि पुनर्विकास कार्य साढ़े तीन साल में पूरा हो जाएगा। पश्चिमी रेलवे के अनुसार, अहमदाबाद स्टेशन के

पुनर्विकास का काम नवंबर 2023 में सौंपा गया था और इसे जून 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। परियोजना की समीक्षा करने के बाद, वैष्णव ने मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए 200 मीटर लंबे स्टील ब्रिज का दौरा किया। वैष्णव ने कहा कि पुल का 'गार्डर' भारत में बनाया गया है और घटकों का निर्माण हापुड़ के सालासर संयंत्र में किया गया है। मंत्री ने आणंद में निर्माणाधीन बुलेट ट्रेन स्टेशन का भी दौरा किया और कार्य प्रगति की सराहना की। उन्होंने पत्रकारों से कहा, करीब 360 किलोमीटर लंबे मार्ग पर निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और शेष कार्य भी तत्परता से जारी है। मुंबई और अहमदाबाद के बीच 508 किलोमीटर लंबे हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर पर बुलेट ट्रेन 320 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलेगी, जिसमें 12 स्टेशन होंगे। परिचालन शुरू करने की समय सीमा के बारे में पूछे जाने पर वैष्णव ने कहा कि काम बहुत तेजी से जारी है और जल्द से जल्द परिचालन शुरू करने के लिए सभी प्रयास किये जा रहे हैं।

गुजरात: एनआरआई की हत्या के मामले में अदालत ने 10 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई

अहमदाबाद : अहमदाबाद की एक सत्र अदालत ने 2006 में एक प्रवासी भारतीय (एनआरआई) की हत्या के लिए 10 लोगों को सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। एनआरआई ने एक आध्यात्मिक संगठन के लिए जुटाए गए विदेशी धन का लेखा-जोखा मांगा था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश भरत जाधव ने शुक्रवार को 84 गवाहों के बयानों और साक्ष्यों पर विचार करने के बाद आध्यात्मिक संगठन 'स्वाध्याय परिवार' के सदस्यों को हत्या एवं आपराधिक षड्यंत्र रचने समेत अन्य आरोपों में दोषी पाया। स्वाध्याय परिवार से जुड़े एनआरआई पंकज त्रिवेदी की 15 जून 2006 को शहर के एलिसब्रिज जिमखाना के पास पीट-पीट कर हत्या कर दी गई थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, त्रिवेदी ने 2001 में भुज भूकंप राहत के लिए संगठन को विदेश से धन जुटाने में मदद की थी। लेकिन, जब उन्होंने इस धन के व्यय के बारे में पूछताछ की, तो संगठन के सदस्यों ने उनके खिलाफ कई शिकायतें दर्ज करा दीं। अभियोजन पक्ष ने कहा कि त्रिवेदी ने खतरा महसूस होने पर पुलिस से संपर्क किया और उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर संगठन के 30 सदस्यों के नाम बताए और कहा कि अगर उन्हें या उनके मित्रों को कुछ भी हुआ तो वे इसके लिए जिम्मेदार होंगे। आरोपियों ने त्रिवेदी के खिलाफ निचली अदालतों, गुजरात उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया, लेकिन उनके खिलाफ मामले खारिज कर दिए गए। अभियोजन पक्ष ने कहा कि कानूनी झटके के बाद आरोपी, त्रिवेदी की हत्या करने का मौका तलाश रहे थे। अदालत ने मामले में चंद्रसिंह जडेजा, हितेशसिंह चुडासमा, दक्षेश शाह, भूपतसिंह जडेजा, मानसिंह वाढेर, घनश्याम चुडासमा, भरत भट्ट, भरतसिंह जडेजा, चंद्रकांत डाकी और जसुभा जडेजा को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल में, इंग्लैंड सात विकेट से हारा

कराची : दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार को यहां ग्रुप बी के अपने अंतिम मैच में मुश्किलों से जूझ रही इंग्लैंड की टीम को सात विकेट से हराने से पहले ही ऑस्ट्रेलिया के साथ चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया। दक्षिण अफ्रीका ने हेनरिच क्लासेन (64 रन) और रासी वान डर डुसेन (नाबाद 72 रन) के अर्धशतकों तथा दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 122 गेंद में 127 रन की साझेदारी की मदद से 29.1 ओवर में तीन विकेट पर 181 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। इंग्लैंड के इतिहास में यह दूसरी बार है जब चैंपियंस ट्रॉफी के किसी चरण में उसने एक भी जीत दर्ज नहीं की। इससे पहले 1998 में ऐसा हुआ था। सेमीफाइनल की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुके इंग्लैंड को रन-रेट के आधार पर अफगानिस्तान को क्वालीफाई करने का मौका देने के लिए कम से कम 207 रन से जीत की जरूरत थी। लेकिन वह 38.2 ओवर में टूर्नामेंट के सबसे कम 179 रन के स्कोर पर सिमट गई। दक्षिण अफ्रीका के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मार्को यानसेन (39 रन देकर तीन विकेट) ने नयी गेंद से तीन महत्वपूर्ण विकेट चटकाकर कमाल कर दिया। मध्य के ओवरों में वियान मुल्डर (25 रन देकर तीन विकेट) और केशव महाराज (35 रन देकर दो विकेट) ने दबाव बनाया, जिससे दक्षिण अफ्रीका ने मैच के परिणाम निकले बिना ही नॉकआउट में अपनी जगह पक्की कर ली। इस जीत से दक्षिण अफ्रीका ग्रुप बी में पांच अंक लेकर आस्ट्रेलिया (चार अंक) से आगे शीर्ष पर रहा। ग्रुप ए के भारत और न्यूजीलैंड के बीच रविवार को होने वाले अंतिम मैच से सेमीफाइनल लाइन-अप तय होगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ स्पिन को बेहतर खेलने पर रहेगा भारत का फोकस

शमी को मिल सकता है आराम, अर्शदीप खेल सकते हैं

दुबई : अब तक अपराजेय भारतीय टीम का फोकस स्पिन को बेहतर खेलने पर होगा और न्यूजीलैंड के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफी के आखिरी ग्रुप मैच में रविवार को उन खिलाड़ियों को मौका मिल सकता है जो अब तक बाहर बैठे हैं। आखिरी ग्रुप मैच जीतने से भारत ग्रुप ए में शीर्ष पर रहेगा। अब सेमीफाइनल में भारत का सामना दक्षिण अफ्रीका या आस्ट्रेलिया से होगा और दोनों के पास बेहतरीन स्पिनर हैं। भारत ने दोनों मैच जीते हैं लेकिन स्पिनरों ने भारतीयों को परेशान किया है और सेमीफाइनल के लिये क्वालीफाई कर चुकी न्यूजीलैंड टीम इसका फायदा उठा सकती है। भारत के स्टार बल्लेबाजों ने बांग्लादेश के स्पिनरों मेहदी हसन मिराज और रिशाद हुसैन के खिलाफ जोखिम लेने से बचने की रणनीति अपनाई। यही तरीका उन्होंने पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद के खिलाफ भी अपनाया और ये तीनों गेंदबाज काफी किफायती साबित हुए। अब उनके सामने मिचेल सेंटनेर और माइकल ब्रेसवेल की चुनौती होगी जो इस टूर्नामेंट में स्पिन के सामने सबसे कठिन परीक्षा भी रहेगी। दोनों कीवी स्पिनर अच्छे फॉर्म में हैं और दुबई की पिच पर और प्रभावी साबित हो सकते हैं। भारतीय बल्लेबाज स्पिनरों को इक्के दुक्के रन लेकर बड़े शॉट तेज गेंदबाजों के खिलाफ खेलते आये हैं। लेकिन अब उन्हें 20 ओवर सेंटनेर और ब्रेसवेल का सामना करना है जबकि ग्लेन फिलिप्स भी अनियमित स्पिन गेंदबाज हैं। पिछले साल के आखिर में घरेलू टेस्ट श्रृंखला में सेंटनेर और फिलिप्स के खिलाफ भारत का अनुभव अच्छा नहीं रहा है। भारत को उसमें 0 . 3 से पराजय झेलनी पड़ी थी और अब यहां इन दोनों के साथ ब्रेसवेल भी हैं जिन्होंने अब तक दो मैचों में 3 . 2 की औसत से ही रन दिये हैं। ऐसे में फॉर्म में चल रहे शुभमन गिल, पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद शतक जमाने वाले विराट कोहली , श्रेयस अय्यर और केएल राहुल को प्रभावी प्रदर्शन करना होगा। टूर्नामेंट से पहले टीम में पांच स्पिनरों (रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, वरूण चक्रवर्ती और वॉशिंगटन सुंदर) के चयन को लेकर भारत की आलोचना हो रही थी लेकिन यहां स्पिनरों के दबदबे ने भारत को मजबूती दी है। हाल ही में आईएलटी 20 की मेजबानी करने वाले दुबई के इस मैदान की पिचें अब ताजा नहीं है जिससे स्पिनरों को मदद मिल रही है। भारत ने दो मैचों में जडेजा, अक्षर और कुलदीप को उतारा है और तीनों प्रभावी रहे हैं। उन्होंने बीच के ओवरों में बल्लेबाजों को खुलकर रन नहीं बनाने दिये और इकॉनॉमी रेट पांच से नीचे ही रहा है। पाकिस्तान के खिलाफ मोहम्मद रिजवान और सऊद शकील की शतकीय साझेदारी के बावजूद 11वें से 34वें ओवर में अधिक रन नहीं बन सके जब गेंद स्पिनरों के पास थी। पाकिस्तानी बल्लेबाज लगातार नौ ओवरों तक चौका नहीं लगा पाये।

शेफाली की विस्फोटक पारी से दिल्ली कैपिटल्स ने आरसीबी को हराया

बेंगलुरु: दिल्ली कैपिटल्स ने सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (नाबाद 80 रन) और जेस जोनासेन (नाबाद 61 रन) के विस्फोटक अर्धशतकों से शनिवार को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) टी20 मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 27 गेंद रहते नौ विकेट से हराकर जीत की लय जारी रखी। पिछले मैच में मुंबई इंडियंस को नौ विकेट से करारी शिकस्त देने वाली दिल्ली कैपिटल्स के लिए शेफाली और जोनासेन ने दूसरे विकेट के लिए महज 77 गेंद में 146 रन की अटूट साझेदारी निभाकर आसान जीत दिलाई। शेफाली ने अपनी तेज तर्रार पारी के लिए 43 गेंद खेली जिसमें आठ चौके और चार छक्के जड़े थे। वहीं जोनासेन ने भी उनका अच्छा साथ निभाते हुए 38 गेंद में नौ चौके और एक छक्के से नाबाद 61 रन बनाये। दिल्ली कैपिटल्स ने कप्तान मेग लैनिंग (02) के रूप में एकमात्र विकेट गंवाया। आरसीबी ने एलिस पैरी (नाबाद 60 रन) की अर्धशतकीय पारी से पांच विकेट पर 147 रन का स्कोर खड़ा किया। दिल्ली कैपिटल्स ने शेफाली और जोनासेन की मदद से यह लक्ष्य 15.3 ओवर में एक विकेट पर 151 रन बनाकर हासिल कर लिया। इस तरह आरसीबी का हारने का सिलसिला जारी रहा, यह उसकी लगातार चौथी शिकस्त है। इससे पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद पैरी ने आरसीबी को शुरूआती झटकों से उबारते हुए सत्र का चौथा अर्धशतक जड़ा।

पीसीबी ने बारिश के कारण रद्द हुए दो मैच के लिए पूरा पैसा वापस करने की घोषणा की

लाहौर : पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शनिवार को रावलपिंडी में बारिश के कारण रद्द हुए दो चैंपियंस ट्रॉफी मैचों के लिए टिकट की पूरी राशि वापस करने की घोषणा की। बारिश के कारण 25 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच और 27 फरवरी को बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच मैच एक भी गेंद फेंके बिना रद्द कर दिया गया था। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पीसीबी टिकट वापसी नीति के अनुसार अगर टॉस से पहले मैच रद्द कर दिया जाता है तो टिकट धारक पूरा पैसा वापस पाने के पात्र हैं। पीसीबी ने एक बयान में कहा कि सभी टिकट के पैसे वापस किए जाएंगे। इसमें कहा गया कि 'हॉस्पिटैलिटी टिकट' (बॉक्स और पीसीबी गैलरी) के टिकट धारक रिफंड के पात्र नहीं होंगे। पात्र टिकट धारक 10 मार्च से 14 मार्च के बीच चुनिंदा टीसीएस आउटलेट पर अपना रिफंड वापस ले सकते हैं। रिफंड की प्रक्रिया के लिए टिकट धारकों को खरीद के प्रमाण के रूप में एक मूल टिकट पेश करना होगा जो फटा हुआ नहीं हो और व्यक्तिगत रूप से टीसीएस आउटलेट पर जाना होगा क्योंकि किसी और की ओर से रिफंड का दावा नहीं किया जा सकता है।

ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका को चैंपियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल से पहले यात्रा की चुनौती से निपटना होगा

दुबई : ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की क्रिकेट टीमें चैंपियंस ट्रॉफी के अंतिम चार मैच से पहले दुबई के लिए उड़ान भरेंगी लेकिन अभी यह तय नहीं है कि उनका सेमीफाइनल दुबई में होगा या पाकिस्तान में। चैंपियंस ट्रॉफी का पहला सेमीफाइनल चार मार्च (मंगलवार) को खेला जायेगा जबकि लाहौर बुधवार को दूसरे सेमीफाइनल की मेजबानी करेगा। चैंपियंस ट्रॉफी के पहले सेमीफाइनल में भारत की मौजूदगी तय है लेकिन रोहित शर्मा की टीम के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में से किसका सामना होगा इसका पता रविवार को भारत और न्यूजीलैंड के बीच ग्रुप ए के आखिरी मैच के नतीजे पर निर्भर करेगा। पाकिस्तान में सुरक्षा चिंताओं के कारण भारत अपने सभी मैच दुबई में खेल रहा है। ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम ग्रुप बी में शीर्ष स्थान पर रहने वाली टीम से भिड़ेगी। भारत अपना नॉकआउट मैच मंगलवार को दुबई में खेलेगा चाहे वह ग्रुप ए में पहले स्थान पर रहे या दूसरे स्थान पर। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक दूसरे सेमीफाइनल के लिए कौन सी टीम लाहौर लौटेगी, इसका पता चलने से पहले ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका दोनों को दुबई जाना होगा और रविवार के मैच के नतीजे का इंतजार करना होगा। बीबीसी ने शनिवार को लिखा, 'ग्रुप बी का समापन शनिवार को इंग्लैंड के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका के मैच के साथ होगा लेकिन रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के मैच के समापन तक दक्षिण अफ्रीका या ऑस्ट्रेलिया में से किसी को भी अपने सेमीफाइनल के स्थान के बारे में पता नहीं चलेगा। बीबीसी के मुताबिक, 'उन्हें (ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका) अपने मैच के बारे में जानने के लिए सोमवार तक इंतजार करना होता और अगर वे कार्यक्रम की पुष्टि होने यात्रा करते है तो इससे दुबई में अभ्यास का मौका नहीं मिलेगा।' दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज रासी वान डेर डुसेन और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान पैट कमिंस सहित कुछ क्रिकेटरों ने कहा है कि भारत फायदे की स्थिति में है क्योंकि वह अपने सभी मैच एक ही स्थान पर खेल रहा हैं जबकि अन्य टीमों को पाकिस्तान में विभिन्न स्थानों की यात्रा करनी पड़ी है।

गुकेश करियर के सर्वश्रेष्ठ तीसरी रैंकिंग पर पहुंचे, प्रज्ञानानंदा की शीर्ष 10 में वापसी

नयी दिल्ली: मौजूदा विश्व चैंपियन भारत के डी गुकेश फिडे की शनिवार को जारी नवीनतम क्लासिकल रेटिंग में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ तीसरी रैंकिंग पर पहुंच गए, जबकि हमवतन आर प्रज्ञानानंदा फिर से शीर्ष 10 में वापसी करने में सफल रहे। गुकेश दिसंबर में सिंगापुर में चीन के डिंग लिरेन को हराकर विश्व खिताब जीतने के बाद से शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। 18 साल के इस खिलाड़ी ने इस दौरान 10 रेटिंग अंक हासिल किए हैं। अब उनके नाम कुल 2787 रेटिंग अंक हो गये हैं। गुकेश हाल ही में विज्क आन जी में टाटा स्टील मास्टर्स को टाईब्रेक में प्रज्ञानानंदा से हार गए थे। वह रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज हिकारू नाकामुरा (2802) से 15 अंक पीछे हैं। नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन (2833) दुनिया में शीर्ष रैंकिंग के शतरंज खिलाड़ी बने हुए हैं। गुकेश ने इस रैंकिंग में हमवतन अर्जुन एरिगैसी और अमेरिका के फैबियानो कारूआना को पीछे छोड़ दिया है। एरिगैसी इससे पहले लंबे समय तक शीर्ष रैंक वाले भारतीय थे। वह 2777 की रेटिंग के साथ पांचवें स्थान पर खिसक गए हैं। प्रज्ञानानंद टाटा स्टील मास्टर्स में जीत से पिछले साल जुलाई के बाद पहली बार शीर्ष 10 में वापसी करने में सफल रहे। मौजूदा समय में प्राग मास्टर्स में खेल रहा यह भारतीय खिलाड़ी 17 रेटिंग अंक हासिल कर कुल 2758 रेटिंग अंक के साथ आठवें स्थान पर पहुंचने में सफल रहा।

न्यूज ब्रीफ

टाटा मोटर्स की बिक्री फरवरी में आठ प्रतिशत गिरी

नयी दिल्ली : टाटा मोटर्स ने शनिवार को बताया कि फरवरी में उसकी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बिक्री सालाना आधार पर आठ प्रतिशत घटकर 79,344 इकाई रही। कंपनी ने पिछले साल इसी महीने में 86,406 इकाइयां बेची थीं। टाटा मोटर्स ने शेयर बाजार को बताया कि पिछले महीने कुल घरेलू बिक्री नौ प्रतिशत घटकर 77,232 इकाई रही। एक साल पहले इसी अवधि में यह आंकड़ा 84,834 इकाई था। इलेक्ट्रिक वाहनों सहित कुल यात्री वाहनों (पीवी) की बिक्री एक साल पहले की 51,321 इकाइयों की तुलना में नौ प्रतिशत घटकर 46,811 इकाई रही। फरवरी में कुल वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री साल-ाना आधार पर सात प्रतिशत घटकर 32,533 इकाई रही।

महिंद्रा की बिक्री फरवरी में 15 प्रतिशत बढ़कर 83,702 इकाई पर

नयी दिल्ली : महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) की फरवरी में वाहन बिक्री 15 प्रतिशत बढ़कर 83,702 इकाई हो गई। वाहन विनिर्माता ने पिछले साल फरवरी में 72,923 इकाइयां बेची थीं। एमएंडएम ने शनिवार को कहा कि 'यूटिलिटी' वाहन खंड में फरवरी में उसने घरेलू बाजार में 19 प्रतिशत वृद्धि के साथ 50,420 वाहन बेचे, जो पिछले साल फरवरी में 42,401 इकाई थी। पिछले महीने कंपनी का निर्यात 99 प्रतिशत बढ़कर 3,061 इकाई हो गया, जो फरवरी, 2024 में 1,539 इकाई था। महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) वाहन खंड के अध्यक्ष विजय नाकरा ने एक बयान में कहा, यह मजबूत प्रदर्शन हमारे एसयूवी (स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन) खंड के लिए निरंतर सकारात्मक गति का परिणाम है। कंपनी ने कहा कि पिछले महीने उसकी कुल ट्रैक्टर बिक्री 25,527 इकाई रही, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 21,672 इकाई थी। फरवरी में निर्यात 1,647 इकाई रहा।

मोदी का कृषि हितधारकों से बजट के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सुझाव देने का आग्रह

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कृषि और ग्रामीण विकास के लिए बजटीय प्रस्तावों के शीघ्र कार्यान्वयन का आह्वान किया और हितधारकों से नये बजट पर विचार-विमर्श करने के बजाय 'कार्रवाई' पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। बजट के बाद 'कृषि और ग्रामीण समृद्धि' पर आयोजित वेबिनार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि यह बजट सरकार के तीसरे कार्यकाल में एक सुसंगत नीतिगत दृष्टिकोण के साथ 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण के नए विस्तार को दर्शाता है। मोदी ने कहा, इस वर्ष के बजट को तेजी से क्रियान्वित करना महत्वपूर्ण है। बजट तैयार हो चुका है और हमारा पूरा ध्यान कार्रवाई पर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हितधारकों को बजट कार्यान्वयन में 'बाधाओं और कमियों' की पहचान करनी चाहिए। मोदी ने कहा कि बजट से पहले सभी हितधारकों से मिली सूचनाओं और सुझावों से इसे तैयार करने में मदद मिली। उन्होंने कहा, अब इस बजट को जमीनी स्तर पर और अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने की जरूरत है। ...और बेहतर परिणाम के लिए, (हितधारकों

की) भूमिका और भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कृषि को वृद्धि का पहला इंजन माना जाता है और सरकार कृषि वृद्धि और ग्रामीण समृद्धि हासिल करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। मोदी ने कहा कि सरकार 'विकसित भारत' के लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध है और हमारा प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी किसान पीछे न छूटे तथा प्रत्येक किसान आगे बढ़े। उन्होंने कहा, हमें देश की कृषि क्षमता का पूर्ण उपयोग करने तथा अधिक लक्ष्य हासिल करने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री ने कृषि क्षेत्र में रिकॉर्ड उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खाद्यान्न उत्पादन एक दशक पहले के 26.5 करोड़ टन से बढ़कर वर्तमान में 33 करोड़ टन से अधिक हो गया है। इसी तरह, बागवानी उत्पादन भी बढ़कर 35 करोड़ टन से अधिक हो गया है। मोदी ने विशेष रूप से प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना का उल्लेख करते हुए इसे अपने लिए 'बहुत महत्वपूर्ण योजना' बताया। यह पहल आकांक्षी जिलों के सफल मॉडल का अनुसरण करते हुए कम फसल पैदावार वाले 100 जिलों पर ध्यान केंद्रित करेगी। उन्होंने कहा, हमने बिहार में मखाना बोर्ड की स्थापना की घोषणा की है। मैं सभी हितधारकों से आग्रह करता हूं कि वे देश भर में और वैश्विक बाजार में विविध पोषण युक्त खाद्य पदार्थों की खोज करें और उन्हें बढ़ावा दें।

न्यूज अपडेट

रॉयल एनफील्ड की बिक्री फरवरी में 19 प्रतिशत बढ़ी

नयी दिल्ली : रॉयल एनफील्ड की फरवरी में कुल बिक्री सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर 90,670 इकाई रही। एक साल पहले इसी महीने में कंपनी ने कुल 75,935 इकाइयां बेची थीं। रॉयल एनफील्ड ने शनिवार को बताया कि उसने फरवरी में घरेलू बाजार में 80,799 गाड़ियां बेचीं, जो पिछले साल फरवरी की घरेलू बिक्री से 19 प्रतिशत ज्यादा है। कंपनी ने बयान में कहा कि उसका निर्यात फरवरी में 23 प्रतिशत बढ़कर 9,871 इकाई रहा, जो पिछले साल फरवरी में 8,013 इकाई था। रॉयल एनफील्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बी गोविंदराजन ने कहा कि कंपनी के मजबूत उत्पाद पोर्टफोलियो से वृद्धि को मदद मिली है।

तुहिन कांत पांडेय ने सेबी चेयरमैन का कार्यभार संभाला, पारदर्शिता का वादा किया

मुंबई : वरिष्ठ नौकरशाह तुहिन कांत पांडेय ने शनिवार को पूंजी बाजार नियामक सेबी के 11वें चेयरमैन के रूप में कार्यभार संभाल लिया। इस मौके पर उन्होंने पारदर्शिता और 'टीम-वर्क' पर ध्यान केंद्रित करने का वादा किया। अब तक वित्त सचिव के रूप में कार्य कर रहे पांडेय ने सेबी को एक ऐसा 'मजबूत बाजार संस्थान' बताया, जिसे वर्षों से विभिन्न दिग्गजों ने आकार दिया है। अपने कार्य-एजेंडे या कार्यशैली के बारे में बताने से इनकार करते हुए माधबी पुरी बुच के उत्तराधिकारी ने कहा कि वह किसी पर टिप्पणी नहीं करेंगे। बुच पर उनके कार्यकाल के अंतिम कुछ महीनों में अनियमितताओं के कई आरोप लगे थे। बुच पांडेय के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) व्यावसायिक जिले में सेबी मुख्यालय पहुंचने पर मौजूद नहीं थीं। बताया जाता है कि वह अस्वस्थ हैं और उन्हें कोविड संक्रमण है। पांडेय को बृहस्पतिवार को सरकार ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) का चेयरमैन नियुक्त किया।पांडेय (59) ने संवाददाताओं से कहा, सेबी एक बहुत मजबूत बाजार संस्था है। इसे वर्षों से लगातार अग्रणी लोगों के साथ बनाया गया है और यह प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी। नए चेयरमैन ने अपने उद्देश्यों को रेखांकित करते हुए चार टी- विश्वास (ट्रस्ट), पारदर्शिता (ट्रांसपेरेंसी), टीमवर्क और प्रौद्योगिकी (टेक्नोलॉजी) को अपने मुख्य ध्यान वाले क्षेत्रों के रूप में बताया।

भारत, यूरोपीय संघ ने एफटीए वार्ता में तेजी लाने के प्रयासों पर चर्चा की

नयी दिल्ली : भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देने के लिए 2025 के अंत तक की समयसीमा तय की है। इसके साथ ही दोनों पक्षों की टीमों ने संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते की दिशा में प्रयासों में तेजी लाने के लिए शनिवार को चर्चा की। मुंबई में यह बैठक वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और ईयू के व्यापार और आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफकोविक के बीच दोनों पक्षों के अधिकारियों के साथ हुई। गोयल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, हमारी चर्चा संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी एफटीए की दिशा में प्रयासों को गति देने पर केंद्रित थी। आर्थिक संबंधों को गहरा करने और समृद्ध भारत-यूरोपीय संघ साझेदारी को बढ़ावा देने की आशा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने 28 फरवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शुल्क नीति पर बढ़ती चिंताओं के बीच इस वर्ष तक बहुप्रतीक्षित एफटीए पर सहमति व्यक्त की। दोनों पक्षों के बीच 10-14 मार्च तक ब्रुसेल्स में एफटीए के लिए दसवें दौर की वार्ता होनी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अधिक शुल्क लगाने की धमकी के मद्देनजर दोनों के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत करना महत्वपूर्ण है। मौजूदा अनिश्चित वैश्विक आर्थिक स्थिति में, भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है। वित्त वर्ष 2024-25 में इसके 6.4 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। जून, 2022 में भारत और 27 देशों के यूरोपीय संघ के समूह ने आठ साल से ज़्यादा के अंतराल के बाद बातचीत बहाल की। बाजारों को खोलने के स्तर पर मतभेदों के कारण 2013 में यह बातचीत रुक गई थी।

निफ्टी का मूल्यांकन अच्छा और उचित, बाजार में कुछ छोटे सुधार संभव: गोयल

मुंबई : केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि 50 शेयरों वाले सूचकांक एनएसई निफ्टी का मूल्यांकन अच्छा और उचित है। बीते सप्ताह शेयर बाजारों में हुई तेज बिकवाली के बाद, वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने कहा कि भारतीय बाजारों में कुछ और सुधार हो सकता है। उन्होंने कहा कि 19 का पीई अनुपात निफ्टी के मूल्यांकन को अच्छा और उचित बनाता है। म्यूचुअल फंड उद्योग के निकाय एम्फी के एक कार्यक्रम में गोयल ने कहा कि निफ्टी के कुछ शेयरों में थोड़ी गिरावट हो सकती है, लेकिन कुल मिलाकर निफ्टी अभी भी अच्छे मूल्यांकन को दर्शाता है। उन्होंने कहा, ''सबसे तेजी से बढ़ने वाले विकासशील देश के लिए 19 के पीई अनुपात पर मौजूदा मूल्यांकन उचित है। हालांकि, यहां कुछ छोटे सुधार अभी भी हो सकते हैं।'' गोयल ने कहा कि बाजार में मौजूदा गिरावट उन लोगों के लिए चेतावनी है, जिन्होंने छोटे निवेशकों को सही सलाह नहीं दी है। उन्होंने एम्फी से ऐसे लोगों को अलग-थलग करने की सलाह दी। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि म्यूचुअल फंड को अपनी जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता नहीं छोड़नी चाहिए।

गोयल व्यापार वार्ता के लिए वाशिंगटन जाएंगे

नयी दिल्ली : वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल अगले सप्ताह वाशिंगटन का दौरा करेंगे। एक अधिकारी ने कहा कि भारत और अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत करने की योजना बना रहे हैं, और गोयल की यात्रा इसी सिलसिले में होगी। अधिकारी ने कहा कि यह यात्रा तीन मार्च से शुरू होगी और मंत्री के शुक्रवार तक अमेरिका में रहने की उम्मीद है।

सरकार कृषि बजट प्रस्तावों के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध: शिवराज सिंह चौहान

नयी दिल्ली : कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि सरकार देशभर के विशेषज्ञों की सिफारिशों के आधार पर बजट प्रस्तावों को जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। बजट के बाद 'कृषि और ग्रामीण समृद्धि' पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा, कृषि के विकास और किसानों की समृद्धि के बिना विकसित भारत का निर्माण नहीं किया जा सकता है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि ग्रामीण विकास और कृषि वृद्धि, सरकार के एजेंडे में केन्द्रीय स्थान पर है। उन्होंने कहा कि प्रशासन मखाना बोर्ड के गठन के लिए प्राप्त सुझावों पर काम करेगा। वेबिनार के दौरान चौहान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मोदी के नेतृत्व में 'कृषि क्षेत्र और किसान भाई-बहन समृद्ध हो रहे हैं।' कृषि मंत्री ने ग्रामीण विकास के लिए नीति को अमल में लाने के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, बजट प्रस्तावों को जमीनी स्तर पर लागू करना हमारा संकल्प है।

अमेरिकी प्रोफेसर ने भारत की 'ड्रोन दीदी' योजना की प्रशंसा की

नयी दिल्ली : एमआईटी स्लोन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के वरिष्ठ व्याख्याता जोनाथन फ्लेमिंग ने शनिवार को आईसीएआर पूसा परिसर के दौरे पर प्रौद्योगिकी के माध्यम से महिला सशक्तिकरण में भारत के प्रयासों की सराहना की। फ्लेमिंग ने 'नमो ड्रोन दीदी' योजना के प्रतिभागियों के साथ बातचीत के बाद कहा, मैं यह देखकर उत्साहित हूं कि भारत महिला सशक्तिकरण के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग कैसे कर रहा है। उन्होंने कहा, यह पहल न केवल ग्रामीण भारतीय महिलाओं के लिए बल्कि अन्य देशों के लिए भी प्रेरणा है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि अतिथि प्रोफेसर ने चार महिला प्रतिभागियों - गीता, सीता, प्रियंका और हेमलता द्वारा कृषि प्रयोजनों के लिए उपयोग की जाने वाली ड्रोन प्रौद्योगिकी का सजीव प्रदर्शन देखा। इन प्रतिभागियों ने ड्रोन का उपयोग करके फसल के खेतों में उर्वरकों और कीटनाशकों का छिड़काव किया। बातचीत के दौरान, महिलाओं ने बताया कि कैसे सरकारी कार्यक्रम ने उन्हें ड्रोन प्रौद्योगिकी अपनाने में मदद करने के लिए प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता प्रदान की। उन्होंने अपनी वित्तीय स्थिति में उल्लेखनीय सुधार की सूचना दी और 'ड्रोन दीदी' के रूप में अपने नए पदनाम पर गर्व व्यक्त किया।

वर्ष 9, पूर्णांक 4165 अंक 315, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in